नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 16

अंक : 11

सोमवार, 27 अप्रैल से 03 मई 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

मुख्यमंत्री ने समस्याओं के समयबद्ध समाधान के दिए निर्देश 03

श्रमिकों के लिए 201 जगहों पर मुफ्त मेडिकल कैंप 08

NCR समाचार

मैने धोनी के जैसा विकेटकीपर नहीं देखा : अश्विन 10

इस एक प्राणायाम से छूमंतर करें पेट की चर्बी 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

हमारी शादी में गौरव और मैं बराबर हैं 12

एक नजर

आपदाओं की मोबाइल पर सूचना देने वाली सेवा का उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने देश में आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों को त्वरित सूचना देने के लिए अत्याधुनिक 'सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम' सेवा का शनिवार को यहां उद्घाटन किया। श्री सिंधिया ने इस मौके पर कहा कि यह प्रणाली गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से विकसित की गई है। इसके माध्यम से आपदा, गंभीर मौसम और अन्य आपात स्थितियों से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाएं सीधे लोगों के मोबाइल फोन पर तुरंत भेजी जा सकेंगी। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में आज देशभर में इस प्रणाली का सफल परीक्षण भी किया गया, जिसमें नागरिकों के मोबाइल फोन पर बीप ध्वनि के साथ इमरजेंसी अलर्ट संदेश प्रदर्शित हुआ। यह पहल भविष्य में त्वरित और प्रभावी सूचना प्रसारण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

अजय राय की सेहत को लेकर राहुल गांधी ने जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के अस्वस्थ होने पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस खबर से वह चिंतित हैं और श्री राय के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं। श्री गांधी ने उम्मीद जताई कि श्री राय जल्द स्वस्थ होकर पूरी ऊर्जा के साथ जन सेवा में सक्रिय होंगे। कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार शरीर में सोडियम की कमी के चलते श्री राय की तबीयत लखनऊ में शुक्रवार शाम बिगड़ गई थी जिसके कारण उन्हे मेदांता अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। बताया जा रहा है कि लखनऊ में एक कार्यक्रम को संबोधित करने के बाद वे अपने आवास लौटे थे, जहां उन्हें चक्कर आ गया और वे बेहोश हो गए। रक्तचाप से जुड़ी शिकायत के बाद उन्हें तत्काल मेदांता अस्पताल ले जाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के अस्वस्थ होने की खबर पर चिंता जताते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। श्री मोदी ने शुक्रवार एक्स पर लिखा कि उन्हें अजय राय के स्वास्थ्य खराब होने की जानकारी मिली है और वे उनके जल्द ठीक होने की प्रार्थना करते हैं। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने बताया कि अजय राय शुक्रवार शाम अचानक अस्वस्थ हो गए, जिसके बाद उन्हें मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल उनकी हालत में सुधार बताया जा रहा है और वे डॉक्टरों की निगरानी में हैं।

संदीप पाठक पर दो एफआईआर दर्ज, भाजपा ने भगवंत मान पर बदले की कार्रवाई का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक के खिलाफ पंजाब में दो एफआईआर दर्ज की गई है। भाजपा ने भगवंत सरकार पर निशाना साधते हुए इसे बदले की भावना से की गई कार्रवाई बताया। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में पंजाब की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि पंजाब पुलिस ने राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक के आवास पर छापेमारी की कोशिश की, जबकि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पहले से ही खराब बनी हुई है। आम आदमी पार्टी की सरकार में पुलिस अपराध पर नियंत्रण करने के बजाय इस तरह की कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि भगवंत मान सरकार के प्रति लोगों के मन में गुस्सा है। इसी हताशा, निराशा और गुस्से के चलते बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल से जवाब मांगते हुए 'नई राजनीति' के दावों पर भी सवाल खड़े किए।

स्पिरिट एयरलाइंस 34 साल बाद हुई बंद, सभी उड़ानें रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संकट और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच अत्यंत कम लागत वाली अमेरिकी एयरलाइंस कंपनी स्पिरिट एयरलाइन ने 34 साल बाद अपने परिचालन को तुरंत प्रभाव से बंद करने का ऐलान किया है। कंपनी ने अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं और ग्राहक सेवा को बंद कर दिया गया है। एयरलाइन के इस कदम से 17 हजार लोगों की नौकरियां जाने का खतरा है। स्पिरिट एयरलाइंस ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि उसकी सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं क्योंकि व्हाइट हाउस से संभावित बेलआउट न मिल पाने के बाद उसने अपने ऑपरेशन्स को व्यवस्थित तरीके से बंद करना शुरू कर दिया है, जो तत्काल प्रभाव से लागू है। एयरलाइन ने कहा स्पिरिट की सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। स्पिरिट एविएशन होल्डिंग्स, इंक, जो स्पिरिट एयरलाइंस की मूल कंपनी है, उसने 500 मिलियन डॉलर की बचाव डील हासिल करने में नाकाम रहने के बाद अपना कामकाज बंद कर दिया है। दरअसल, बढ़ती ईंधन कीमतों और ईरान युद्ध के असर से कंपनी पहले ही वित्तीय संकट और दिवालियापन से जूझ रही थी। इस बंदी से करीब 17 हजार कर्मचारियों की नौकरियों पर असर पड़ सकता है और विमानन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा घटने की आशंका है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार स्पिरिट एयरलाइंस ने आज खेद के साथ घोषणा की है कि कंपनी ने अपने परिचालन को व्यवस्थित रूप से बंद करना शुरू कर दिया है, जो तत्काल प्रभाव से लागू है। जिससे टिकटों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है और यात्रियों को परेशानी का भी सामना करना पड़ रहा है। इसके नतीजे दिखने लगे हैं, हवाई किराया बढ़ रहा है और दूसरी एयरलाइंस इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए आगे आ रही हैं।

एलपीजी की कमी से निपटने के लिए पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने में जुटी है सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर एलपीजी सिलेंडर की कमी को देखते हुए सरकार पीएनजी कनेक्शन बढाने में लगी है और अब तक लगभग 5.96 लाख पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन चालू किए गए हैं तथा अतिरिक्त 2.68 लाख कनेक्शनों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है, साथ ही लगभग 6.66 लाख नए ग्राहकों ने कनेक्शन के लिए पंजीकरण कराया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पश्चिम एशिया संकट के बारे में एक वक्तव्य जारी कर बताया कि खाड़ी क्षेत्र में बदलती स्थिति के मद्देनजर, सरकार ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री संचालन और क्षेत्र में मौजूद भारतीय नागरिकों की सहायता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से समन्वित कदम उठा रही है। वक्तव्य में कहा गया है कि मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के बावजूद, सरकार ने यह सुनिश्चित

किया है कि घरेलू एलपीजी, घरेलू पीएनजी और सीएनजी (परिवहन) को 100 प्रतिशत आपूर्ति की जाये। वाणिज्यिक एलपीजी के लिए अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता दी गई है। इसके अलावा औषधि, इस्पात, ऑटोमोबाइल, बीज, कृषि आदि क्षेत्रों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। साथ ही प्रवासी मजदूरों के लिए 5 किलोग्राम एफटीएल की आपूर्ति को 2 और 3 मार्च की औसत दैनिक आपूर्ति के आधार पर दोगुना कर दिया गया है।

सरकार ने आपूर्ति और मांग दोनों पक्षों पर कई संतुलन उपाय पहले ही लागू कर दिए हैं, जिनमें रिफाइनरियों के उत्पादन को बढ़ाना, शहरी क्षेत्रों में गैस बुकिंग का अंतराल 21 दिनों से बढ़ाकर 25 दिन करना और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन तक करना, तथा विभिन्न क्षेत्रों को आपूर्ति में प्राथमिकता देना शामिल है।

एलपीजी की मांग का दबाव कम करने के लिए केरोसिन और कोयले जैसे वैकल्पिक ईंधन उपलब्ध कराए गए हैं। कोयला मंत्रालय ने कोल इंडिया और सिंगरेनी कोलियरीज को निर्देश दिया है कि वे छोटे और मध्यम उपभोक्ताओं में वितरण के लिए राज्यों को अतिरिक्त कोयला उपलब्ध कराएं। राज्यों को घरेलू और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए नए पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराने में सुविधा देने की सलाह दी गई है। सरकार ने कहा है कि 9 अप्रैल से अब तक मुम्बई, कोच्चि, विशाखापट्टनम, चेन्नई, मथुरा और गुजरात की रिफाइनरियों द्वारा रासायनिक, औषधि (फार्मा) और पेंट उद्योगों को 10,000 टन से अधिक प्रोपिलीन और 1200 मीट्रिक टन से अधिक ब्यूटिल एक्रिलेट की बिक्री की गई है।

एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए पूरे देश में अभियान जारी हैं।

एलपीजी सिलेंडरों की सौ फीसदी सप्लाई की जा रही सुनिश्चित, आपूर्ति ठप होने की कोई रिपोर्ट नहीं: सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप्स पर सिलेंडर खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। घरेलू परिवारों को एलपीजी सिलेंडरों की 100 फीसदी सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है। विदेश मंत्रालय खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र में चल रहे घटनाक्रमों पर लगातार नजर रख रहा है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि कल ऑनलाइन घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की बुकिंग बढ़कर 99 फीसदी हो गई, जबकि ओटीपी आधारित डिलीवरी 94 फीसदी से ज्यादा हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि मार्च, 2026 से अब तक लगभग 5.96 लाख पीएनजी गैस कनेक्शन दिए गए हैं और 2.68 लाख अतिरिक्त कनेक्शनों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है, इसके साथ ही लगभग 6.66 लाख ग्राहकों ने नए कनेक्शनों के लिए पंजीकरण कराया है। मंत्रालय ने कहा कि 9 अप्रैल, 2026 से मुंबई, कोच्चि, विजाग, चेन्नई, मथुरा और गुजरात की रिफाइनरियों ने रसायन, फार्मा और पेंट उद्योग को 10,000 मीट्रिक टन से अधिक प्रोपलीन और 1200 मीट्रिक टन से अधिक ब्यूटाइल एक्रिलेट बेचा है। वहीं, अबतक 2,922 से अधिक भारतीय नाविकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी हुई हैं, इनमें पिछले 24 घंटों में खाड़ी क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से सुरक्षित स्वदेश वापसी करने वाले 30 नाविक भी शामिल हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति को ध्यान में रखते हुए पेट्रोलियम उत्पादों और एलपीजी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे उपायों के बारे में बताते हुए कहा कि नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी करने से बचें क्योंकि सरकार पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

गृह मंत्री शाह ने लद्दाख में सतत विकास पर जोर दिया

लेह/जम्मू। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लद्दाख में सतत विकास के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया है, जिसमें पौधारोपण और जल सुरक्षा को क्षेत्र की समग्र प्रगति का प्रमुख स्तंभ बताया है। यह जानकारी लद्दाख के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने शनिवार को दी।

उपराज्यपाल ने उन्हें हिम सरोवर परियोजना के तहत विभिन्न गांवों में 50 जलाशय बनाने के लिए जारी कार्यों और हाल ही में चलाए गए पौधारोपण अभियान के बारे में जानकारी दी।

सक्सेना ने एक्स पर गृह मंत्री की एक पोस्ट साझा करते हुए कहा, बुद्ध पूर्णिमा के पवित्र अवसर पर लेह के अपने दौरे के आध्यात्मिक महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने सतत विकास पर केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। गृहमंत्री ने बड़े पैमाने पर पौधारोपण और जल सुरक्षा को लद्दाख के समग्र विकास का प्रमुख स्तंभ बताया। लद्दाख के वरिष्ठ नेता थुपस्टन चेवांग ने पेयजल और सिंचाई के लिए श्योक नदी के जल का उपयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उपराज्यपाल ने बताया कि पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक ने कहा कि लद्दाख में ग्लेशियर पिघलने से प्राप्त जल का केवल लगभग एक प्रतिशत ही वर्तमान में उपयोग किया जा रहा है,

जबकि शेष बर्बाद हो जाता है। उन्होंने जल संरक्षण के लिए नवीन तरीकों की आवश्यकता पर बल दिया।

अधिकारियों ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने लद्दाख में जलवायु परिवर्तन के अनुकूल विकास सुनिश्चित करने के लिए पौधारोपण और जल संरक्षण के दोहरे उद्देश्यों को पूरा करने के लिये एक व्यापक अभियान शुरू कर दिया है।

उपराज्यपाल ने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले 40 दिनों में पर्यावरण स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए लेह और कारगिल में 4500 से अधिक देशी प्रजातियों के पेड़ लगाए जा चुके हैं।

उन्होंने बताया कि लेह में प्रायोगिक तौर पर बांस, अमलतास, गुलमोहर, जैकारांडा, बोगनविलिया, बरगद, पीपल और इमली जैसी प्रजातियों के लगभग 500 पौधे भी लगाए गए हैं।

प्रख्यात गीतकार प्रसून जोशी बने प्रसार भारती के अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने भारत के सार्वजनिक सेवा प्रसारक प्रसार भारती का अध्यक्ष प्रख्यात गीतकार, लेखक और संचार विशेषज्ञ प्रसून जोशी को नियुक्त किया है।

प्रसून जोशी साहित्य, विज्ञापन, सिनेमा और सार्वजनिक संचार के क्षेत्र में व्यापक योगदान देने वाले एक प्रतिष्ठित रचनात्मक पेशेवर हैं। अपने प्रभावशाली लेखन और गहरी सांस्कृतिक संवेदनशीलता के लिए जाने जाने वाले प्रसून जोशी ने समकालीन भारतीय मीडिया की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके कार्यों में प्रशंसित फिल्म गीत, विज्ञापन अभियान और सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियां शामिल हैं जो देशभर के विविध दर्शकों से जुड़ती हैं।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, प्रसार भारती बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में प्रसून जोशी की नियुक्ति पर मेरी हार्दिक बधाई। प्रसून जोशी एक विलक्षण रचनात्मक प्रतिभा हैं जिन्हें विज्ञापन, साहित्य, कला और सिनेमा जगत में विश्व स्तर पर सराहा जाता है, फिर भी उनका हृदय भारत के लिए धड़कता है। उनके शब्दों में हमारी मिट्टी की सुगंध है और उनकी दृष्टि हमारी संस्कृति के शाश्वत सार को दर्शाती है। उनके नेतृत्व में प्रसार भारती को नई ऊर्जा, गहरा उद्देश्य और एक नई रचनात्मक आवाज मिलेगी। उनके आगामी कार्यकाल के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

इस नियुक्ति से पहले प्रसून जोशी अगस्त 2017 से मुंबई स्थित केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत रहे हैं, जहां उन्होंने फिल्म उद्योग के हितधारकों के साथ जुड़कर फिल्म प्रमाणन प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाने में योगदान दिया। सीबीएफसी में उनका कार्यकाल रचनात्मक अभिव्यक्ति और नियामक उत्तरदायित्व के प्रति संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है। इससे पहले वे मैक्कैन वर्ल्ड ग्रुप इंडिया के सीईओ और मैक्कैन वर्ल्ड ग्रुप एशिया पैसिफिक (मैक्कैन एरिक्सन की सहायक कंपनी) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वे 2016 से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के न्यासियों में से एक हैं।

रचनात्मक उद्योगों और सार्वजनिक संचार में अपने व्यापक अनुभव के साथ जोशी से प्रसार भारती के नेतृत्व में एक अनूठा दृष्टिकोण लाने की उम्मीद है। ऐसे समय में जब सार्वजनिक प्रसारण तीव्र तकनीकी परिवर्तन और दर्शकों की बदलती अपेक्षाओं का सामना कर रहा है।बता दें कि प्रसार भारती (ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया) अधिनियम, 1990 के तहत स्थापित और 1997 से कार्यरत, प्रसार भारती भारत का वैधानिक स्वायत्त सार्वजनिक सेवा प्रसारक है।

मई की संभावित गर्मी से घबराने की जरूरत नहीं: जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने मई महीने में संभावित गर्मी और लू को लेकर जनता से घबराने की बजाय सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। मौसम पूवार्नुमान को सही ढंग से समझकर और दिन-प्रतिदिन की

सरल सावधानियों से प्रभाव को कम किया जा सकता है।

डॉ. सिंह ने शनिवार को अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूवार्नुमान के अनुसार देश के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान और हीटवेव की स्थिति बन सकती है, लेकिन यह पूरे देश में समान रूप से प्रभावी नहीं होगी। समय पर तैयारी और आईएमडी द्वारा समय-समय पर जारी सलाहों का पालन करके इसे प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है।

डॉ. सिंह ने लोगों को सलाह दी कि वे पर्याप्त पानी पिएं, दोपहर की धूप से बचें और बच्चों, बुजुर्गों एवं बाहरी काम करने वालों का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग के नियमित अपडेट पर नजर रखना जरूरी है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने संसदीय क्षेत्र में सुनीं लोगों की समस्याएं

कोटा (राजस्थान)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र कोटा पहुंचे, जहां लोगों ने उनका पगड़ी और माला पहनाकर स्वागत किया।

इस दौरान वे आम लोगों से मुखातिब हुए और उनकी समस्याएं भी सुनीं। ओम बिरला ने लोगों की समस्याओं को हल करने का संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट करते हुए कहा कि लोगों की समस्याओं को हल करने की दिशा में किसी भी प्रकार की कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी।

जानकारी के मुताबिक, ओम बिरला अपने दौरे के दौरान विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और अन्य लोगों से भी संवाद स्थापित करेंगे। वहीं, लोकसभा अध्यक्ष ने अपने दौरे के बारे में पत्रकारों से बातचीत में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मैं अपने संसदीय क्षेत्र में

जब भी जाता हूं, तो मैं लोगों से मुखातिब होता हूं। उनकी समस्याओं और आकांक्षाओं को सुनता हूं।

उन्होंने कहा कि हर जनप्रतिनिधित्व का यह मौलिक कर्तव्य होना चाहिए कि वो अपने क्षेत्र के लोगों के साथ खड़ा रहे और उनकी समस्याओं को सुनकर उसे फौरन सुलझाने का काम करें। हर जनप्रतिनिधित्व को अपने लोगों के बारे में फिक्र होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम जनसेवक हैं और जनसेवक होने के नाते हमारा यह कर्तव्य होना चाहिए कि हम अपने लोगों के प्रति संवेदनशील रहे। मैं अपना यह काम पूरी ईमानदारी के साथ करने की कोशिश कर रहा हूं। मैं अपने काम को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि एक जनसेवक होने के नाते हमारा यह कर्तव्य होना चाहिए कि हम अपने क्षेत्र में विकास के दायरे को बढ़ाए। इसके इतर, कैसे रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाना है, इस दिशा में भी कदम बढ़ाया जाए।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में यही प्रक्रिया होती है कि आप जितने ज्यादा लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे, आपको उतनी ही तथ्यात्मक जानकारी मिलेगी। इससे आपको आगे की कार्ययोजना तैयार करने में मदद मिलेगी।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
9210761111

हैदराबाद में 6,000 लोगों ने एक साथ किया भुजंगासन

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद में योग का भव्य उत्सव देखने को मिला। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले 'योग महोत्सव' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हजारों योग प्रेमी एकत्र हुए। आयुष मंत्रालय के अंतर्गत मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम कान्हा शांति वनम में हुआ। यहां 6,000 से ज्यादा लोगों ने एक साथ 'भुजंगासन' का अभ्यास किया।

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

गोण्डा पुलिस की बड़ी सफलता-251 खोए मोबाइल बरामद, लाखों की संपत्ति लौटाई गई मालिकों को

दीपक कौशल

उत्तर प्रदेशः पुलिस अधीक्षक गोण्डा श्री विनीत जायसवाल द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी श्री अजीत कुमार रजक एवं अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी श्री राधेश्याम राय के पर्यवेक्षण तथा समस्त क्षेत्राधिकारीगण के नेतृत्व में सर्विलांस टीम द्वारा विभिन्न कम्पनियों के कुल 251 मोबाइल फोन, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग ? 51,00,000 (इक्यावन लाख) है, बरामद किये गये। उल्लेखनीय है कि पुलिस अधीक्षक गोण्डा श्री विनीत जायसवाल के निर्देशन में वर्ष 2025 के दौरान अब तक जनपदीय पुलिस एवं सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम द्वारा कुल 695 खोये हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किये गये हैं। पुलिस अधीक्षक गोण्डा द्वारा जनपद में खोये हुए मोबाइल फोनों की बरामदगी हेतु सर्विलांस टीम एवं समस्त थाना प्रभारी/थानाध्यक्षों के नेतृत्व में टीमों का गठन कर अभियान चलाया गया। जनपदीय सर्विलांस टीम द्वारा सभी थानों से समन्वय स्थापित कर भारत सरकार द्वारा संचालित सीईआईआर पोर्टल की प्रतिदिन मॉनीटरिंग की गई। इस

क्रम में जनपदीय पुलिस टीमों द्वारा विभिन्न कम्पनियों

जिनमें एप्पल, सैमसंग, वीवो, ओप्पो, टेक्नो, रेडमी, वन प्लस आदि कंपनियों के गुमशुदा 251 मोबाइल फोन सफलतापूर्वक बरामद किये गये, जिन्हें आज दिनांक 03.05.2026 को पुलिस अधीक्षक गोण्डा द्वारा उनके वास्तविक मोबाइल धारकों को सुपुर्द किया गया। अपने खोये हुए मोबाइल फोन पुनः प्राप्त कर मोबाइल धारकों द्वारा पुलिस अधीक्षक गोण्डा एवं जनपदीय पुलिस की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया गया। जनपदीय टीम में थाना को0 नगर द्वारा 21 मोबाइल, थाना को0 देहात द्वारा 16, थाना खरगूपुर द्वारा 15, थाना इटियाथोक द्वारा 06, थाना तरबगंज द्वारा 24, थाना नवाबगंज द्वारा 21, थाना वजीरगंज द्वारा 06, थाना उमरीबेगमगंज द्वारा 10, थाना मोतीगंज द्वारा 07, थाना कर्नलगंज द्वारा 25, थाना कटराबाजार द्वारा 07, थाना कौड़िया द्वारा 06, थाना परसपुर द्वारा 06, थाना धानेपुर द्वारा 15, थाना को0 मनकापुर द्वारा 11, थाना छपिया द्वारा 07, थाना खोड़ारे द्वारा 14 एवं नोडल सर्विलांस टीम के द्वारा 34 कुल 251 मोबाइल फोन की बरामदगी की गयी।

पुलिस अधीक्षक ने जनहित में किया अपील -

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक गोण्डा द्वारा आमजन से अपील की गई कि वे अपने मोबाइल फोन में ह्यसंचार सारथी एप को प्ले-स्टोर से डाउनलोड कर लें, जिससे भविष्य में मोबाइल खो जाने की स्थिति में पंजीकृत मोबाइल नंबर पर आवश्यक सूचनाएं प्राप्त होती रहें। मोबाइल खोने की स्थिति में मोबाइल की बिल/आईएमईआई, आधार कार्ड एवं पहचान पत्र के साथ अपने स्थानीय थाने पर उपस्थित होकर सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। मोबाइल मिलने की स्थिति में पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही की सूचना पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त होती रहेगी। पुलिस अधीक्षक गोण्डा द्वारा खोये हुए मोबाइलों की बरामदगी में उत्कृष्ट कार्य करने वाली सर्विलांस टीम को पुरस्कृत किये जाने की घोषणा भी की गई।

बरामद कर्ता की टीम में उ0नि0 उदित वर्मा थाना को0 नगर, हे0कां0 हृदय नारायण दीक्षित, सर्विलास सेल,हे0कां0 रवि सर्विलास सेल जनपद गोण्डा, हे0कां0 अमित पाठक, सर्विलांस सेल, गोण्डा,कां0 अमितेश सिंह, सर्विलास सेल जनपद गोण्डा, कां0 अंशुमान पाण्डेय, सर्विलास सेल जनपद गोण्डा,कम्प्यूटर ऑपरेटर बब्लू कुमार, देवेन्द्र यादव, कृष्णा शर्मा, मो0 अर्शिल, अभिमन्यु, अतुल वरूण, अनुज कुमार, का0 पंकज कुमार, का0 इन्द्रजीत रावत, का0 लक्ष्मन कमार, का0 अशुतोष, का0 रोहित कुमार, का0 विशाल कुमार, का0 अतुल उपाध्याय, का0 हरिशचन्द्र तिवारी म0का0 दीपांशी मिश्रा, म0का0 वंदना तिवारी, म0का0 मिनांक्षी, सीईआईआर पोर्टल पर नियुक्त कर्मी एवं थाना स्तर पर गठित मोबाइल रिकवरी टीम शामिल रही।

युवा सम्मेलन में शामिल हुए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, आचार्य महाश्रमण से लिया आशीर्वाद

मनोज कुमार चोरडिया

राजस्थानः जयपुर राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी गुरुवार को लाडनूं के प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने जैन विश्व भारती संस्थान में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा आयोजित 'दक्षिणांचल स्तरीय युवा सम्मेलन' में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने जैन विश्व भारती पहुंचकर शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमण जी के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया और उनसे गहन आध्यात्मिक चर्चा की। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष श्री देवनानी ने राज्य की प्रगति और जनहित के कार्यों पर आचार्य श्री का मार्गदर्शन प्राप्त किया। सम्मेलन में नए भारत में युवाओं की भूमिका विषय पर संबोधित करते हुए विधान सभा अध्यक्ष श्री देवनानी ने कहा कि भारत कोई जमीन का टुकड़ा नहीं बल्कि हमारी जन्म भूमि,कर्म भूमि और पुण्य भूमि है।

देश के नवनिर्माण में युवाओं की भूमिका सर्वोपरि है। उन्होंने तेरापंथ युवक परिषद के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि परिषद न केवल धार्मिक और आध्यात्मिक मूल्यों को सहेज रही है, बल्कि रक्त दान, नशा मुक्ति और सेवा कार्यों के माध्यम से समाज को नई दिशा भी दे रही है। उन्होंने उपस्थित युवाओं का आह्वान किया

कि वे अपनी ऊर्जा का उपयोग राष्ट्र हित और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए करें। श्री देवनानी ने कहा कि आचार्य महाश्रमण भी पूरे विश्व को मानवता, शांति, नैतिकता का संदेश दे रहे हैं, जिसे युवाओं को आत्मसात कर भारतीय मूल्यों को सम्पूर्ण विश्व में स्थापित करना चाहिए। इससे पूर्व लाडनूं स्थित जैन विश्व भारती पहुँचने पर संस्थान एवं तेरापंथ समाज और स्थानीय पदाधिकारियों द्वारा विधान सभा अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया गया।

सम्मेलन में युवा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान परिषद के पदाधिकारियों ने संगठन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सेवा प्रकल्पों की जानकारी साझा की। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, तेरापंथ युवक परिषद के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर

अपराध व भ्रष्टाचार के खिलाफ NCBT की नई पहल, जागरूकता और सुरक्षा पर दिया जोर

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः National Crime Branch Trust (NCBT) ने अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज करते हुए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। संस्था द्वारा राज्य स्तर पर नई कार्यप्रणाली लागू की गई है, जिससे समाज में सुरक्षा और जागरूकता को बढ़ावा मिलेगा। संस्था के Founder/National President Sujeet Singh के नेतृत्व में, NCBT लगातार Crime Control, Women Empowerment, Cyber Crime Awareness और Human Trafficking के खिलाफ सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

NCBT के इस प्रयास से समाज में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद है और आम जनता को भी जागरूक होकर अपराध के खिलाफ खड़े होने का संदेश दिया गया है। संस्था ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार के अपराध की सूचना तुरंत हेल्पलाइन पर दें और समाज को सुरक्षित बनाने में सहयोग करें।

पॉक्सो एक्ट का फरार आरोपी करण्डा पुलिस ने दबोचा

रामकेश विश्वकर्मा/उत्तर प्रदेशः जनपद गाजीपुर के करण्डा पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के एक फरार आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया है। आरोपी मंजीत कुमार (20 वर्ष) पर गंभीर धाराओं में मामला दर्ज था और वह पुलिस से बच रहा था। पुलिस के अनुसार, 3 मई को बड़सरा चौकी इंचार्ज उप निरीक्षक अरुण पाण्डेय अपनी टीम के साथ धरम्मरपुर पुल पर चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मंजीत को उसके विशुनपुरा उपरवार स्थित घर से दबोच लिया।

मंजीत कुमार मु0अ0सं0 68/2026 के तहत धारा 65 (1) बीएनएस और 5L/6 पॉक्सो एक्ट में वांछित था। करण्डा थाना क्षेत्र के विशुनपुरा उपरवार गांव का निवासी मंजीत लगातार पुलिस की गिरफ्त से बच रहा था। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। गाजीपुर में शासन प्रशासन और पुलिस अधीक्षक डॉक्टर इरज राजा के आदेशों का पालन बहुत ही सख्त तरीके से किया जा रहा है। इस जिले की पूरी समस्या चौक करनी रहती है और कोई भी घटना होने से बचाव में तत्पर रहती है।

एनसीसी कैडेट्स को आईसीटीसी जौरा में एचआईवी-एड्स व स्वास्थ्य जागरूकता का दिया गया प्रशिक्षण

अजय सिंह तोमर/मध्य प्रदेशः सिविल हॉस्पिटल जौरा द्वारा मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरएस सेमिल के मार्गदर्शन में आईसीटीसी जौरा द्वारा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के कक्षा दसवीं के एनसीसी कैडेट्स को एचआईवी एड्स एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से आईसीटीसी का एनसीसी प्रभारी शिक्षक श्री रामकुमार गौड़ के मार्गदर्शन में भ्रमण कराया गया। इस दौरान काउंसलर आईसीटीसी श्री संदीप सेंगर ने उन्हें आईसीटीसी की कार्य पद्धति से अवगत कराते हुए एचआईवी संक्रमण होने के चार कारणों को विस्तार बताया। उन्होंने बचाव के बारे में जानकारी दी। साथ ही एसटीआई एवं गुप्त रोग संबंधित परामर्श की जानकारी भी दी गई। वहीं एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों को एआरटी द्वारा दी जाने वाली दवाइयों के बारे में भी बताया। इस संबंध में अत्यधिक जानकारी हेतु टोल फ्री नंबर 1097 की भी जानकारी दी गई।

स्वामी प्रसाद मौर्य का अल्टीमेटम, 24 घंटे में आरोपियों की गिरफ्तारी की करी मांग

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेशः जनपद फतेहपुर में हुए चर्चित मामले को लेकर प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। वरिष्ठ नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को फतेहपुर जाने से प्रशासन ने फिलहाल रोक दिया है। उनके आवास के बाहर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है, जिससे पूरे घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया है। मौर्य ने बयान जारी करते हुए कहा कि वे संविधान और कानून का सम्मान करते हैं, इसलिए पुलिस अधीक्षक के अनुरोध पर उन्होंने अपना फतेहपुर दौरा स्थगित कर दिया है। हालांकि, उन्होंने प्रशासन को सख्त चेतावनी भी दी है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि फरार आरोपियों को हर हाल में 24 घंटे के भीतर ह्वजिंदा या मुर्दाह्व गिरफ्तार किया जाए। मौर्य ने चेतावनी दी कि यदि तय समय सीमा में पुलिस कार्रवाई नहीं करती है, तो वे खुद फतेहपुर जाकर पीड़ित परिवार से मिलेंगे और उन्हें कोई नहीं रोक सकेगा। उन्होंने प्रशासनिक कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि समय रहते सख्त कदम उठाए जाते, तो हालात यहां तक नहीं पहुंचते। उनके इस अल्टीमेटम के बाद सियासी गलियारों में हलचल और तेज हो गई है। गौरतलब है कि फतेहपुर की घटना को लेकर पहले से ही कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में मौर्य का यह बयान प्रशासन पर सीधा दबाव बनाता दिख रहा है।

IEA-UPSIDA का स्वास्थ्य शिविर, 100 श्रमिकों की जांच, लगातार सेवाओं का संकल्प

दीपक यादव

उत्तर प्रदेशः इंडस्ट्रियल एंट्रेपरेणुर्स एसोसिएशन (IEA) और UPSIDA द्वारा जिला प्रशासन के दिशा-निर्देश में श्रमिकों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर श्रमिकों के स्वास्थ्य की देखभाल और उनकी समस्याओं का समाधान प्रदान करने के उद्देश्य से यथार्थ हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित किया गया था।

इस अवसर पर लगभग 100 श्रमिकों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिनमें विभिन्न प्रकार की बीमारियों से संबंधित समस्याओं का इलाज किया गया। शिविर में कई डॉक्टरों का एक पैनल मौजूद रहा, जो श्रमिकों की जांच कर रहे थे। वढरक्कअ के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री अनिल शर्मा और जिला उद्योग केंद्र से उपायुक्त श्री पंकज निर्वाण भी इस शिविर में उपस्थित रहे और उन्होंने श्रमिकों से बातचीत की।

उन्होंने इस तरह की स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए क्एअ की टीम की सराहना की।

शिविर में श्रमिकों ने डॉक्टरों से अपनी बीमारियों के बारे में खुलकर चर्चा की और उन्हें उचित सलाह मिली। क्एअ के संयुक्त सचिव श्री दिनेश चौहान ने बताया कि क्एअ पिछले 20 दिनों से लगातार स्वास्थ्य शिविर और 5 किलोग्राम छढक्र सिलेंडरों का वितरण जिले के विभिन्न औधोगिक क्षेत्रो में कर रहा है, ताकि श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा और सुविधाएं मिल सकें। क्एअ के क्षेत्रीय सचिव श्री महिपाल चौहान ने इस अवसर पर यथार्थ हॉस्पिटल के डॉक्टरों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि इस तरह की गतिविधियाँ श्रमिकों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं और इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य श्रमिकों के कल्याण और उनकी भलाई सुनिश्चित करना है।

इस शिविर से श्रमिकों में एक सकारात्मक संदेश गया और यह दिखाया कि उद्योग और समाज दोनों मिलकर श्रमिकों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए काम कर सकते हैं। यह आयोजन न केवल श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में महत्वपूर्ण था, बल्कि यह समाज और उद्योग के बीच एक मजबूत संबंध स्थापित करने की दिशा में भी एक कदम है। क्एअ ने आगे भी इस प्रकार के आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया है।

वैशाख पूर्णिमा पर विश्वभर में श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा पवित्र पर्व, शांति और अहिंसा का दिया संदेश

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेशः बुद्ध पूर्णिमा का पर्व पूरी दुनिया में भगवान गौतम बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति (बोधि) और महापरिनिर्वाण की स्मृति में श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है। यह दिन बौद्ध और हिंदू दोनों ही परंपराओं में अत्यंत पवित्र माना जाता है, क्योंकि मान्यता है कि बुद्ध का जीवन इसी वैशाख पूर्णिमा के दिन इन तीन महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा हुआ है। इस अवसर पर लाखों-करोड़ों श्रद्धालु उनके बताए गए शांति, करुणा और अहिंसा के मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं। द्रिक पंचांग के

अनुसार, इस वर्ष बुद्ध पूर्णिमा की तिथि 30 अप्रैल की रात 9:12 बजे से शुरू होकर 1 मई की रात 10:52 बजे तक रहेगी। वहीं चंद्रोदय शाम 6:52 बजे होने के कारण मुख्य पर्व 1 मई, शुक्रवार को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु के नौवें अवतार के रूप में भी गौतम बुद्ध को स्वीकार किया जाता है।

इस दिन देश-विदेश के बौद्ध मंदिरों और हिंदू धार्मिक स्थलों पर विशेष पूजा-अर्चना, ध्यान और सामूहिक प्रार्थनाओं का आयोजन किया जाता है।

विशेष रूप से बोधगया और सारनाथ जैसे पवित्र स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। बुद्ध पूर्णिमा के दिन बोधिवृक्ष (पीपल वृक्ष) की पूजा का विशेष महत्व होता है, क्योंकि इसी वृक्ष के नीचे बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। लोग इस दिन वृक्ष को जल, दूध और इत्र मिश्रित जल अर्पित करते हैं तथा दीप जलाकर अपने जीवन में सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हैं।

बंजारा समुदाय को न्याय व प्रतिनिधित्व दिलाने का आश्वासन : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने बंजारा समुदाय को न्याय और उचित प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है।

उन्होंने कहा कि समुदाय की समस्याओं को सरकार के संज्ञान में लाकर उनके त्वरित समाधान के लिए प्रयास किए जाएंगे। राजीव भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए देवेंद्र यादव ने कहा कि बंजारा समुदाय देश की सांस्कृतिक विविधता का एक महत्वपूर्ण और अनमोल हिस्सा है, जिसे समझने और संरक्षित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सभी समुदायों की परंपराओं और संस्कृति का सम्मान किया जाना चाहिए तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना आवश्यक है। देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि राजधानी में पहले आम आदमी पार्टी और वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के दौरान बंजारा समुदाय की उपेक्षा हुई है।

बरेली रेलवे ट्रैक पर मौलाना तौसीफ की संदिग्ध मौत—पत्नी ने साजिश का लगाया आरोप, ऑडियो जांच में जुटी पुलिस

छत्र पाल

उत्तर प्रदेशः बरेली रेलवे ट्रैक पर मिली मौलाना तौसीफ की लाश, पत्नी का साजिश... बरेली रेलवे ट्रैक पर मिली मौलाना तौसीफ की लाश, पत्नी का साजिश का आरोप; कहा- फोन पर बोले थे 'कुछ लोग परेशान कर रहे' बरेली रेलवे ट्रैक पर मिली मौलाना तौसीफ की लाश, पत्नी का साजिश का आरोप; कहा- फोन पर बोले थे 'कुछ लोग परेशान कर रहे'

किशनगंज के इमाम का शव पालपुर क्रॉसिंग के पास मिला, पुलिस ने पहले माना ट्रेन से गिरने का हादसा; अब ऑडियो जांच में

जुटी जीआरपी बरेली, बिहार के किशनगंज जिले के मौलाना तौसीफ रजा की संदिग्ध मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। 30 वर्षीय मौलाना का शव सोमवार सुबह बरेली के कैंट थाना क्षेत्र स्थित पालपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास ट्रैक पर पड़ा मिला था। पोस्टमॉर्टम में शरीर पर चोटें पाई गईं। पुलिस ने इसे ट्रेन से गिरकर मौत का मामला माना था। अब पत्नी के खुलासे के बाद केस ने नया मोड़ ले लिया है।

ह्यकुछ लोग परेशान कर रहे, पुलिस को सूचना दे दोह्व आखिरी कॉल मृतक की पत्नी तबस्सुम ने एसपी सिटी मानुष पारीक को फोन कर बताया कि रविवार रात बरेली से रवाना होने से पहले तौसीफ ने उन्हें कॉल की थी। कॉल में मौलाना ने कहा था कि कुछ लोग उन्हें परेशान कर रहे हैं। शाहजहांपुर पुलिस को तुरंत सूचना दे दो। पत्नी ने यह बातचीत रिकॉर्ड कर ली थी। लेकिन बाद में तौसीफ का नंबर बंद मिलने पर उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

तबस्सुम का कहना है कि यह हादसा नहीं, बल्कि सोची-समझी साजिश है। परिवार ने अब बरेली आकर जीआरपी या कैंट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने का फैसला लिया है। परिवार के सदस्य रविवार को बरेली पहुंच सकते हैं। वे एसपी सिटी के संपर्क में हैं।

बरेली से था पुराना नाता, इमाम की नौकरी के लिए आए थे जानकारी के मुताबिक, तौसीफ रजा किशनगंज के पठामारी बाकू टोली के रहने वाले थे। उन्होंने बरेली दरगाह के पास स्थित मदरसे से शिक्षा ली थी। इसके बाद वह बिहार के सीवान चले गए, जहां मस्जिद में इमाम थे। सूत्रों के मुताबिक, तौसीफ बरेली दरगाह से जुड़े लोगों से मिलने आए थे ताकि उन्हें यहां इमाम का काम मिल सके।

परिजनों को अब शक है कि नौकरी के चक्कर में ही उन्हें निशाना बनाया गया। एसपी सिटी मानुष पारीक ने कहा कि पत्नी ने ऑडियो रिकॉर्डिंग की जानकारी दी है। हालांकि वह पहले सीवान में ही कार्रवाई चाहती थी। अब उन्हें बरेली बुलाया गया है। अगर परिवार चाहेगा तो पुलिस एफआईआर दर्ज कर पूरे मामले की गहराई से जांच करेगी। ऑडियो की फॉरेंसिक जांच के बाद ही मौत की असली वजह साफ हो पाएगी।

मुख्यमंत्री ने समस्याओं के समयबद्ध समाधान के दिए निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को आयोजित जनसुनवाई में शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के लोगों की समस्याएं, शिकायतें और सुझाव गंभीरता से सुने।

बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने अपनी विभिन्न परेशानियां सीधे मुख्यमंत्री के सामने रखीं। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने और तय समय में समाधान सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि जनसुनवाई केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह जनता की अपेक्षाओं को समझने और उन्हें जल्द पूरा करने का एक प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई से मिलने वाले सुझाव और फीडबैक सरकार के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि इन्हीं के आधार पर नीतियों और योजनाओं को अधिक जनोन्मुखी बनाया जाता है। उन्होंने दोहराया कि दिल्ली सरकार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और पारदर्शी समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के व्यापक विकास के लिए कई काम तेजी से किए जा रहे हैं। इनमें सड़कों को मजबूत बनाना, साफ और निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करना, अटल कैंटीन की स्थापना, आयुष्मान जन आरोग्य मंदिरों का विस्तार, वाटर एटीएम लगाना, पार्कों का आधुनिकीकरण और सुदृढ़ीकरण तथा व्यवस्थित पार्किंग सुविधाओं का विकास शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य शालीमार बाग को एक आदर्श विधानसभा के रूप में विकसित करना है, जहां नागरिकों को सभी मूलभूत सुविधाएं उच्च गुणवत्ता के साथ उपलब्ध हों। इसके लिए निरंतर निगरानी और समन्वय के साथ कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे और कई मामलों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण कर नागरिकों को राहत प्रदान की जाए।

राजघाट-शांति वन रिंग रोड का होगा कायाकल्प, 96 लाख से दो माह में सुंदरीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के अतिमहत्वपूर्ण वीआइपी क्षेत्रों में शामिल राजघाट और शांति वन के बीच रिंग रोड खंड का व्यापक सुंदरीकरण किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को इस परियोजना के लिए मंजूरी मिल गई है, जिसे लगभग 96 लाख रुपये की लागत से दो माह के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

परियोजना के अंतर्गत सड़क क्षेत्र को अधिक आकर्षक और सुव्यवस्थित बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसमें उन्नत प्रकाश व्यवस्था, सजावटी स्ट्रीट लाइटों की स्थापना तथा हरित पट्टी को सुदृढ़ करने के लिए बागवानी कार्य शामिल हैं। विभाग ने इसके लिए निविदाएं भी जारी कर दी हैं, जिससे कार्य शीघ्र प्रारंभ होने की संभावना है। पीडब्ल्यूडी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इस योजना का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के इस क्षेत्र की सौंदर्य वृद्धि करना है।

राजघाट, जहां महात्मा गांधी की समाधि स्थित है, विदेशी गणमान्य व्यक्तियों के दौरे का प्रमुख स्थल है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में देश-विदेश से पर्यटक यहां आते हैं, ऐसे में क्षेत्र का सौंदर्यीकरण आवश्यक माना गया है। योजना के तहत लगाए जाने वाले स्ट्रीट लाइट खंभे माइल्ड स्टील से तैयार किए जाएंगे और इनमें आधुनिक एलईडी सफेद प्रकाश व्यवस्था होगी। इन्हें स्मार्ट लाइटिंग प्रणाली से जोड़ा जाएगा, जिससे ऊर्जा दक्षता भी सुनिश्चित की जा सके। साथ ही जहां आवश्यकता होगी, वहां सड़क मरम्मत और सतह सुधार कार्य भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह इस वर्ष इस क्षेत्र के लिए शुरू की गई दूसरी प्रमुख परियोजना है। इससे पहले पीडब्ल्यूडी ने राजघाट और शांति वन क्रासिंग के बीच यातायात जाम कम करने के लिए सिग्नल-मुक्त गलियारा विकसित करने की योजना भी तैयार की थी, जिस पर फिलहाल प्रशासनिक प्रक्रिया जारी है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, दोनों प्रमुख चौराहों पर दिनभर भारी यातायात दबाव बना रहता है, जिससे लंबी कतारें और धीमी गति की समस्या उत्पन्न होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए यू-टर्न आधारित यातायात प्रबंधन प्रणाली लागू करने की योजना बनाई जा रही है, जिससे सिग्नल निर्भरता कम कर यातायात को सुचारु बनाया जा सके। इस समग्र परियोजना से न केवल क्षेत्र की सुंदरता बढ़ेगी, बल्कि यातायात व्यवस्था में भी सुधार की उम्मीद है, जिससे आमजन और आगंतुकों को बेहतर अनुभव मिल सकेगा।

कमर्शियल गैस महंगी, सरकार पर कांग्रेस का हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में करीब 76 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी को लेकर राजधानी की सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस के करोल बाग जिला अध्यक्ष महेंद्र भास्कर ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह फैसला आम जनता, छोटे व्यापारियों और मध्यम वर्ग पर आर्थिक बोझ बढ़ाने वाला है। महेंद्र भास्कर ने कहा कि फरवरी 2026 में दिल्ली में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत ?1,740.50 थी, जो 1 मई 2026 को बढ़कर ?3,071.50 हो गई है। उनके अनुसार, इतनी बड़ी वृद्धि किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है और इससे पहले से महंगाई झेल रही जनता को बड़ा झटका लगा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियां आम लोगों को राहत देने के बजाय उन्हें आर्थिक संकट में डाल रही हैं। चुनाव के बाद अचानक कीमतों में उछाल को लेकर भी उन्होंने सरकार की मंशा पर सवाल उठाए और इसे जनता के विश्वास के साथ अन्याय बताया। भास्कर ने कहा कि इस बढ़ोतरी का सीधा असर छोटे रेस्टोरेंट, ढाबे, कैटरिंग सेवाओं और हलवाई जैसे व्यवसायों पर पड़ेगा, जिनकी लागत बढ़ने से खाद्य पदार्थों की कीमतों में भी इजाफा होगा। इसका अंतिम बोझ आम उपभोक्ताओं को उठाना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मध्यम और लघु उद्योग पहले से ही दबाव में हैं और ऐसी वृद्धि उनके लिए गंभीर संकट खड़ा कर सकती है। भास्कर ने मांग की कि सरकार को करों में राहत या सब्सिडी के माध्यम से आम जनता को सहारा देना चाहिए और इस मूल्य वृद्धि को तत्काल वापस लेना चाहिए।

मोबाइल पर अचानक बजा तेज अलर्ट, सरकार ने शुरू की त्वरित आपदा चेतावनी प्रणाली

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार दोपहर करीब 11:42 बजे देशभर में लाखों लोगों के मोबाइल फोन पर अचानक तेज अलर्ट टोन के साथ संदेश प्राप्त हुआ, जिससे कुछ समय के लिए लोगों में हलचल मच गई। हालांकि, यह किसी आपदा का संकेत नहीं था, बल्कि केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई नई त्वरित आपदा चेतावनी प्रणाली का परीक्षण था। सरकार ने मोबाइल आधारित इस नई प्रणाली के माध्यम से आपदा की स्थिति में लोगों तक तुरंत सूचना पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इस पहल के पीछे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की प्रमुख भूमिका बताई जा रही है। इस प्रणाली में सेल ब्रॉडकास्ट तकनीक का उपयोग किया गया है, जो किसी भी आपदा की स्थिति में प्रभावित क्षेत्र के लोगों को तत्काल और सटीक सूचना देने में सक्षम है। इसकी खास बात यह है कि नेटवर्क व्यस्त होने या जाम की स्थिति में भी अलर्ट संदेश बिना देरी के लोगों तक पहुंच सकता है। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई प्रमुख शहरों में इस प्रणाली का परीक्षण किया गया, जिसमें लोगों को हिंदी, अंग्रेजी और स्थानीय भाषाओं में संदेश प्राप्त हुआ। संदेश में स्पष्ट रूप से लिखा था कि यह एक परीक्षण है और नागरिकों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। यह नई प्रणाली स्वदेशी सचेत मंच पर आधारित है, जिसे सी-डॉट द्वारा विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य भूकंप, बाढ़, चक्रवात, गैस रिसाव जैसी आपदाओं के दौरान समय रहते चेतावनी देकर जनहानि और नुकसान को कम करना है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह तकनीक भविष्य में आपदा प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाएगी।

सरकार की इस पहल को नागरिक सुरक्षा के लिहाज से एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे आपात स्थिति में त्वरित सूचना और सतर्कता सुनिश्चित की जा सकेगी।

ऑनलाइन कार बेचने के नाम पर ठगी, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के साइबर थाना पुलिस ने सेकेंड हैंड कार बेचने के नाम पर ठगी करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया है। आरोपी की पहचान अमन सेठी के रूप में हुई है, जो ठिकाने बदलकर पुलिस से बचने की कोशिश कर रहा था। पुलिस के अनुसार, त्रिलोकपुरी निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर 16 अप्रैल को मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपी ने खुद को एक ऑनलाइन कार मंच का कर्मचारी बताकर भरोसा जीता और सेकेंड हैंड कार दिलाने के नाम पर बुकिंग तथा प्रक्रिया शुल्क के रूप में करीब दो लाख रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए। इसके बाद न तो कार दी गई और न ही पैसे लौटाए गए, बल्कि आरोपी ने संपर्क भी समाप्त कर दिया। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने बैंक खातों और डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण कर आरोपी की पहचान की। टीम ने कई स्थानों पर दबिश दी, लेकिन आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदलता रहा। अंततः तकनीकी निगरानी और गुप्त सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पहले भी इसी तरह की ठगी की घटनाओं में शामिल रह चुका है। पुलिस ने उसके कब्जे से विभिन्न बैंकों के डेबिट कार्ड, दो मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए हैं। पुलिस अब ठगी की रकम की बरामदगी और इस मामले में अन्य संभावित साथियों की तलाश में जुटी है। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि ऑनलाइन खरीद-बिक्री के दौरान सतर्क रहें और बिना सत्यापन के किसी भी खाते में धनराशि हस्तांतरित न करें। साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत सहायता संख्या 1930 या नजदीकी साइबर थाना से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

डीटीसी के 4500 होमगार्ड वेतन को तरसे, अनुबंध बढ़ा पर भुगतान लंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में महिलाओं की सुरक्षा के लिए बसों में तैनात दिल्ली परिवहन निगम के करीब 4500 होमगार्ड जवान इन दिनों वेतन के लिए परेशान हैं। अनुबंध एक वर्ष के लिए बढ़ाए जाने के बावजूद फरवरी और मार्च माह का भुगतान अब तक नहीं किया गया है, जिससे जवानों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली परिवहन निगम में कार्यरत ये होमगार्ड नियमित रूप से बसों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन वेतन के लिए उन्हें लगातार विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। दूसरी ओर, अधिकारियों को हर माह समय पर वेतन मिल रहा है, जिससे व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। होमगार्ड जवानों की नियुक्ति की पृष्ठभूमि भी विवादों से जुड़ी रही है। वर्ष 2018 में लगभग 10 हजार सिविल डिफेंस वालंटियर को हटाए जाने के बाद इनकी तैनाती की गई थी। उस समय इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों के बीच तीखा विवाद भी हुआ था, लेकिन हटाए गए वालंटियरों को पुनः नियुक्ति नहीं मिल सकी। वर्तमान में लगभग 4500 होमगार्ड बसों में ड्यूटी दे रहे हैं, परंतु उन्हें समय पर वेतन नहीं मिलना एक स्थायी समस्या बन गई है। कई बार तीन-तीन महीने तक भुगतान लंबित रहता है। हर वर्ष की तरह इस बार भी उनका अनुबंध बढ़ाकर 30 अप्रैल 2027 तक कर दिया गया है, लेकिन वेतन संबंधी समस्या जस की तस बनी हुई है। वेतन में देरी के पीछे जटिल प्रशासनिक प्रक्रिया को प्रमुख कारण माना जा रहा है। पहले डीटीसी द्वारा होमगार्ड की ड्यूटी के बिल तैयार कर परिवहन विभाग को भेजे जाते हैं। इसके बाद विभागीय मंजूरी मिलने पर फाइल सरकार के माध्यम से होमगार्ड मुख्यालय पहुंचती है, जहां से भुगतान जारी होता है। इस पूरी प्रक्रिया में फाइलें कई दिनों तक विभिन्न कार्यालयों में लंबित रहती हैं। सूत्रों के अनुसार, फाइलों के लंबित रहने से भुगतान में एक से चार महीने तक की देरी हो जाती है। वर्तमान में भी दो माह का वेतन बकाया है और जवान लगातार संबंधित विभागों के चक्कर काट रहे हैं। वहीं, होमगार्ड मुख्यालय का कहना है कि जैसे ही धनराशि प्राप्त होती है, भुगतान में कोई देरी नहीं की जाती। इस स्थिति ने न केवल होमगार्ड जवानों की आर्थिक स्थिति पर प्रभाव डाला है, बल्कि उनके मनोबल पर भी असर पड़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित नहीं किया गया, तो इससे सुरक्षा व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

दिल्ली पुलिस ने भारी मात्रा में किया गांजा बरामद, सप्लायर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। नशीले पदार्थों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपनी लगातार मुहिम जारी रखते हुए दिल्ली की एंटी-ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) ने एक ड्रग सप्लायर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से भारी मात्रा में गांजा जब्त किया गया। अधिकारियों ने कहा कि यह ऑपरेशन जमीनी स्तर पर नशीले पदार्थों के खतरे से निपटने में दिल्ली पुलिस के सक्रिय दृष्टिकोण और परिचालन दक्षता को दशार्ता है। आरोपी की पहचान बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी नीरज कुमार के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि नशीले पदार्थों की तस्करी को लेकर बढ़ती चिंताओं को देखते हुए एक टीम गठित की गई थी, जिसे पूर्वी जिला क्षेत्र में तैनात किया गया। टीम ड्रग तस्करों की निगरानी और पहचान करने में सक्रिय रूप से लगी हुई थी। जब टीम पहले से ही क्षेत्र में गश्त और निगरानी ड्यूटी पर थी, तभी गाजीपुर सब्जी मंडी के पास गांजा बेचने में लिप्त एक व्यक्ति के बारे में एक गुप्त सूचना मिली। इस सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए टीम मौके पर पहुंची, निगरानी की और एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की। पुलिस की मौजूदगी भांपकर उस व्यक्ति ने भागने की कोशिश की, लेकिन टीम की पहले से तैनाती और सतर्कता के कारण उसे तेजी से पीछा करके पकड़ लिया गया।

रिश्वत प्रकरण में एमसीडी के पूर्व अधिकारीयों को राहत नहीं, 13 मई तक न्यायिक हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम के पूर्व उपायुक्त अभिषेक कुमार मिश्रा और प्रशासनिक अधिकारी दिव्यांशु कुमार गौतम को रिश्वतखोरी मामले में फिलहाल राहत नहीं मिली है। अदालत ने दोनों आरोपितों की न्यायिक हिरासत 13 मई 2026 तक बढ़ाने का आदेश दिया है। यह आदेश राउज एवेन्यू कोर्ट स्थित विशेष न्यायाधीश सुदीपांशु कौशिक की अदालत ने सुनाया। अदालत ने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है और प्रभावी जांच सुनिश्चित करने के लिए आरोपितों की हिरासत आवश्यक है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के अनुसार, यह मामला 30 मार्च 2026 को दर्ज किया गया था। शिकायतकताओं मुकेश कुमार शर्मा और गजेंद्र कुमार ने आरोप लगाया था कि उनकी विभागीय जांच को उनके पक्ष में निपटाने के बदले चार लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई।

जांच में सामने आया कि प्रशासनिक अधिकारी दिव्यांशु कुमार गौतम ने यह रकम पूर्व उपायुक्त अभिषेक कुमार मिश्रा की ओर से मांगी थी। सीबीआई ने आरोपों की पुष्टि के बाद जाल बिछाकर कार्रवाई की और 30 मार्च को गौतम को चार लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान गौतम ने स्वीकार किया कि उसने यह रकम अभिषेक कुमार मिश्रा के लिए ली थी। इसके बाद उसके निर्देश पर मिश्रा से फोन पर बातचीत कराई गई, जिसमें कथित तौर पर रकम घर पर उनकी पत्नी को देने के निर्देश दिए गए। जांच एजेंसी के अनुसार, संदेश और ध्वनि रिकॉर्डिंग के माध्यम से भी इस लेन-देन के साक्ष्य मिले हैं। अदालत ने केस डायरी, रिकॉर्डेड बातचीत तथा जाल पूर्व और जाल पश्चात दस्तावेजों की समीक्षा के बाद माना कि शुरूआती जांच में दोनों आरोपितों की भूमिका स्पष्ट होती है। इसी आधार पर न्यायिक हिरासत को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। साथ ही अदालत ने आरोपितों की उस अर्जी को भी स्वीकार कर लिया, जिसमें उन्होंने पेशी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कराने का अनुरोध किया था।

एक नजर

सुविधा शिविर में 101 शिकायतों का समाधान

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद ने शनिवार को एनडीसीसी कंवेंशन सेंटर में सुविधा शिविर का आयोजन किया। इसमें 101 शिकायतों का समाधान किया गया। एनडीएमसी के मुताबिक, सुविधा शिविर में मिलीं ज्यादातर शिकायतें कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, उद्यान, जन स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्य, कर एवं संपत्ति विभागों से संबंधित थीं। इसके अलावा भी बड़ी संख्या में विभिन्न नागरिक सेवाओं से जुड़ी शिकायतें मिलीं। शिविर में एनडीएमसी के तीस से अधिक विभागों के 100 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में जमानत खारिज, सिद्दीकी को झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। अल फलाह ट्रस्ट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी जवाद अहमद सिद्दीकी को साकेत अदालत से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी, जिससे उन्हें फिलहाल राहत नहीं मिल सकी। सिद्दीकी ने जमानत के लिए अदालत में आवेदन किया था, लेकिन सुनवाई के बाद अदालत ने उनकी दलीलों को पर्याप्त न मानते हुए याचिका को अस्वीकार कर दिया।

यह मामला प्रवर्तन निदेशालय की जांच के अधीन है, जिसने पहले ही इस प्रकरण में आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। जांच एजेंसी के अनुसार, यह मामला अल फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित शिक्षण संस्थानों में दाखिले के नाम पर कथित अनियमितताओं और उससे जुड़े धन के दुरुपयोग से संबंधित है। आरोप है कि वर्ष 2018 से 2025 के बीच संस्थान ने लगभग 415.10 करोड़ रुपये अर्जित किए और छात्रों से प्राप्त धन का इस्तेमाल निजी उद्देश्यों के लिए किया गया। मामले में आगे की सुनवाई जारी है और जांच एजेंसियां इससे जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल कर रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय परिचालन कानून पर व्याख्यान आयोजित

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के द्वारका परिसर में अंतरराष्ट्रीय कानून और आधुनिक युद्ध से जुड़े विषयों पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान का विषय एलओएसी और मौजूदा अंतरराष्ट्रीय कानून व्यवस्था में बड़े पैमाने पर युद्ध अभियान रहा। व्याख्यान में मुख्य वक्ता एक्सेटर विश्वविद्यालय के प्रो. डॉ ऑरेल सारी थे। उन्होंने कहा कि आज के समय में युद्ध केवल पारंपरिक तरीके से नहीं, बल्कि हाइब्रिड रूप में भी लड़े जा रहे हैं। ऐसे में सशस्त्र संघर्ष कानून की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र, शोध विद्वान और संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया।

शिवजी मार्ग पर सेंट्रल वर्ज बना दुरुस्त करेंगे ट्रैफिक व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तम नगर से द्वारका मोड़ के बीच शिवाजी मार्ग पर सेंट्रल वर्ज का निर्माण कर ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा। इसके बनने से वाहन निर्धारित कट से ही मुड़ सकेंगे।ऐसे में जाम की समस्या के साथ दुर्घटना की आशंका पर भी विराम लगेगा। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) करीब नौ करोड़ रुपये की लागत से इस परियोजना को चार महीने में पूरा करेगा। पश्चिमी दिल्ली में शिवाजी मार्ग पर जाम की समस्या रहती है। इस मार्ग पर सेंट्रल वर्ज की दुर्दशा लंबे समय से यहां के लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। टूटे-फूटे और अधूरे सेंट्रल वर्ज के कारण वाहन चालक बीच सड़क से ही यू-टर्न ले लेते हैं। इससे यातायात प्रभावित होता है। विपरीत दिशा से आने वाले वाहनों के साथ आमना-सामना होता है और भीषण जाम की स्थिति बन जाती है। कई बार दुर्घटनाएं भी होती हैं। इस कारण उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन से द्वारका मोड़ मेट्रो स्टेशन तक करीब 3.5 किलोमीटर हिस्से में सेंट्रल वर्ज को प्रीकास्ट सिमेंटेड क्रैश बैरियर से बनाया जाएगा। इन बैरियर के लगने के बाद बीच सड़क से अवैध कट पूरी तरह बंद हो जाएगा। इससे दोनों दिशाओं में वाहनों की आवाजाही सुचारू होगी और ट्रैफिक जाम से निजात मिलेगी। इस परियोजना से उत्तम नगर, नजफगढ़ रोड, विक्रम नगर, द्वारका मोड़ और आसपास के घनी आबादी वाले इलाकों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही द्वारका एक्सप्रेसवे और एनएच-48 से आने-जाने वाले वाहन चालकों का सफर भी आसान होगा।

वजीरपुर में अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। वजीरपुर इलाके में शनिवार को अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की गई। यहां बुलडोजर से अतिक्रमण को हटाया गया। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि बिना किसी पूर्व सूचना झुग्गियों को ध्वस्त कर दिया। अखिल भारतीय केंद्रीय ट्रेड यूनियन परिषद ने आरोप लगाया कि रेलवे प्रशासन ने वजीरपुर में रेलवे लाइन के पास स्थित झुग्गी बस्तियों को गिराने के लिए सुबह से ही बुलडोजर का इस्तेमाल किया। बिना किसी पूर्व नोटिस के कार्रवाई की गई। आरोप है कि कार्रवाई के बाद भीषण गर्मी में सैकड़ों परिवारों को खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। बता दें कि पुलिस बल, आरपीएफ और अर्धसैनिक बलों की मौके पर तैनाती की गई थी। इसके बाद अतिक्रमण को हटाया गया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने कार्रवाई का विरोध भी किया। संगठन ने कार्रवाई को रोकने और विस्थापित परिवारों के लिए रैन बसेरे व भोजन की व्यवस्था करने की मांग की है।

पत्नी आरटीआई से नहीं मांग सकती पति की आय का ब्योरा : कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। हाईकोर्ट ने कहा कि भरण-पोषण दावे के समर्थन में पत्नी सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत पति की आयकर संबंधी जानकारी नहीं मांग सकती। न्यायमूर्ति पुरुषेन्द्र कुमार कौरव की पीठ ने कहा कि पति की आयकर जानकारी निजी सूचना है। पीठ ने यह टिप्पणी केन्द्रीय सूचना आयोग का आदेश रद्द करते हुए की है। इस आदेश में आयकर विभाग को पति की आय संबंधी विवरण पत्नी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे। पति ने केन्द्रीय सूचना आयोग के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसके तहत वित्तीय वर्ष 2007-08 से उसकी आय संबंधी जानकारी पत्नी को देने के निर्देश दिए गए थे। यह आदेश पत्नी की ओर से लंबित भरण-पोषण कार्यवाही के दौरान दायर द्वितीय अपील पर पारित हुआ। पति का तर्क था कि ऐसी जानकारी का खुलासा उसकी निजता का उल्लंघन है। यह आटीआई एक्ट की धारा 8(1)(जे) के तहत संरक्षित निजी सूचना है। पीठ ने इस पर सहमति जताते हुए कहा कि नियम का सामान्य सिद्धांत यह है कि निजी जानकारी का खुलासा नहीं किया जाएगा।

फैसले के दौरान पीठ ने कहा कि इसका अपवाद केवल वही स्थिति है, जहां ऐसी जानकारी का खुलासा लोकहित में जरूरी हो। पीठ ने स्पष्ट किया कि आरटीआई एक्ट का उद्देश्य लोक प्राधिकरणों के कार्य में पारदर्शिता लाना है। विधायिका का आशय यह नहीं हो सकता कि ऐसे निजी तथ्यों का खुलासा कराया जाए जिनका व्यापक जनता से कोई संबंध नहीं है। पीठ ने पत्नी की यह दलील भी अस्वीकार की कि भरण-पोषण दावे के उचित निर्णय के लिए पति की आयकर जानकारी आवश्यक है। पीठ ने फैसले में कहा कि पत्नी के पास अन्य वैधानिक उपाय उपलब्ध हैं। वह सक्षम न्यायालय में आवेदन कर पति से आवश्यक आय संबंधी हलफनामा या दस्तावेज पेश कराने का अनुरोध कर सकती है। इन टिप्पणियों के साथ अदालत ने केन्द्रीय सूचना आयोग का आदेश रद्द कर दिया।

पत्रकार सुरक्षा कानून पर सरकार का भरोसा, मांगों पर जल्द कार्रवाई के संकेत

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेशः भोपाल के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने पत्रकार सुरक्षा कानून सहित विभिन्न मांगों को पूरा करने का भरोसा देते हुए कहा है कि हमारी सरकार समस्याओं का समाधान करने के लिए है। वे अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर शुक्रवार को भोपाल के समन्वय भवन में मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इसके पहले संघ के प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल को पत्रकार सुरक्षा कानून सहित 21 सूत्रीय मांगों का पत्र सौंपा। कार्यक्रम में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मंत्री मुकेश नायक सहित पूरे प्रदेश से हजारों की संख्या में आए श्रमजीवी पत्रकार साथी मौजूद थे। कार्यक्रम के बाद न्यू मार्केट में श्रमजीवी पत्रकार साथियों ने अपनी मांगों को लेकर विशाल रैली निकाल कर अपनी आवाज बुलंद की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मांग पत्र उन्हीं को दिया जाता है जो मांग को पूरा करते हैं। इसलिए निश्चित रूप से पत्रकारों की मांगों पर ध्यान दिया जाएगा। समस्याओं का समाधान चरणबद्ध तरीके से होता है। सरकार ने पहले भी पत्रकारों की कई मांगों को पूरा किया है। वे मुख्यमंत्री से जरूर बात करेंगे कि पत्रकार सुरक्षा कानून के लिए कमेटी क्यों नहीं बनी। श्री शुक्ल ने कहा कि सत्ता आती है, जाती है हम लोग जनता की समस्या का समाधान करने वाले लोग हैं। उन्होंने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के कटाक्ष पर कहा कि उन्हें पत्रकारों की मांगों को पूरा करने के लिए मदद नहीं करनी पड़ेगी, सरकार खुद यह काम करेगी। उन्होंने कहा कि जो जहां हैं वहीं रहें। वे विपक्ष का अपना काम अच्छा कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र को वरदान बनाना है तो हमें पत्रकारिता को मजबूत बनाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जितना अच्छा शासन, उतना अच्छा विपक्ष और पत्रकारिता।श्री शुक्ल ने कहा कि शलभ भदौरिया और मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ एक दूसरे के पर्याय हैं। इतने लंबे समय तक शलभ जी द्वारा दायित्व का निर्वाह उनके कार्यों को मान्यता प्रदान करता है। श्री शुक्ल ने कहा कि इतने लंबे समय से संगठन चलकर पत्रकारिता को मजबूत करने पर वे शलभ भदौरिया का अभिनंदन करते हैं। उपमुख्यमंत्री ने श्रमजीवी साथियों की विशाल संख्या को देखकर कहा कि जितने साथी हाल में हैं उससे कहीं ज्यादा बाहर मौजूद हैं। यह सब मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के भरोसे के कारण है। इसीलिए यह संघ टिका है। इतना ही नहीं पत्रकारिता क्षेत्र के प्रदेश के मजबूत स्तंभ यहां उपस्थित हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि श्रमजीवी पत्रकारों ने अपनी मांगों को लेकर जो भावना व्यक्त की वह स्वाभाविक है। उनकी मांगे पूरी करना सरकार का दायित्व ही नहीं पत्रकारों का अधिकार भी है। उन्होंने श्रमजीवी पत्रकार साथियों की मांगों का समर्थन करते हुए उपमुख्यमंत्री से उन्हें पूरा करने को कहा। श्री पटवारी ने कटाक्ष कर कहा कि आप जो मांगें छोड़ देंगे वे हम पूरी कर देंगे।

इलाज के बहाने युवती से की छेड़छाड़, झोलाछाप डॉक्टर लिया गया हिरासत में

अमर दीप

उत्तर प्रदेशः जनपद के मऊदरवाजा थाना क्षेत्र में एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक युवती ने चिकित्सक पर इलाज के दौरान अश्लील हरकतें और छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कर ली है और आरोपी झोलाछाप डॉक्टर को हिरासत में ले लिया है।

दवा देने के बहाने केबिन में बुलाया प्राप्त जानकारी के अनुसार, मऊदरवाजा थाना क्षेत्र की निवासी एक युवती का इलाज क्षेत्र के ही डॉक्टर सद्दाम के यहां चल रहा था। पीड़िता के मुताबिक, शुक्रवार को वह अपने भाई के साथ दवा लेने के लिए क्लीनिक पर गई थी। दर्ज कराई गई एफआईआर में बताया गया है कि चिकित्सक ने उसके भाई को केबिन के बाहर ही रुकने को कहा और युवती को दवा देने के बहाने केबिन के अंदर बुला लिया।

विरोध करने पर दी जान से मारने की धमकी

आरोप है कि केबिन के अंदर जाने पर डॉक्टर ने युवती के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। जब युवती ने इसका कड़ा विरोध किया और शोर मचाया, तो बाहर बैठा उसका भाई तुरंत अंदर आ गया और उसने अपनी बहन को चिकित्सक से बचाया। पीड़िता का आरोप है कि बचाव के दौरान चिकित्सक ने युवती और उसके भाई के साथ जमकर गाली-गलौज की और उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी।

डायल 112 पर दी सूचना, पुलिस की कार्रवाई

घटना के तुरंत बाद पीड़िता के भाई ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और युवती की तहरीर के आधार पर डॉक्टर सद्दाम के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया। मऊदरवाजा थानाध्यक्ष अजब सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी झोलाछाप डॉक्टर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। फिलहाल उससे कड़ाई से पूछताछ की जा रही है और मामले की आगे की जांच जारी है। इस घटना के बाद से क्षेत्र में रोष का माहौल है।

'जनता दर्शन' की लाइव मॉनिटरिंग शुरू, शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए सख्त निर्देश

छत्र पाल

उत्तर प्रदेशः बरेली जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा शासन की मंशानुरूप आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु उपजिलाधिकारियों द्वारा तहसील मुख्यालयों में सुबह 10 से 12 बजे दैनिक रूप से आयोजित होने वाले जनता दर्शन की आज से लाइव मॉनिटरिंग की जनपद मुख्यालय से शुरूआत की गई। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा आमलोगों की समस्याओं के प्रभावी निस्तारण और कुशल प्रशासन को प्रभावी बनाने हेतु कुछ दिन पहले जिलाधिकारियों द्वारा की जाने वाली जनता दर्शन की लाइव मॉनिटरिंग की शुरूआत की गयी थी ।उसी व्यवस्था को जनपद स्तर पर भी लागू करते हुए आज से सभी तहसीलों में आयोजित होने वाले जनता दर्शन कार्यक्रम की लाइव मॉनिटरिंग की शुरूआत की गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने समस्त तहसीलों में उपस्थित उपजिलाधिकारी गण से वर्चुअल बातचीत की और निर्देशित किया कि प्रत्येक फरियादी की शिकायत को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना जाए तथा निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता दर्शन शासन की प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों में से एक है, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखें। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि जिस प्रकार तहसीलों मुख्यालय में जनता दर्शन की लाइव मॉनिटरिंग अब नियमित रूप से की जाएगी उसी प्रकार सभी खंड विकास अधिकारी कार्यालयों और नगर निकायो के अधिशासी अधिकारी कार्यालयों में सुबह 10 से 12 बजे की जाने वाली जनता दर्शन की लाइव मॉनिटरिंग तहसील मुख्यालय से किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

संपत्ति और तीसरी शादी के विवाद में कलयुगी बेटों ने ली 70 वर्षीय पिता की जान, एक गिरफ्तार

अमर दीप

उत्तर प्रदेशः फरुर्खाबाद जिले से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक खौफनाक घटना सामने आई है। जिले के मऊदरवाजा थाना क्षेत्र अंतर्गत अर्रापहाड़पुर गांव में एक 70 वर्षीय बुजुर्ग रामसनेही की उनके ही सगे बेटों द्वारा पीट-पीटकर और गला दबाकर हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और एक आरोपी बेटे को हिरासत में ले लिया है।

तीसरी शादी को लेकर चल रही थी कलह

मृतक के चचेरे भाई रामनाथ ने बताया कि रामसनेही की पत्नी का लगभग एक दशक पहले देहांत हो चुका था और वह अपने दो बेरोजगार बेटों, ओमकार और अनिल के साथ घर पर ही रहते थे। पारिवारिक कलह की मुख्य वजह छोटे बेटे अनिल की तीसरी शादी बताई जा रही है। अनिल, जिसकी पहली पत्नी की मृत्यु हो चुकी थी और दूसरी उसे छोड़कर जा चुकी थी, अब एक ऐसी महिला को ब्याह कर घर लाना चाहता था जिसके पहले से ही बच्चे हैं। बुजुर्ग पिता रामसनेही इस रिश्ते के सख्त खिलाफ थे, जिसे लेकर घर में अक्सर तीखी नोकझोंक होती रहती थी।

जमीन नाम करने से भी थी रंजिश

ग्रामीणों के बीच इस बात की भी गहरी चर्चा है कि हत्या के पीछे केवल शादी नहीं, बल्कि जमीन का विवाद भी एक बड़ा कारण है। बताया जा रहा है कि करीब तीन साल पहले रामसनेही ने अपनी कुछ जमीन अपने चचेरे भाई रामनाथ के बेटों (देवेंद्र और सिल्लू) के नाम कर दी थी। अपने हक की जमीन दूसरों को दिए जाने से दोनों बेटे पिता से खासे नाराज चल रहे थे।

बंद कमरे में दिया वारदात को अंजाम

परिजनों और पड़ोसियों के अनुसार, सोमवार रात इसी पुरानी रंजिश और शादी के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। रात में जब घर से चीख-पुकार मची, तो शोर सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। घर का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था और कोई जवाब नहीं मिल रहा था। अनहोनी की आशंका के चलते लोग छत के रास्ते घर के अंदर दाखिल हुए। अंदर का नजारा खौफनाक था। बुजुर्ग रामसनेही मृत अवस्था में पड़े थे और उनके सिर से खून बहने के निशान मौजूद थे, जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि हत्या से पहले उनके साथ बुरी तरह मारपीट की गई थी।

फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य, एक आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सीओ सिटी अभय वर्मा तुरंत भारी पुलिस बल और फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने मौके से कई अहम साक्ष्य जुटाए हैं। सीओ सिटी अभय वर्मा ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम (पीआरबी) के माध्यम से बेटों द्वारा पिता की हत्या की सूचना मिली थी। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक आरोपी बेटे, ओमकार को मौके से ही हिरासत में ले लिया है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि परिजनों की ओर से लिखित तहरीर मिलने के बाद सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है और लोग इस बात से स्तब्ध हैं कि चंद गज जमीन और जिद के खातिर बेटों ने अपने ही जन्मदाता को मौत के घाट उतार दिया।

आंबेडकर प्रतिमा तोड़फोड़ पर सियासत हुई तेज, कांग्रेस पर लगे गंभीर आरोप

फूलचंद मालवीय

मध्य प्रदेशः इंदौर के रेवती क्षेत्र में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा खंडित किए जाने की घटना ने अब एक बड़े राजनीतिक संग्राम का रूप ले लिया है। मिशन महाराजा बली सेना की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अंकिता वर्मा ने इस मामले में कांग्रेस पार्टी के विरुद्ध मोर्चा खोलते हुए अब तक का सबसे बड़ा बयान दिया है। अंकिता वर्मा ने कांग्रेस की राजनीति पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि आज जो कांग्रेस बाबा साहब का नाम लेकर राजनीति कर रही है। वह असल में बहुजन समाज को गुमराह कर रही है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर शुरू से ही कांग्रेस के ध्रुव विरोधी थे। उन्होंने आजीवन कांग्रेस की नीतियों का विरोध किया क्योंकि कांग्रेस कभी किसी का भला करना नहीं चाहती थी। अंकिता वर्मा ने आगे आरोप लगाया कि बहुजन समाज के लिए अगर कोई सबसे बड़ी दुश्मन है, तो वह कांग्रेस पार्टी ही है।

ऐतिहासिक सत्य और वर्तमान राजनीति

अंकिता वर्मा ने याद दिलाया कि बाबा साहब कभी कांग्रेस के सदस्य नहीं रहे और उन्होंने सदैव निर्दलीय चुनाव लड़कर अपनी राह चुनी उन्होंने आरोप लगाया कि यह वही कांग्रेस है, जिसने बाबा साहब को चुनाव हरवाया था। वर्तमान स्थिति पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि इंदौर जिले से आने वाले जीतू पटवारी जैसे नेता इस घटना पर चुप रहकर अपनी असलियत दिखा रहे हैं। कांग्रेस केवल वोट के लिए बाबा साहब का नाम जपती है, लेकिन उनके सम्मान की बात आने पर मौन हो जाती है।

प्रशासन और सरकार पर कलंक

अंकिता वर्मा का आरोप है कि इंदौर जैसे स्वच्छता में अग्रणी शहर में बाबा साहब की प्रतिमा का खंडित होना सरकार के माथे पर कलंक है। मिशन महाराजा बली सेना द्वारा दिए गए 48 घंटे बीत जाने के बाद भी प्रशासन की निष्क्रियता यह साबित करती है कि यह एक कुप्रशासनिक व्यवस्था है। बाबा साहब के सम्मान की खातिर अंकिता वर्मा ने युद्ध स्तर के संवैधानिक आंदोलन की घोषणा कर दी है वे स्वयं रेवती पहुँच रही हैं और उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अब यह लड़ाई आर-पार की होगी संगठन की मांग है कि दोषियों को तुरंत सलाखों के पीछे भेजा जाए, वरना पूरा बहुजन समाज सड़कों पर उतरने को मजबूर होगा।

भीलवाड़ा में नारद जयंती पर पत्रकारों का मंथन गिरते स्तर पर सवाल, एकजुटता का संकल्प

भारत बुनकर

राजस्थानः देवर्षि नारद मुनि जयंती एवं प्रेस दिवस की पूर्व संध्या पर जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) की जिला इकाई द्वारा आयोजित पत्रकार संगोष्ठी में पत्रकारिता के मौजूदा हालात पर खुलकर चर्चा हुई। वक्ताओं ने सवाल उठाया–क्या आत्ममंथन के बिना पत्रकारिता की साख बच पाएगी? कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ. पंकज गर्ग ने कहा कि कुछ लोगों की गलत प्रवृत्तियों के कारण पूरे पत्रकार वर्ग की छवि प्रभावित हो रही है। उन्होंने चापलूसी, आपसी खींचतान और व्यक्तिगत स्वार्थ की प्रवृत्ति पर निशाना साधते हुए पत्रकारों से एकजुट होकर सुधार की दिशा में कदम बढ़ाने का आह्वान किया। संगोष्ठी में विश्वनाथ पाराशर, जितेंद्र सिंह, डॉ. चेतन ठठेरा, ललित ओझा, गोपाल वैष्णव,अनिल राठी,

महेन्द्र नागौरी,राजेश जीनगर,कपिल शर्मा सहित कई पत्रकारों ने प्रशासनिक उपेक्षा, आपसी समन्वय की कमी और पेशेगत चुनौतियों पर अपने विचार रखे। चर्चा के आधार पर एक मांगपत्र तैयार कर प्रशासन व राज्य सरकार को भेजने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में जनसंपर्क विभाग के सहायक अधिकारी ईशांत काबरा, रोहित वर्मा तथा जार के पदाधिकारी भूपेंद्र ओझा, शहजाद खान, प्रकाश चपलोत और संजय लढा मंचासीन रहे। इस अवसर पर 60 वर्ष से अधिक आयु के करीब एक दर्जन वरिष्ठ पत्रकारों का माला, उपर्णा और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लोकेश तिवारी ने किया। अंत में स्नेहभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जहां पत्रकारों ने एकजुटता और सुधार का संकल्प दोहराया।

बुद्ध पूर्णिमा पर शांति, करुणा और अहिंसा के मार्ग पर चलने का संदेश

फूलचंद मालवीय

मध्य प्रदेशः महाराजा वली सेना की ओर से आप सभी को भगवान गौतम बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति एवं महापरिनिर्वाण दिवस, बुद्ध पूर्णिमा की हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं। आज का यह पावन दिन हमें भगवान बुद्ध के जीवन और उनके उपदेशों का स्मरण कराता है। उन्होंने सम्पूर्ण मानवता को शांति, करुणा, अहिंसा, सत्य और मैत्री का मार्ग दिखाया। उनका सबसे बड़ा संदेश था। ह्लअप्प दीपो भवह्व अर्थात अपना दीपक स्वयं बनो। भगवान बुद्ध ने कहा था कि क्रोध को प्रेम से, बुराई को अच्छाई से और घृणा को करुणा से जीता जा सकता है। आज जब समाज में अशांति और तनाव बढ़ रहा है, ऐसे में बुद्ध के विचार और भी प्रासंगिक हो जाते हैं। भगवान बुद्ध के आदर्शों पर चलने का संकल्प लेती है और कामना करती है कि उनका दिखाया गया मार्ग हर व्यक्ति के जीवन में ज्ञान का प्रकाश लाए। आपके घर-परिवार में सुख, शांति, समृद्धि और भाईचारा बना रहे। आइए, इस बुद्ध पूर्णिमा पर हम सब संकल्प लें कि मन, वचन और कर्म से किसी को दुख नहीं पहुंचाएंगे और सत्य-अहिंसा के मार्ग पर चलकर समाज को बेहतर बनाएंगे।

मेटा, गूगल और टिकटॉक पर टैक्स प्रस्ताव, पत्रकारों को मिलेगा आर्थिक सहयोग

मनोज कुमार चोरडिया

राजस्थानः ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने डिजिटल दिग्गज कंपनियों मेटा, गूगल और टिकटॉक पर टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा है, ताकि पत्रकारों और समाचार संस्थानों को आर्थिक सहयोग दिया जा सके।

क्या है इस नए कानून का उद्देश्य?

सरकार ने मंगलवार को इस संबंध में ड्राफ्ट कानून जारी किया, जिसे 2 जुलाई तक संसद में पेश करने की योजना है। इस कानून का उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को समाचार संगठनों के साथ व्यावसायिक समझौते करने के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि पत्रकारिता के लिए भुगतान सुनिश्चित हो सके।

पत्रकारों के काम की एक आर्थिक कीमत तय करना जरूरी

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि पत्रकारों के काम की एक आर्थिक कीमत तय करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां पत्रकारों की बनाई सामग्री का इस्तेमाल कर मुनाफा कमाएं और उन्हें उचित भुगतान न मिले। हम मानते हैं कि पत्रकारिता में निवेश एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है।

मिजार्पुर के बरही गांव में महिला का संदिग्ध शव बरामद

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेशः अहरौरा थाना क्षेत्र के बरही गांव के पास उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। मृतका की पहचान 30 वर्षीय आराधना, पत्नी विनय विश्वकर्मा क रूप में हुई है, जो पिछले दो दिनों से लापता थीं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। परिजनों के अनुसार आराधना शनिवार को घर से बिना किसी को बताए निकली थीं।

जिसके बाद उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी। परिवार ने यह भी बताया कि आराधना मानसिक रूप से अस्वस्थ थीं और पिछले करीब पांच वर्षों से उनका इलाज चल रहा था। ऐसे में मामले ने और भी गंभीर रूप ले लिया है। फिलहाल पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है। मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा।

स्मार्ट मीटर और बिजली कटौती से जनता त्रस्त, समाधान न हुआ तो आंदोलन होगा : पवन गुप्ता

कानपुर, एजेंसी। स्मार्ट और प्रीपेड मीटर व्यवस्था से जनता त्रस्त है, भीषण गर्मी में अघोषित बिजली कटौती ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। बार-बार फॉल्ट और शिकायतों का समय पर समाधान न होने से लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। नए मीटरों में तेज रीडिंग और ओवरबिलिंग से आम उपभोक्ता आर्थिक दबाव झेल रहा है। केस्को अधिकारियों का रवैया पूरी तरह संवेदनहीन बना हुआ है। इन समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो जनहित में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। यह बातें शनिवार को कांग्रेस नगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कही। कानपुर महानगर कांग्रेस के तत्वाधान में आज जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में केस्को मुख्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अपने शरीर पर बिजली के तार

बांधकर और हाथों में पोस्टर लेकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के माध्यम से स्मार्ट और प्रीपेड मीटर की विसंगतियों, भीषण गर्मी में अघोषित बिजली कटौती और शिकायत निस्तारण व्यवस्था की खामियों को प्रमुखता से उठाया गया।

प्रदर्शन के बाद निदेशक केस्को को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें शहरवासियों को हो रही समस्याओं के समाधान की मांग की गई। कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि वर्तमान में कानपुर की बिजली व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्थित हो चुकी है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता ने बताया कि स्मार्ट और प्रीपेड मीटर में तेज रीडिंग और ओवरबिलिंग की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। प्रीपेड प्रणाली में तकनीकी खराबी, बैलेंस खत्म होते ही अचानक बिजली कट जाना और रिचार्ज के बाद भी समय पर सप्लाई बहाल न होना आम समस्या बन चुकी है। उपभोक्ताओं का कहना है कि पुराने मीटर के मुकाबले नए मीटर में अधिक बिल आ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। ज्ञापन में प्रमुख रूप से स्मार्ट मीटरों की जांच कराकर ओवरबिलिंग रोकने, प्रीपेड मीटर की तकनीकी खामियां दूर करने, बिना सूचना बिजली कटौती पर रोक लगाने, बिजली आपूर्ति को नियमित और निर्बाध बनाने, शिकायतों के त्वरित समाधान की प्रभावी व्यवस्था लागू करने और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की गई। इसके साथ ही सब स्टेशन स्तर पर शिकायतों के समाधान के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने और उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पुरानी व्यवस्था बहाल करने की भी मांग उठाई गई। इस दौरान काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

अमेठी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अमेठी जिले की जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र के अयोध्या-रायबरेली रोड पर मंगौली गांव के पास शनिवार दोपहर सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई । सूचना पर पहुंची पुलिस ने डंपर और ड्राइवर को कब्जे में लेकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी। कोतवाल धीरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि मृतक की पहचान पंकज उपाध्याय (30) है, जो ग्राम गिरिजा मोड़, पोस्ट रैचा, थाना बल्दीराय, जनपद सुल्तानपुर का रहने वाला था। वह घर से रायबरेली की ओर जा रहा था, तभी पीछे से तेज रफ्तार पर अनियंत्रित डंपर ने बाइक में टक्कर मार दिया। हादसे में बाइक सवार पंकज की मौके पर मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया है। कोतवाल ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची गई थी। टक्कर मारने वाले डंपर और उसके चालक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। परिजनों को सूचित कर दिया गया है। पुलिस ने पंचायतनामा की कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मुरादाबाद में 4.29 लाख वोटरों के सत्यापन का काम 5 मई तक पूरा करना है : उप जिला निर्वाचन अधिकारी

मुरादाबाद, एजेंसी। अपर जिलाधिकारी प्रशासन व उप जिला निर्वाचन अधिकारी संगीता गौतम ने शनिवार को बताया कि चुनाव आयोग की ओर से मिली पंचायत चुनाव से संबंधित डुप्लीकेट मतदाताओं के सूची का सत्यापन चल रहा है। 5 मई तक 4.29 लाख वोटरों के सत्यापन का काम पूरा करना है। संगीता गौतम ने आगे बताया कि जनपद में पंचायत चुनाव से जुड़े 14.73 लाख मतदाताओं की सूची की एआई से जांच कराई थी। इसके बाद चुनाव आयोग ने दो चरणों में डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची सत्यापन के लिए जिला प्रशासन भेजी थी। पहली सूची में 2.35 लाख वोटर थे। सत्यापन में करीब 71 हजार डुप्लीकेट मतदाता मिले। दूसरी सूची 4.66 लाख से अधिक मतदाता रहे। इसमें 53 हजार से अधिक वोटर डुप्लीकेट पाए गए।

जिला कारागार में बंदी की हार्ट अटैक से मौत

मथुरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिला कारागार में शनिवार सुबह एक बंदी की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। जेल पुलिस ने घटना की जानकारी परिवार को देते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जेल अधीक्षक अंशुमान गर्ग ने बताया नौहझील क्षेत्र के निवासी बंदी कुशलपाल की मृत्यु प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक से माना जा रहा है। वह दिसंबर 2025 से आर्म्स एक्ट और हत्या जैसे गंभीर मामलों में न्यायिक अभिरक्षा के तहत जेल में बंद था। शनिवार की सुबह अचानक उसके सीने में तेज दर्द और बेचैनी की शिकायत पर उसे तत्काल चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई। प्राथमिक जांच के बाद जब उसकी हालत अधिक बिगड़ने लगी, तो उसे आनन-फानन में अस्पताल ले जाने की तैयारी की गई। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। जांच के बाद प्रथमदृष्टतया बंदी की मौत का कारण हार्ट अटैक बताया है, जो एक सामान्य मृत्यु है। फिलहाल घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों के साथ-साथ मृतक के परिजनों को भी दे दी है। फिलहाल पुलिस और प्रशासन आगे की कानूनी कार्रवाई और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में जुटे हैं ताकि मौत के सटीक कारणों की पुष्टि हो सके।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के लिए समर्थकों ने किया हवन

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व विधायक अजय राय के स्वास्थ्य को लेकर पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक चिंतित हैं। शनिवार को समर्थकों ने प्रदेश अध्यक्ष के शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना को लेकर वाराणसी में चेतगंज स्थित सत्ती माता मंदिर परिसर में विशेष हवन पूजन किया। समर्थकों ने प्रदेश अध्यक्ष की तस्वीर लेकर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सत्ती माता से प्रदेश अध्यक्ष के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पार्टी के वाराणसी महानगर अध्यक्ष राघवेन्द्र चौबे ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष के स्वास्थ्य को लेकर पार्टी कार्यकर्ता चिंतित हैं। फिलहाल प्रदेश अध्यक्ष स्वस्थ हैं। कार्यकताओं और समर्थकों के प्रेम और शुभकामनाओं से वे शीघ्र जनसेवा में पहले की तरह जुट जाएंगे। उल्लेखनीय है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की तबीयत शुक्रवार शाम अचानक बिगड़ गई। घर में बेहोश होने पर उन्हें तत्काल मेदांता अस्पताल लखनऊ में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। पार्टी के स्थानीय नेताओं के अनुसार खून में सोडियम की कमी के कारण वह बेहोश हुए थे। हालांकि, उन्हें अब भी कमजोरी महसूस हो रही है। इसलिए उन्हें चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। शनिवार शाम तक उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है।

शताब्दी भवन सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय की गरिमा और प्रतिष्ठा का प्रतीक : प्रो. बिहारी लाल शर्मा

वाराणसी, एजेंसी। सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बिहारी लाल शर्मा ने शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित "शताब्दी भवन अतिथि गृह" में चल रहे नवीनीकरण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी संकायाध्यक्षों, चीफ प्रॉक्टर सहित अन्य अधिकारियों के साथ भूतल एवं प्रथम तल के कक्षों, सभागार, मिनी हाल आदि में प्रगति की बारीकी से समीक्षा की। कुलपति ने निरीक्षण के दौरान भवन की आंतरिक साज-सज्जा, फॉल सीलिंग, वातानुकूलन (एसी) व्यवस्था तथा उपवेशन (बैठक) की सुविधाओं पर विशेष चर्चा की। कुलपति ने निर्देश दिया कि नवीनीकरण कार्यों में आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ विश्वविद्यालय की पारंपरिक गरिमा का भी समुचित समन्वय सुनिश्चित किया जाए, ताकि यह भवन अतिथि सत्कार एवं अकादमिक आयोजनों के लिए आदर्श केंद्र बन सके। उन्होंने कहा कि शताब्दी भवन विश्वविद्यालय की गरिमा और प्रतिष्ठा का प्रतीक है। इसका नवीनीकरण इस प्रकार किया जा रहा है कि यहां आने वाले विद्वानों, अतिथियों एवं विभिन्न आयोजनों को उच्च स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हों और यह भवन विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक पहचान को और अधिक सुदृढ़ करे।

इसके उपरांत कुलपति ने लालभवन में चल रहे नवीनीकरण कार्यों का भी निरीक्षण किया तथा संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी और सभी परियोजनाएं निर्धारित मानकों के अनुसार होनी चाहिए। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव राकेश कुमार, प्रोफेसर जीतेन्द्र कुमार, प्रोफेसर रजनीश कुमार शुक्ल, प्रोफेसर रमेश प्रसाद, प्रोफेसर महेन्द्र पाण्डेय, प्रोफेसर विधु द्विवेदी, प्रोफेसर शैलेश कुमार मिश्र एवं प्रोफेसर दिनेश कुमार गर्ग आदि भी शामिल रहे।

बैंक कर्मियों ने बैज लगाकर मनाया मांग दिवस

मीरजापुर, एजेंसी। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर शनिवार को उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जनपद में सरकारी बैंकों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में बैज लगाकर मांग दिवस मनाया। इस दौरान बैंकिंग कार्य जारी रखते हुए कर्मचारियों ने एकजुटता का प्रदर्शन किया।जिला संयोजक सुरेश पांडेय ने बताया कि निजी क्षेत्र के बैंकों को छोड़कर ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों तक सभी सरकारी बैंक शाखाओं में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बैंक कर्मियों की जायज मांगों की अनदेखी कर रही है और कार्यरत कर्मचारियों व उच्च प्रबंधन के बीच भेदभाव पैदा करने की कोशिश कर रही है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि वे सरकार की इस नीति को सफल नहीं होने देंगे और अपनी मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखेंगे। उनकी प्रमुख मांगों में पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करना, द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से पीएलआई योजना का समाधान करना तथा एकतरफा निर्णय न लागू करना शामिल है। इस दौरान इंडियन बैंक डंकीनगंज शाखा के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

कांशीराम कालोनी में गहराया पेयजल संकट, दो किलोमीटर दूर से लाना पड़ रहा पानी

महोबा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में गर्मी का दौर जारी है। तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। ऐसे में जनपद मुख्यालय स्थित कांशीराम कालौनी में पेयजल संकट ने विकराल रूप धारण कर लिया है। शनिवार को कालोनीवासियों ने प्रदर्शन करते हुए तहसील दिवस में शिकायती पत्र सौंपा है। लोगों ने समस्या का निराकरण करा पेयजल संकट दूर कराने की मांग की है। शनिवार को तहसील दिवस में शिकायत लेकर पहुंचे जनपद मुख्यालय स्थित कांशीराम कालोनी निवासी पप्पू ने बताया कि कालोनी में दो ट्यूबवेल लगे हैं। दोनों ही खराब हैं। हैडपंपों में पानी नहीं आ रहा है। प्रशासन द्वारा अभी तक टैंकर आदि की वैकल्पिक व्यवस्था भी नहीं की गई है। कालोनीवासियों को दो किलोमीटर दूर से पानी की व्यवस्था करनी पड़ रही है। प्रेमनारायण ने बताया कि

भयंकर गर्मी में कालोनीवासियों के लिए पानी का संकट गहराता चला जा रहा है। आदमी अपना कामकाज छोड़कर पानी की व्यवस्था करने में लगा हुआ है। इस दौरान सुहागरानी, सुमन, सुनीता, रीमा, ज्योति, रजिया, समीना, नीतू, रामदेवी, शबनम, मुस्कान, फिरोज, नौशाद समेत भारी संख्या में कालोनी के लोग मौजूद रहे हैं। सदर एसडीएम शिवध्यान पाण्डेय ने समस्या का जल्द से जल्द निराकरण कराने का आश्वासन दिया है।

कुटम्ब प्रबोधन गोष्ठी में संयुक्त परिवारों के बिखरने की चिंता

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शनिवार को राष्ट्रधर्म मासिक पत्रिका के कार्यालय में आयोजित गोष्ठी में कमजोर होते संयुक्त परिवारों को लेकर चिन्ता प्रकट की गयी। गोष्ठी में उपस्थित सभी वक्ताओं का मानना था कि धीरे-धीरे संस्कारों में कमी आ रही है। इसको लेकर सतर्क और सक्रिय रहने की आवश्यकता है। गोष्ठी का विषय कुटम्ब प्रबोधन रहा। उल्लेखनीय है कि यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पंच परिवर्तनों में से एक है। गोष्ठी का संचालन राष्ट्रधर्म के निदेशक डॉ. ओमप्रकाश ने किया। कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सौरभ मालवीय ने कहा कि परिवार में रहकर अच्छे संस्कार, परस्पर प्रेम, नैतिकता, राष्ट्रप्रेम जैसी बातें सीखी जा सकती हैं। जब यह भाव किसी व्यक्ति में उत्पन्न होते हैं तब वह पूरे समाज को साथ लेकर चलता है। जयप्रकाश पाण्डेय ने संयुक्त परिवारों के बिखरने पर चिन्ता व्यक्त की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में सब अच्छा होगा। गौसिया खानम ने भी कहा कि परिवारों में संस्कार कम हो रहे हैं। हमें सजग होना होगा। अमित कुमार मल्ल ने कहा कि परिवार पर सर्वाधिक आक्रमण हो रहे हैं। यह चिन्ताजनक है। उन्होंने कहा कि अविवाहित युगलों की संख्या बढ़ रही है। जो विवाहित हैं, वे बच्चे नहीं चाहते हैं। तलाक के मुकदमें तेजी से बढ़ रहे हैं। वृद्धों की स्थायी जगह वृद्धाश्रम होती जा रही है। इस पर पूरे समाज को चिन्ता करने की आवश्यकता है। गोष्ठी के अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा ने कहा कि सबका सम्मान करना परिवार की मूल भावना है। असहमति के साथ भी वैमनस्यता नहीं और विविधता में एकता के भाव को पुष्ट करने की आवश्यकता है। इस दौरान अशोक बाजपेयी, के.के. वत्स, कुमार अशोक पांडेय, संतोष तिवारी, मृत्युंजय दीक्षित, राजेन्द्र शंकर द्विवेदी और आलोक त्रिपाठी ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

डीआईओएस गोरखपुर का आकस्मिक निधन

गोरखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जनपद में तैनात जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अमरकान्त सिंह का शनिवार दोपहर लगभग 12:00 बजे लखनऊ में उपचार के दौरान आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही गोरखपुर जनपद के शिक्षा विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। डॉ. सिंह के असामयिक निधन से विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी स्तब्ध हैं और

इसे अपूरणीय क्षति मान रहे हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय, गोरखपुर परिसर में एक शोक सभा का आयोजन किया गया।

इसमें उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही ईश्वर से प्रार्थना की गई कि वे शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। यह जानकारी प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा दी गई।

मुठभेड़ के दौरान गोकशी के दो आरोपित जुनैद और कय्यूम गिरफ्तार

मुरादाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद जिले के थाना कटघर क्षेत्र में शुक्रवार देर रात मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने गोकशी के दो आरोपित जुनैद और कय्यूम को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया। आरोपित कय्यूम दो माह पहले ही जेल से बाहर आया था। पुलिस अधीक्षक (नगर) कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि कटघर थाना क्षेत्र में रामगंगा किनारे मुस्तफाबाद के जंगल में गुरुवार को पशु के अवशेष मिले थे। कटघर थाने में इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। शुक्रवार की रात करीब नौ बजे कटघर थाने की पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान सक्टूनगला जाने वाले रास्ते पर बाइक सवार दो आरोपित जा रहे थे। पुलिस ने आरोपितों की घेराबंदी की तो उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें थाना मूंढापांडे क्षेत्र के सिरसखेड़ा निवासी जुनैद और मूंढापांडे के ही खानपुर लक्की निवासी कय्यूम पैर में गोली लगने घायल हो गए।

सुलतानपुर में एलआईयू इंस्पेक्टर ने की आत्महत्या की कोशिश

सुलतानपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर पुलिस लाइन में एलआईयू इंस्पेक्टर नितिन भारती ने पारिवारिक कलह के चलते अपने आवास पर फांसी के फंदे से आत्महत्या करने का प्रयास किया। उन्हें परिवार और पड़ोसियों ने दरवाजा तोड़कर बचाया। कोतवाली नगर स्थित पुलिस लाइन में मे बीती रात इंस्पेक्टर भारती ने अपने कमरे का दरवाजा बंद कर पंखे से चादर के माध्यम से फांसी लगाने की कोशिश की। उनकी पत्नी, जो अयोध्या में कार्यरत हैं, के साथ उनका विवाद हुआ था। आसपास के लोगों ने शोर सुनकर बीच-बचाव किया और दरवाजा तोड़कर इंस्पेक्टर को बचाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाया। पुलिस ने मामले को परिवार परामर्श केंद्र के माध्यम से आगे बढ़ाने का सुझाव दिया है। फिलहाल मौके पर शांति व्यवस्था सामान्य है।

दोस्त ने रची साजिश, गुमशुदा युवक की हत्या कर शव गंगा में फेंका, तीन गिरफ्तार दो फरार

कानपुर, एजेंसी। चकेरी थाना क्षेत्र में गुमशुदा युवक की हत्या कर शव गंगा नदी में फेंकने की सनसनीखेज घटना का पुलिस ने शनिवार को खुलासा कर दिया। दोस्त ने ही साजिश रचकर युवक को फोन कर बुलाया, जहां लूट के इरादे से गला दबाकर हत्या कर दी और शव नदी में फेंक दिया गया। पुलिस ने सर्विलांस और सीसीटीवी की मदद से तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो अभी फरार हैं। पुलिस उपायुक्त पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि 17 अप्रैल को विष्णुचंद्र त्रिवेदी द्वारा अपने पुत्र अंकित त्रिवेदी (37) की गुमशुदगी थाना चकेरी में दर्ज कराई गई थी। अंकित त्रिवेदी बाराबंकी जनपद के सिधौर ब्लॉक स्थित प्राथमिक चिकित्सालय में वार्ड ब्वाय के पद पर कार्यरत थे। 16 अप्रैल की शाम एक फोन कॉल आने के बाद वह अपनी कार से घर से निकला था, जिसके बाद से उसका कोई पता नहीं चला। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान मृतक की स्विफ्ट डिजायर कार फतेहपुर जनपद के हथगांव थाना क्षेत्र के एक गांव के पास लावारिस हालत में मिली। इसके बाद पुलिस ने सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कई टीमों का गठन कर जांच तेज की और घटना का खुलासा किया।

पूछताछ में सामने आया कि मृतक के परिचित सत्यम मिश्रा ने उसके बैंक खाते में रुपये होने की जानकारी रेहान, शादाब और अल्तमस को दी। इसके बाद सभी ने मिलकर योजना बनाई और शादी में कार बुकिंग के बहाने उसे रामादेवी क्षेत्र में बुलाया। वहां से तीनों आरोपित उसके साथ कार में बैठ गए, जबकि सत्यम मिश्रा बाइक से पीछे-पीछे चलता रहा। फतेहपुर जनपद के हथगांव क्षेत्र में सुनसान स्थान पर पानी पीने के बहाने कार रुकवाई गई।

इसी दौरान आरोपितों ने अंकित से मोबाइल छीनने का प्रयास किया। विरोध करने पर गमछे से गला कसकर उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद शव को कार की पिछली सीट पर डालकर नौबस्ता गंगा पुल ले जाया गया और वहां से नदी में फेंक दिया गया। साथ ही मोबाइल भी नदी में बहा दिया गया, ताकि कोई साक्ष्य न बच सके। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित कार लेकर भागे, लेकिन रास्ते में पेट्रोल खत्म होने पर उसे गांव शाहपट्टी में छोड़ दिया और वहां से ई-रिक्शा व ट्रेन के जरिए मुंबई फरार हो गए। पुलिस ने काशीराम कालोनी के पास गोल चौराहे से रेहान, शादाब और अल्तमस अहमद को गिरफ्तार कर लिया।

बागपत में शराब पार्टी के दौरान चाट विक्रेता की हत्या

बागपत, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बागपत जिले के डौला गांव में शनिवार को एक युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान हो गई है।घरवालों ने आरोप लगाया है कि दोस्तों ने शराब पार्टी के दौरान चाट विक्रेता की ईंट से पीट-पीटकर हत्या की है।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवकोपोस्टमार्टम भेज कर मामले की जांच शुरू करदी। कोतवाल बृजेश कुमार ने शनिवार को यह बताया कि मृतक की पहचान मूलचंद के रूप में हुई है, जो ठेला लगाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। परिजनों ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात करीब आठ बजे गांव के ही दो युवक मूलचंद को अपने साथ बुलाकर ले गए थे। इसके बाद वह रात में घर नहीं लौटा। उसका मोबाइल फोन भी बंद मिला। शनिवार सुबह परिजन गुमशुदगी की शिकायत करने थाना पहुंचे।

संपादकीय

घोर लापरवाही : जीवन की कीमत पर पर्यटन

इसे हादसा कहें या बदहाल और गैर जिम्मेदार भ्रष्ट व्यवस्था की हद दर्जे की लापरवाही जिसके चलते करीब पन्द्रह हंसती खेलती जिंदगी मौत के आगोश में समा गयीं और दर्जन भर परिवारों को कभी न भूलने वाला दुख दे गयीं। 30 अप्रेल गुरुवार को मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले से एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है.जबलपुर जिले के बरगी बांध क्रूज हादसे को तीन दिन से अधिक समय बीत चुका है. लेकिन अब भी कुछ लोग लापता हैं. उनके जिंदा मिलने की उम्मीद कम है, लेकिन अपनों की उम्मीद है कि टूटती नहीं. आंखें टकटकी लगाए उनका इंतजार देख रही हैं. आपको बता दें जबलपुर मप्र के खास पर्यटन स्थल बरगी डैम में गुरुवार 30 अप्रेल की शाम पर्यटकों की खुशियां मातम में बदल गईं. डैम के खमरिया टापू के पास एक क्रूज अचानक आए तेज तूफान के कारण अनियंत्रित होकर पानी में डूब गया. हादसे के वक्त क्रूज पर करीब 30 से 40 लोग सवार थे. बताया जा रहा है कि ये सभी लोग यहां घूमने के लिए निकले थे. अचानक हुए इस हादसे से मौके पर चीख पुकार मच गई.शुरूआती जानकारी के अनुसार, हादसे के समय क्रूज नर्मदा नदी के बैकवाटर में मौजूद था. इस बीच तभी अचानक मौसम बदला गया और तेज हवाओं के साथ तूफान आने लगा. ये तूफान इतना जबरदस्त था कि क्रूज अपना संतुलन खोने लगा और कुछ ही समय में पानी में पलट गया. जानकारी के अनुसार, पर्यटकों से भरा क्रूज अचानक नर्मदा में पलट गया. पानी से लबालब बांध में जब लोग डूबे तो हर किसी की आंखें सिर्फ अपनों को ढूंढ रही थीं. किसी ने आंखों के सामने पत्नी खो दी तो किसी ने मां और भाई. इस हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है. ये लोग किसी के मां-बाप, भाई, बहन थे. सोचिए उन लोगों पर क्या बीत रही होगी, पलक झपकते ही जिसके अपने आंखों से ओझल हो गए. उनके अपने डूबते रहे और वे बेबस होकर देखते रहे. चीख-पुकार और मदद की गुहार भी काम नहीं आई.

जबलपुर क्रूज हादसे ने दिल्ली के एक परिवार की खुशियां उजाड़ दीं. पति, पत्नी, एक बेटा और एक बेटी पिकनिक मनाने क्रूज पर चढ़े. हादसे के दौरान पिता और बेटी किसी तरह सुरक्षित बच गए, लेकिन मां और बेटा क्रूज के भीतर ही फंस गए थे. आज सुबह मां का अपने बेटे को सीने से चिपकाए हुए शव मिला. मानो आखिरी पल तक उसे बचाने की कोशिश कर रही हो.

आईसीयू के अमानवीय एवं अनैतिक पक्षों की निगरानी जरूरी

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिदेर्शों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। वास्तव में आईसीयू एक विशेष सुविधा है, जिसका उपयोग केवल उन मरीजों के लिए होना चाहिए जिनकी स्थिति गंभीर हो और जिन्हें निरंतर निगरानी या अत्याधुनिक उपकरणों की आवश्यकता हो। किंतु जब इस सुविधा का उपयोग लाभ कमाने के साधन के रूप में होने लगे, तब यह व्यवस्था एक प्रकार की अमानवीयता में परिवर्तित हो जाती है।

ललित गर्ग

देश में स्वास्थ्य सेवा की वर्तमान स्थिति पर विचार करते समय एक अत्यंत चिंताजनक, मानवीय और संवेदनशील प्रश्न सामने आता है-क्या चिकित्सा अब सेवा न रहकर व्यवसाय का कठोर रूप एवं एक त्रासदी बनती जा रही है? विशेष रूप से निजी अस्पतालों के आईसीयू (गहन चिकित्सा कक्ष) से जुड़े मामलों ने इस प्रश्न को और अधिक तीखा बना दिया है। ऐसे अनेक उदाहरण सामने आए हैं, जहां मरीज के चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो जाने के बावजूद उसे आईसीयू में रोके रखा जाता है। इसके पीछे का कारण अक्सर चिकित्सा की अनिवार्यता नहीं, बल्कि आर्थिक लाभ की निरंतर चलती प्रक्रिया होती है। यह स्थिति न केवल चिकित्सा के नैतिकता एवं सेवाभावना पर प्रश्नचिह्न लगाती है, बल्कि मानवता की मूल संवेदनाओं को भी झकझोरती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आईसीयू के लिए एकसमान दिशानिदेर्शों की आवश्यकता पर बल देना इस गंभीर समस्या की स्वीकारोक्ति भी है और समाधान की दिशा में एक सार्थक पहल भी। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जो मरीज चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके हैं या जिन्हें गहन निगरानी अथवा जीवन रक्षक उपकरणों की आवश्यकता नहीं है, उन्हें अनावश्यक रूप से आईसीयू में नहीं रखा जाना चाहिए। यह निर्देश केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि गहरे नैतिक आधार पर टिका हुआ है। यह हमें याद दिलाता है कि चिकित्सा का मूल उद्देश्य जीवन की रक्षा और पीड़ा का निवारण है, न कि आर्थिक लाभ का अधिकतमकरण।

सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इन दिशानिदेर्शों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। निश्चित तौर पर आधुनिक चिकित्सा खचीर्ली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था में सेवा का भाव न होकर व्यवसाय की भावना का अधिक होना चिन्ताजनक है। इसी के कारण इसमें अनेक विसंगतियां एवं क्रूरताएं व्याप्त होती जा रही है, इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है।

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिदेर्शों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। वास्तव में आईसीयू एक विशेष सुविधा है, जिसका उपयोग केवल उन मरीजों के लिए होना चाहिए जिनकी स्थिति गंभीर हो और जिन्हें निरंतर निगरानी या अत्याधुनिक उपकरणों की आवश्यकता हो। किंतु जब इस सुविधा का उपयोग लाभ कमाने के साधन के रूप में होने लगे, तब यह व्यवस्था एक प्रकार की अमानवीयता में परिवर्तित हो जाती है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए आईसीयू का खर्च अक्सर असहनीय होता है। एक दिन का खर्च हजारों से लेकर लाखों तक पहुंच सकता है। ऐसे में यदि मरीज को अनावश्यक रूप से वहां रोका जाता है, तो यह केवल आर्थिक शोषण नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक उत्पीड़न भी है। यह स्थिति इसलिए भी जटिल हो जाती है क्योंकि आमजन को चिकित्सा प्रक्रियाओं की गहन जानकारी नहीं होती। मरीज के परिजन डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के निदेर्शों पर पूरी तरह निर्भर होते हैं। इस निर्भरता का दुरुपयोग तब होता है जब पारदर्शिता का अभाव होता है। कई बार मरीज को वास्तविक स्थिति से अवगत नहीं कराया जाता और उसे आईसीयू में बनाए रखने के निर्णय को अंतिम सत्य की तरह प्रस्तुत कर दिया जाता है। इस प्रकार एक अस्पष्टता का वातावरण बनता है, जिसमें सत्य और लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है।

यदि हम इस समस्या की जड़ में जाएं, तो पाएंगे कि यह केवल अस्पतालों या डॉक्टरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक व्यवस्थागत विफलता का परिणाम है। आजादी के बाद शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सरकार के अधीन रखकर यह अपेक्षा की गई थी कि ये क्षेत्र जनसेवा के आदर्श उदाहरण बनेंगे। किंतु समय के साथ आर्थिक उदारीकरण और निजीकरण के प्रभाव ने इन क्षेत्रों की दिशा बदल दी। शिक्षा जहां एक महंगा व्यवसाय बन गई, वहीं चिकित्सा सेवा भी धीरे-धीरे लाभ कमाने का माध्यम बनती चली गई। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि आज चिकित्सा क्षेत्र में एक प्रकार की ह्नव्यावसायिक प्रतिस्पर्धाह्व चल रही है, जिसमें मरीज एक ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। बड़े-बड़े निजी अस्पताल आधुनिक सुविधाओं से लैस होकर तेजी से बढ़ रहे हैं, जो एक दृष्टि से सकारात्मक है, लेकिन जब इन सुविधाओं का उपयोग केवल आर्थिक लाभ के लिए होने लगे, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। अस्पतालों की संख्या बढ़ना अच्छा है, लेकिन उनकी कार्यप्रणाली में लोभ की प्रवृत्ति का बढ़ना जहां गहन घातक है, वही उसमें मानवीय संवेदना और नैतिकता का समावेश होना अधिक आवश्यक है।

इसी संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देश एक आशा की किरण के रूप में सामने आते हैं। इन दिशानिदेर्शों में न केवल मरीजों के अधिकारों की रक्षा की बात की गई है, बल्कि अस्पतालों की जवाबदेही भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। नर्स और मरीज के अनुपात, विशेषज्ञों की उपलब्धता, बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षण जैसे पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयास स्वास्थ्य सेवा को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और न्यायसंगत बनाने की दिशा में मार्ग प्रशस्त कर सकता है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी नीति या दिशानिर्देश की सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। भारत में अनेक बार देखा गया है कि अच्छे इरादों से बनाई गई योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह जाती हैं। यदि इन दिशानिदेर्शों का पालन भी आधे-अधूरे मन से किया गया, तो यह प्रयास भी अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पाएगा। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, पर्याप्त वित्तीय संसाधन और मजबूत प्रशासनिक ढांचे की आवश्यकता होगी। साथ ही यह भी आवश्यक है कि इस पूरी प्रक्रिया में मानवीय दृष्टिकोण को केंद्र में रखा जाए। आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहना केवल आर्थिक बोझ नहीं, बल्कि मानसिक पीड़ा का भी कारण होता है। मरीज और उसके परिवार दोनों ही एक अनिश्चितता और भय के वातावरण में जीते हैं।

सृष्टि के सर्जनहार प्रकाश ब्रह्म भगवान राम हैं

संजय गोस्वामी

चार वेद में मूलभूत भूल थी है जिसमें व्यासजी जैसे ऋषि-मुनियों ने चार वेद का दोहन करके अपने अपने विरोधाभासी मत दर्शाकर मतभेद खड़े किये है और खट-पट बढ़ गई है। नेति नेति का हार्द समझें बिना ही अनंत ब्रह्मांड में ॐ?कार के स्वरुप में सर्वव्यापक प्रकाश ब्रह्म है जो सृष्टि के सर्जनहार का परम प्रकाश ब्रह्म है। उस सर्जनहार की विश्व में कोई यथार्थ खोज नहीं कर पाया इसलिए चार वेद से चली आई भूल दिन दूना रात चौगुना बढ़ती ही गई जो थमने का नाम नहीं रही है। हरोज एक नया भगवान और देवी पैदा होती ही रहती है। क्यों कि कवियों की काल्पनिक मनगढ़ंत तथ्यहीन रसिक कविताओं और वाणीयों रुप वाणी विलास में जगत फंस गया है। जगत में आज तक न किसी को निज चैतन स्वरुप अंश का यथार्थ बोध है और न सृष्टि के सर्जनहार का बोध है, फिर भी चुंइगम की तरह वाणी विलास के नशे में चबाते हुए सब मस्त है जैसे कि उनको परमपद की प्राप्ति अभी इसी वक्त हो गई हो।? जब भीतर ही परमात्मा का बोध दृढ़ हो जाए, तब भय मिट जाता है क्योंकि रक्षक और रक्षित का भेद ही नहीं रहता – वही शरण, वही शरणागत हो जाता है। बुद्धि से आगे कि यात्रा के लिए प्रेम ही सहारा है। संसारीक पदार्थों से विरक्ति होने पर प्रेम कि शुरूआत होती है। भोगों का दमन नहीं करा जा सकता क्योंकि मन द्वारा उत्पन्न सृष्टि का भोक्ता मन ही है। ये ऐसा ही है जैसे चित्रकार कागज को भुलाकर उसमें बने हुए चित्रों को ही भोग रहा है : परिवार है समाज है कुटुंब इत्यादि है धन सम्पत्ति मान मयार्दा इतना सब जीवन भर मेहनत करके जोड़ा उसका त्याग सरल नहीं होता है : शरीर और संसार में अहं भाव है ही नहीं। अहं है कहां किसमें जानने मानने में है। अनजाने में भी है। ज्ञान अज्ञान में भी। जनाइये मैं कौन हूं हूं भाव कौन सवाल मैं संकेत मात्र हूं या नहीं भाव हैं। अहं न देह में है न संसार में, वह केवल जानने वाले मैं हूँ के स्फुरण में है – और जब यह स्फुरण भी किसमें उठ रहा है यह देखो, तो मैं केवल साक्षी का संकेत मात्र रह जाता है, भाव नहीं।! : राम कथा के तेई अधिकारी । जिन्ह के सत संगति अति प्यारी।। सत्संग श्रवण कीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा। एक मृत शरीर है और एक जीवित शरीर है दोनों ही पर सुर्य का प्रकाश पड रहा है एक शांत है और दुसरे में प्राण है। सुर्य कि दृष्टि से दोनों ही सुर्य के विषय है और सुर्य दोनों का विषयेता । तीनो ही सतय बनकर स्थित है ये बुद्धि का विचार है धारणा है मन का निश्चय है। यदि अचानक से पता चले कि ये जो कुछ भी देखा वो स्वप्न में देखा तो कोई एक सत्ता ऐसी भी हैं जो सुर्य को भी प्रकाशित कर रही है। अब एक मृत शरीर है एक जीवित शरीर है एक बुद्धि है एक सुर्य है और एक वो सत्ता भी है जो इन सबको स्वप्न में एक क्षण में रच लेती है : आजकल तत्त्वदर्शी तत्त्ववेत्ता केवल एक ही पूरे विश्व में है और वह राजनीति में कृष्ण की तरह से है।वह उत्तर भारत में प्राप्त है उसके प्रवचन फोटो भी इस साइट पर आए हैं। परन्तु उसके बारे में जानकारी देने वाले उचित-अनुचित से अनभिज्ञ हैं। जिस महात्मा के बारे में जानकारी दी गई है उसके चेले उचित-अनुचित से अनभिज्ञ हैं मैंने पहले ही बता दिया है। चेले को यह साफ साफ स्पष्ट रूप से देखें जा सकते हैं कि उन्होंने क्या सीखा है? और उस महापुरुष को अपने स्वभाव से खराब करते रहते हैं। एक उपले रखने के लिए बरसात में बटिहा जिसमें उपले सूखें रहें बनाया जाता है। तब उसमें से उपले ही निकलते हैं उसी तरह से कुछ महात्माओं के चेले निम्न श्रेणी के फंसे हुए रहते हैं और वह उस महापुरुष को अपने स्वभाव से बदनाम करते रहते हैं। इतना समय हो गया उस महापुरुष का शिष्य यहां पर किसी का भी समाधान नहीं कर सका है जबकि वह बड़े बड़े लेख लिखने से अपने को महात्मा रूप में व्यक्त करता है गुरु को कभी नहीं। कैसा कलियुग आ गया है।अन्त में राम नाम सत्य है का स्मरण करने का कारण यह है कि जब मनुष्य अंतिम समय में होता है तो बहुत ज्यादा कष्ट में होता क्योंकि वो माया की जाल में जकड़ा रहता है और जैसे ही प्राण त्याग देता है तब जो मनुष्य अपने जीवन काल में जितना गलत करता है उतना उस आत्मा को गुस्सा आती है और इसलिए किसी किसी के मरते वक़्त शरीर कभी डरावना या चेहरा गुस्से में आंख जीभ निकला हुआ रहता है जो सत्य कर्म करते हैं उसका शरीर अंतिम समय एक शांत सा गहरी निद्रा में दिखाई देता है मरने के बाद आत्मा शरीर के पास ही रहती है जिसे कई वैज्ञानिकों ने यन्त्र से देखा है लेकिन वो शरीर में इसलिए नहीं जाती क्योंकि उसे अपने जीवन में किये गए गलत कार्यों से नफरत होता और फिर जब राम नाम सत्य है का उद्घोष होता है तो आत्मा में चेतना होती है अतः वह पुनः भगवान राम की खोज में निकल पड़ता है और जब सभी बुरे कर्मों का कष्ट भोगता है तो धीरे धीरे राम के प्रकाश जो पुरी दुनिया कों रोशनी देता है उसकी ओर चलकर पुनः शरीर कों प्राप्त करता है यदि भटकाव 36 करोड़ योनियों से होकर जाता है जो संत होते हैं वो प्रभु का स्मरण करते करते शरीर त्याग कर समाधि लगा लेते हैं और उसी के आसपास रहते हैं जो हमें किसी ने बताया जब एक समाधि स्थल पर गया कि यहाँ हवन पूजा होती है और बाबा रात में कई कों दिखे हैं और कल्याण करते हैं इसकी सच्चाई मुझे मालूम नहीं है लेकिन एक चीज जो रामायण में सुना है कि अहिल्या जब मुनि के श्राप से पत्थर बन गईं थी बाद में भगवान राम ने उसे पुनः जीवन दिया इससे मैं ऐ समझता हूँ कि पहले जब पत्थर बनी तो चेतना चली गईं और निर्जीव हो गईं ठीक उसी प्रकार मनुष्य मरा और निर्जीव हो गया बाद में जब राम नाम सत्य है का उद्घोष हुआ तो आत्मा पुनः जीवन पाने के लिए भगवान राम की शरण में जाने हेतु संघर्ष से सामना यानि अनेक योनि में भटकाव हुआ और बाद में करुणामई भगवान राम ने पुनः उसे जीवन दिया।

उबलती धरती, डगमगाती थाली, संकट में किसान

डॉ. सत्यवान सौरभ

जलवायु परिवर्तन के इस निर्णायक दौर में चरम गर्मी अब केवल एक मौसमी विचलन नहीं रह गई है; यह एक गहरे संरचनात्मक संकट के रूप में उभर रही है, जो वैश्विक खाद्य प्रणालियों की बुनियाद को हिला रही है। बढ़ते तापमान और तीव्र होती हीटवेव्स ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य आपूर्ति शृंखलाओं को एक ऐसे दबाव में ला खड़ा किया है, जहां हर कड़ी कमजोर पड़ती दिख रही है। वैज्ञानिक और नीति-निमार्ता अब इसे एक ह्लरिस्क मल्टीप्लायरह्व के रूप में पहचान रहे हैं–ऐसा कारक जो न केवल स्वयं नुकसान पहुंचाता है, बल्कि अन्य जोखिमों को भी कई गुना बढ़ा देता है। यदि अब निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो चरम गर्मी आने वाले दशकों में वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा व्यवस्थित खतरा बन जाएगी।

चरम तापमान का सबसे प्रत्यक्ष और स्पष्ट प्रभाव फसलों पर पड़ता है। यह स्थापित तथ्य है कि 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान गेहूं, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के लिए प्रतिकूल होता है। अधिक तापमान पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को बाधित करता है, परागण को प्रभावित करता है और दानों के विकास को अधूरा छोड़ देता है। परिणामस्वरूप उत्पादन में गिरावट आती है, जो कई मामलों में 10 से 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह केवल मात्रा की समस्या नहीं है–गर्मी के कारण अनाज का पोषण स्तर भी घटता है, जिससे खाद्य गुणवत्ता प्रभावित होती है। इस प्रकार, यह संकट उत्पादन और पोषण दोनों को एक साथ चोट पहुंचाता है।

पशुपालन क्षेत्र भी इस तापीय दबाव से अछूता नहीं है। उच्च तापमान के कारण पशुओं में हीट स्ट्रेस बढ़ता है, जिससे उनकी उत्पादकता पर सीधा असर पड़ता है। डेयरी पशुओं में दूध उत्पादन में कमी, मुर्गियों में अंडा उत्पादन का घट जाना और सूअरों में वृद्धि दर का धीमा होना इसके प्रमुख उदाहरण हैं। चरम परिस्थितियों में पशुओं की मृत्यु तक हो सकती है, जिससे किसानों की आय पर गंभीर चोट पड़ती है। मत्स्य पालन में स्थिति और भी जटिल हो जाती है–समुद्री तापीय लहरों के कारण जल में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा घटती है, जिससे मछलियां तनावग्रस्त हो जाती हैं और उनका जीवित रहना कठिन हो जाता है। इस तरह, अत्यधिक गर्मी खाद्य उत्पादन के सभी प्रमुख स्रोतों को एक साथ प्रभावित कर रही है।

लेकिन असली चुनौती तब सामने आती है जब ये प्रभाव एक-दूसरे को बढ़ाने लगते हैं। चरम गर्मी सूखे को जन्म देती है, जिससे जल संसाधनों पर अभूतपूर्व दबाव पड़ता है। सिंचाई के लिए पानी की कमी फसलों की उत्पादकता को और घटा देती है, जबकि पशुओं और मनुष्यों के लिए जल संकट गंभीर रूप ले लेता है। इसके अलावा, उच्च तापमान कीटों और रोगों के प्रसार के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा करता है। टिड्डी दल जैसी घटनाएं अधिक बार और अधिक तीव्रता से देखने को मिल रही हैं, जो कुछ ही दिनों में विशाल फसल क्षेत्र को नष्ट कर सकती हैं। इस प्रकार, तापमान वृद्धि केवल एक अलग-थलग समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसे चक्र का हिस्सा है जो लगातार खुद को मजबूत करता जाता है।

वन क्षेत्रों में भी इसका गहरा प्रभाव दिखाई देता है। बढ़ती गर्मी और सूखे के कारण जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे जैव विविधता को नुकसान पहुंचता है और कार्बन चक्र बाधित होता है। यह एक खतरनाक दुष्चक्र को जन्म देता है–जंगलों की आग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो आगे तापमान वृद्धि को और तेज करता है, और यह वृद्धि फिर नई आग की घटनाओं को जन्म देती है। इस चक्र का प्रभाव अंततः कृषि और खाद्य प्रणालियों पर ही पड़ता है।

चरम गर्मी का एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर अनदेखा पहलू श्रम उत्पादकता पर इसका प्रभाव है। कृषि क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक, विशेषकर विकासशील देशों में, अत्यधिक तापमान के कारण काम करने में असमर्थ हो जाते हैं। जब ह्लगीला बल्ब तापमानह्व एक निश्चित सीमा से ऊपर पहुंच जाता है, तो मानव शरीर के लिए लंबे समय तक काम करना जानलेवा हो सकता है। यह स्थिति एक प्रकार का ह्लहीट-इकोनॉमी ट्रैपह्व पैदा करती है, जहां गर्मी सीधे श्रम, उत्पादन और आय–तीनों को सीमित कर देती है। अनुमान है कि दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में साल के सैकड़ों दिन ऐसे हो सकते हैं, जब श्रमिकों के लिए काम करना संभव नहीं रहेगा। इसका सीधा असर किसानों और मजदूरों की आय पर पड़ता है, जिससे आर्थिक असुरक्षा बढ़ती है।

नफरत की आग कब बुझेगी? अब 'कारपोरेट जिहाद

राम पुनियानी

हाल में महाराष्ट्र का नासिक शहर दो बार अखबारों की सुर्खियों में रहा। पहली बार अशोक खरात के मामले को लेकर, जो एक ढ़ोंगी बाबा था और महिलाओं, खासकर समाज के उच्च वर्ग की महिलाओं, का यौन शोषण करता था। उसने अपनी छवि एक चमत्कारी बाबा की बनाने के लिए कुछ नए तरीके अपनाए। वह लोगों को उनका अतीत, वर्तमान और भविष्य बताकर प्रभावित करता था। वह महिलाओं को ब्रेन वाश कर उन्हें अपना अनुयायी बनाता था और उन्हें अपना सब कुछ उसे समर्पित कर देने के लिए राजी कर अपनी शारीरिक भूख मिटाता था। उसने सांप और अन्य जंगली जानवर पाले हुए थे और वह इन जानवरों से महिलाओं को डराकर कर उन्हें अपनी बात मानने के लिए मजबूर करता था। अंधश्रद्धा के इसी क्रम में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई, धीरेन्द्र शास्त्री, जिन्हें बागेश्वर धाम बाबा के नाम से जाना जाता है, से मिलने गए। यहां यह बताना प्रासंगिक होगा कि गवई यह दावा करते हैं कि वे डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के अनुयायी हैं। अम्बेडकर केवल और केवल तार्किकता में विश्वास रखते थे।

इस मामले को मीडिया ने थोड़ा-बहुत कव्हर किया और बजरंग दल और उसके जैसे अन्य संगठन चुप्पी साधे रहे क्योंकि यह एक हिन्दू बाबा द्वारा हिन्दू महिलाओं के दैहिक शोषण का मामला था मगर चूंकि इसमें कोई मुसलमान शामिल नहीं था।

लेकिन इसके कुछ ही दिनों बाद नफरती तत्वों को इसी नासिक से नफरत की आग भड़काने के लिए पुलिस की एक रिपोर्ट के रूप में भरपूर ईधन मिल गया। इस रपट में एक हिंदू लड़की ने दावा किया था कि एक मुस्लिम कर्मचारी उसका यौन शोषण कर रहा है। इस मुस्लिम कर्मचारी का इस लड़की से अफेयर चल रहा था और लड़की के मुताबिक उस मुस्लिम युवक ने उससे शादी करने का वादा किया था, किंतु बाद में वह मुकर गया। पुलिस को की गई इस शिकायत से पुलिस और हिन्दुत्ववादी तत्वों को सक्रिय होने का अवसर मिल गया और पुलिस की एक गोपनीय कार्यवाही शुरू हुई।

पुलिस की जांच, जिसकी सराहना राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस तक ने की, के अनुसार टाटा कन्सलटेंसी सर्विसिस (टीसीएस) में धर्मपरिवर्तन कराने की एक योजनाबद्ध साजिश को अमल में लाया जा रहा था। कुछ मुस्लिम कर्मचारी (जिनकी संख्या सात थी) हिंदू कर्मचारियों को लालच देकर और डरा धमका कर उनसे नमाज पढ़वाने और उन्हें गौमांस खिलाने का अभियान चला रहे थे। इस मामले से जुड़ी खबरें मीडिया में छाई हुई हैं और एक नया शब्द ह्यकारपोरेट जिहाद गढ़ लिया गया है। इससे आशय यह है कि बड़ी कंपनियों में मुस्लिम कर्मचारी लव जिहाद और धर्मपरिवर्तन में जुटे हुए हैं। टीसीएस ने सभी आरोपी कर्मचारियों को निलंबित कर दिया, और कहा कि कदाचार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। टाटा सन्स के प्रमुख एन. चन्द्रशेखरन ने इन आरोपों को ह्यअत्यंत चिंतानकह्व बताया।

ह्यसिटीजन्स कमेटी, मुंबई (एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्षन ऑफ सिविल राईट्स और पीयूसीएल की संयुक्त समिति), निरंजन टल्के और अन्यों ने इस मामले की जांच-पड़ताल की। जांच पूरी होने के बाद उन्होंने मुंबई में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया। टल्के ने बताया कि पुलिस की जांच में कई गड़बड़ियां और कमियां हैं। पहली, यह कि निदा खान, जो एचआर विभाग की प्रमुख थी, महिला कर्मचारियों को मजबूर करके अपना शिकार बनाती थी। सच यह है कि निदा खान एचआर विभाग की प्रमुख नहीं बल्कि मात्र एक टेलिकालर थी। यह दावा कि इस साजिश पर पिछले चार सालों से अमल किया जा रहा था, बिल्कुल गलत है क्योंकि टीसीएस के नासिक कार्यालय से धर्मपरिवर्तन कर इस्लाम स्वीकार करने का एक भी मामला सामने नहीं आया है। धर्म परिवर्तन की एक घटना जरूर हुई है जिसमें जहाना नाम की एक ईसाई लड़की ने हिंदू धर्म ग्रहण किया है।

समिति ने इस आरोप को खारिज कर दिया कि जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, वे अन्य लोगों को जबरदस्ती गौमांस खिलाते थे। क्या यह मुमकिन है कि थोड़े से कर्मचारी अन्य कर्मचारियों को, जिनकी संख्या उनसे कई गुना अधिक है, को कुछ भी खाने के लिए मजबूर कर सकें। इसके अलावा मुख्य आरोपी दानिश शेख पर दुष्कर्म और उस लड़की से अपनी वैवाहिक स्थिति छिपाने का जो आरोप लगाया गया है, वह भी सच नहीं लगता क्योंकि दानिश की पत्नि और तथाकथित पीड़ित लड़की के बीच व्हाटसएप पर संदेशों का आदान-प्रदान होता रहता था। साथ ही यह लड़की दानिश के साथ मोटरसाईकिल पर नासिक से 27 किलोमीटर दूर पर्यटन स्थल त्रयंबकेश्वर गई थी। यह सवाल किए जाने पर कि मुस्लिम कर्मचारियों की छवि बिगाड़ने की इस योजना का उद्धेश्य क्या है, टल्के ने कहा कि ऐसा लगता है कि इसका उद्धेश्य सभी मुसलमानों के प्रति नफरत बढ़ाना था। पत्रकार वार्ता में मौजूद तीस्ता सीतलवाड, जो मानवाधिकारों एवं संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए अथक प्रयास करती रहती हैं, ने कहा कि ऐसा लगता है कि यह सुनिश्चितत करने का योजनाबद्ध प्रयास किया जा रहा है कि कंपनियां शिक्षित मुस्लिम युवाओं को नौकरी न दें। यह शिक्षित मुसलमानों पर उन्हें बदनाम करने के उद्धेश्य से किया गया हमला है। इस पूरे मामले को साम्प्रदायिक शक्तियों द्वारा इन दो लक्ष्यों की पूर्ति के लिए उठाया गया है।

समिति के सदस्यों ने इस ओर भी ध्यान दिलाया कि मीडिया द्वारा तथ्यों की पुष्टि किए बिना दहशत पैदा करने का यह काम बहुत परेशान करने वाला है। निदा खान, जिसे इस पूरी साजिश का मुख्य पात्र बताया जा रहा है, का कई महीने वाले मुंबई कार्यालय में स्थानांतरण हो चुका था जहां वह अपने परिवार के साथ रह रही थी।

ह्यहिंदू खतरे में हैंह्व की धारणा को एक बार फिर खाद-पानी दिया जा रहा है। धर्मपरिवर्तन और लव जिहाद का प्रोपेगेंडा इसके मुख्य हथियार नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही इसका उद्धेश्य टीसीएस जैसी कंपनियों में मुसलमानों को रोजगार मिलने की संभावना को कम करना भी है। यौन उत्पीड़न की घटनाओं के संबंध में अशोक खरात के मामले को दबाने और दानिश के मामले को बढ़ा-चढ़ाकर, झूठ का सहारा लेकर, उछालने का मीडिया का यह रवैया अत्यंत निंदनीय है।

हम यहां से किस तरफ जाएंगे? साम्प्रदायिक शक्तियों द्वारा गढ़ा गया आख्यान कुछ ही घंटों में समाज को जकड़ लेता है जबकि पूरी सच्चाई सामने आने में कई दिन या हफ्ते लग जाते हैं। साम्प्रदायिक शक्तियों द्वारा स्थापित किया गया तंत्र, मीडिया की मदद और जांच एजेन्सियों का पक्षपातपूर्ण रवैया एक खतरनाक मिश्रण है जो नफरत बढ़ाता है और अल्पसंख्यक समुदाय को हाशिए की ओर धकेल देता है।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका के चेम्मनी में सामूहिक कब्र की खुदाई फिर शुरू

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के जाफना के पास स्थित चेम्मनी क्षेत्र में एक सामूहिक कब्र की खुदाई का काम फिर से शुरू करने का आदेश दिया गया है। यह वही स्थान है जो 1990 के दशक में लिट्टे संघर्ष के दौरान बड़े पैमाने पर दफनाने की घटनाओं के कारण सुर्खियों में आया था।स्थानीय अदालत ने सात महीने के अंतराल के बाद इस खुदाई कार्य को दोबारा शुरू करने की अनुमति दी है। यह कार्य पिछले साल सितंबर में रोक दिया गया था, जब न्याय मंत्रालय की ओर से फंड की नई व्यवस्था लंबित थी। जाफना मजिस्ट्रेट कोर्ट को मंगलवार को बताया गया कि खुदाई कार्य के लिए लगभग 2.1 मिलियन श्रीलंकाई रुपये की राशि जारी कर दी गई है, जिसके बाद काम दोबारा शुरू किया जाएगा। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने यूरोपीय संघ सहित फ्रांस, जर्मनी, इटली और रोमानिया के राजनयिकों को खुदाई स्थल पर निरीक्षण के लिए मौजूद रहने की अनुमति दी है। खुदाई के दूसरे चरण को पहले 45 दिनों बाद रोका गया था, जिसमें अब तक 240 मानव कंकाल बरामद किए जा चुके हैं। इसके अलावा 14 हड्डियों के ढेर और कई वस्तुएं भी मिली हैं, जिनमें शिशु बोतलें, गुड़िया, खिलौने, बच्चों के बैग और जूते शामिल हैं। 13 फरवरी 2025 को चेम्मनी में विकास कार्य के दौरान फिर से मानव अवशेष मिलने के बाद मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया था। इसके बाद अदालत ने इनके न्यायिक परीक्षण का आदेश दिया था। 14 अगस्त को जाफना के न्यायिक चिकित्सा अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर खुदाई कार्य को और आठ सप्ताह तक जारी रखने की सिफारिश की गई थी। चेम्मनी क्षेत्र पहली बार 1998 में चर्चा में आया था, जब रक्षाअश्व और सरकारी सेना के बीच संघर्ष के दौरान यहां सामूहिक कब्र का दावा किया गया था। उस समय लगभग 15 कंकाल बरामद हुए थे, जिससे यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आ गया था।

एफबीआई के पूर्व प्रमुख के खिलाफ चलेगा मुकदमा, राष्ट्रपति ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के पूर्व निदेशक जेम्स कोमी के खिलाफ मुकदमा चलेगा। कोमी पर आरोप है कि उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की धमकी दी। अमेरिका के कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांच ने मंगलवार को बताया कि संघीय ग्रांड ज्यूरी ने जेम्स कोमी पर दो मामलों में मुकदमा चलाने का फैसला किया है, जो अमेरिका के राष्ट्रपति को जान से मारने की धमकी देने से जुड़े हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान टॉड ब्लांच ने कहा कि न्याय विभाग इस मामले में कोई नरमी नहीं बरतेगा। आरोप है कि जेम्स कोमी ने 15 मई, 2025 को कथित तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने और उन्हें शारीरिक नुकसान पहुंचाने की धमकी दी थी। इस मामले में उत्तरी कैरोलिना के पूर्वी जिले में मुकदमा दायर हुआ है। दूसरे मामले में कोमी ने टेलीफोन संचार या डिजिटल माध्यम से राष्ट्रपति को जान से मारने की धमकी वाला संदेश भेजा था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में टॉड ब्लांच ने कहा कि न्याय विभाग कभी भी राष्ट्रपति को धमकी देने की बात को बर्दाश्त नहीं करेगा। इन दोनों मुकदमों में अगर जेम्स कोमी को दोषी पाया जाता है तो उन्हें 10-10 साल की सजा हो सकती है। जेम्स कोमी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। हालांकि अभी ये साफ नहीं है कि उन्हें हिरासत में लिया जाएगा या वे खुद आत्मसमर्पण करेंगे। वहीं जेम्स कोमी ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है।

पूर्व राष्ट्रपति येओल की पत्नी को चार साल की कैद, भ्रष्टाचार के मामले में ठहराई गई दोषी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने देश के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल की पत्नी किम किओन ही को भ्रष्टाचार के एक और मामले में चार साल की सजा सुनाई है। दो महीने पहले उनके पति को देश में जबरन मार्शल लॉ लगाने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। जनवरी में एक जिला अदालत ने पूर्व प्रथम महिला किम को 20 महीने की सजा सुनाई थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने राजनीतिक लाभ देने के वादे के बदले यूनिफिकेशन चर्च से उपहार लिए थे। इन उपहारों में एक ग्राफ कंपनी का हीरे का हार और एक चैनल बैग शामिल था। हालांकि, उसी समय उन्हें एक शेयर कीमत में हेरफेर के मामले में बरी कर दिया गया था, जो मामला उनके प्रथम महिला बनने से पहले का था। बाद में दोनों पक्षों ने इस फैसले के खिलाफ अपील की। मंगलवार को सियोल हाईकोर्ट ने उनकी सजा बढ़ाकर चार साल कर दी। अदालत ने उन्हें यूनिफिकेशन चर्च से एक और चैनल बैग (कीमती हैंडबैग) लेने और शेयरों की कीमत में हेरफेर के मामले में भी दोषी पाया। दंपती की स्थिति उस समय बदली, जब दिसंबर 2024 में यून ने मार्शल लॉ लगाया, जिसके कारण उनके खिलाफ महाभियोग शुरू हुआ और उन्हें पद से हटा दिया गया। इसके बाद उन पर कई आपराधिक मामले चले। जांचकर्ताओं का कहना है कि किम का मार्शल लॉ लागू करने से कोई संबंध नहीं था।

ईरान का नया शांति प्रस्ताव, ट्रंप पर 1 मई के बाद युद्ध जारी रखने को लेकर बढ़ा सियासी संकट

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा स्थिति को वह सामान्य नहीं मानता और उसके लिए हालात अब भी युद्ध जैसे ही बने हुए हैं। प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सेना के प्रवक्ता ने कहा कि संघर्ष पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। प्रवक्ता ने बताया कि देश की सेना और सुरक्षा एजेंसियां लगातार निगरानी और सर्विलांस में जुटी हैं, ताकि हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा सके और किसी भी संभावित खतरे का तुरंत जवाब दिया जा सके। ईरान ने अपने विरोधियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर कोई नई कार्रवाई की जाती है, तो उसका जवाब नए हथियारों, नई रणनीतियों और अलग-अलग मोर्चों पर दिया जाएगा। अमेरिका में 'वॉर पावर्स रेजोल्यूशन 1973' नाम का एक कानून लागू है, जिसके अनुसार अगर राष्ट्रपति बिना कांग्रेस की मंजूरी के सैन्य कार्रवाई करते हैं, तो उन्हें 60 दिनों के भीतर संसद से अनुमति लेना अनिवार्य होता है। रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य कार्रवाई की थी, लेकिन इसकी आधिकारिक जानकारी संसद को 2 मार्च को दी गई। इस स्थिति में ट्रंप प्रशासन के पास 1 मई तक कांग्रेस की मंजूरी लेने का समय है। यदि ऐसा नहीं होता, तो कानून के अनुसार सैन्य कार्रवाई रोकनी पड़ सकती है। कांग्रेस की मंजूरी के लिए हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट दोनों में साधारण बहुमत की जरूरत होती है, लेकिन अभी तक यह समर्थन नहीं मिल सका है। बताया जा रहा है कि कम से कम 10 रिपब्लिकन सांसद भी इस कार्रवाई के विरोध में हैं। हालांकि नियम यह कहता है कि मंजूरी न मिलने पर सैन्य कार्रवाई समाप्त होनी चाहिए, लेकिन व्यवहार में ऐसा हमेशा नहीं होता। अतीत में कई अमेरिकी राष्ट्रपति इस कानून की व्याख्या अपने तरीके से करते रहे हैं और इसे लेकर कानूनी बहस भी होती रही है।

ईरान की नई शांति पहल : ईरान आने वाले कुछ दिनों में पाकिस्तान में मौजूद मध्यस्थों के जरिए युद्ध समाप्त करने के लिए एक नया प्रस्ताव पेश करने की तैयारी कर रहा है। सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि पूर्व में दिया गया प्रस्ताव डोनाल्ड ट्रंप ने स्वीकार नहीं किया था।

अमेरिकी सेना ने समुद्र में संदिग्ध जहाज को रोका : अमेरिकी सेना ने ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी के दौरान एक और व्यापारिक जहाज ब्लू स्टार III की तलाशी ली। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि मरीन सैनिकों ने हेलीकॉप्टर से रस्सी के सहारे जहाज पर उतरकर जांच की। जब यह पुष्टि हो गई कि जहाज ईरान के किसी भी बंदरगाह पर नहीं जा रहा है, तो उसे आगे बढ़ने की अनुमति दे दी गई। ट्रंप प्रशासन ने दो हफ्ते पहले ईरान की समुद्री नाकेबंदी शुरू की थी। तब से अब तक अमेरिकी सेना ने कम से कम चार व्यापारिक जहाजों की तलाशी ली है। यह पहला मौका है जब किसी जहाज को हिरासत में लेने के बजाय छोड़ दिया गया। अमेरिका ने यह नाकेबंदी ईरान पर दबाव बनाने के लिए की है।

ईरानी अधिकारी ने ईरान के खिलाफ ट्रंप की धमकियों की निंदा की : भारत में ईरान के सर्वोच्च नेता के उप प्रतिनिधि डॉ मोहम्मद हुसैन जियाईनिया ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों का कड़ा विरोध किया है। ट्रंप ने शांति समझौता न होने पर ईरान के बुनियादी ढांचे को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। जियाईनिया ने कहा कि ट्रंप खुलेआम अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहे हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र और अन्य संगठन इस पर चुप हैं। दक्षिणी लेबनान पर इस्राइली हवाई हमले में दो की मौत, 13 घायल दक्षिण लेबनान के जेबचित शहर पर इस्राइल ने हवाई हमला किया है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई। आधिकारिक नेशनल न्यूज एजेंसी ने जानकारी दी कि नबातियेह जिले में हुए इस हमले में 13 अन्य लोग घायल हुए हैं। मंगलवार को लेबनान में हुए अलग-अलग इस्राइली हमलों में कुल मिलाकर कम से कम 11 लोग मारे गए और 30 घायल हुए। इन पीड़ितों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

श्रीलंका चेम्मनी में सामूहिक कब्र की खुदाई फिर शुरू, एबीसी लाइसेंस पर एफसीसी का फैसला- समीक्षा का आदेश जारी

कंपाला, एजेंसी। युगांडा के अधिकारियों ने अवैध प्रवासन और मानव तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारतीयों सहित 231 विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने बताया कि यह अभियान सोमवार से शुरू हुआ। इसमें उत्तरी युगांडा में रह रहे नाइजीरियाई नागरिकों और राजधानी कंपाला के एक बंद परिसर में रह रहे विदेशियों को निशाना बनाया गया। कंपाला के जिस परिसर में छापेमारी हुई, वहां 169 लोग मिले, जिनमें 36 महिलाएं थीं। इस समूह में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, घाना, म्यांमार, इथियोपिया, श्रीलंका, कंबोडिया और मलेशिया के नागरिक शामिल हैं। यह परिसर पूरी तरह से प्रतिबंधित था और इसमें अपनी खुद की रेस्टोरेंट जैसी सुविधाएं थीं, ताकि लोगों की आवाजाही को सीमित रखा जा सके। जांच में पता चला कि कई लोगों के पास पासपोर्ट नहीं थे। कुछ ने दावा किया कि उन्हें नौकरी का झांसा देकर युगांडा लाया गया था, जबकि कुछ लोग साइबर ठगी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाए गए। मंत्रालय के प्रवक्ता साइमन पीटर मुंडेयी ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। जिनमें- तस्करी के शिकार लोग, तस्करी करने वाले मुख्य आरोपी और वे लोग जो बिना वीजा के रह रहे थे। कानून तोड़ने वालों पर मुकदमा चलाया जाएगा। तस्करी के शिकार और वीजा अवधि खत्म होने वाले लोगों को टिकट खरीदकर देश छोड़ने में मदद की जाएगी। वहीं, तस्करी के सरगनाओं को सजा और निर्वासन का सामना करना पड़ सकता है। फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन (एफसीसी) ने अमेरिकी ब्रॉडकास्टिंग कंपनी (एबीसी) के स्थानीय टीवी स्टेशनों के ब्रॉडकास्ट लाइसेंस की समय से पहले समीक्षा करने का आदेश जारी किया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप ने कॉमेडियन जिमी किमेल को लेकर सख्त टिप्पणी की थी। एफसीसी का यह निर्णय असामान्य और सख्त माना जा रहा है, क्योंकि आमतौर पर ब्रॉडकास्ट लाइसेंस की समीक्षा तय समय पर ही की जाती है। आदेश के अनुसार एबीसी और उसके सभी लाइसेंस प्राप्त टीवी स्टेशनों को 28 मई 2026 तक अपने लाइसेंस नवीनीकरण के लिए आवेदन करना होगा। यह समीक्षा नेटवर्क के आठ चैनलों से जुड़ी है और एक चल रही जांच का हिस्सा बताई जा रही है, जिसमें एबीसी की विविधता से जुड़ी नीतियों की भी जांच हो रही है। हालांकि, यह कदम उस विवाद के ठीक बाद आया है, जिसमें जिमी किमेल के एक बयान को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली।

होर्मुज में समुद्री रास्ता खुलवाना चाहता है भारत; संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जताई चिंता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच, भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवागमन को जल्द से जल्द बहाल करने का आग्रह किया है। भारत ने अपने नाविकों की सुरक्षा पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि किसी भी महत्वपूर्ण जलमार्ग को बंद करने के कथित प्रयासों के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर सीधे परिणाम होते हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 'समुद्री क्षेत्र में जलमार्गों की सुरक्षा और संरक्षण' पर एक खुली बहस को संबोधित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रभारी राजदूत, योजना पटेल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत समुद्री सुरक्षा और जलमार्गों के संरक्षण को वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक समृद्धि के लिए आवश्यक मानता है। भारत ने दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से नौवहन की स्वतंत्रता और वैश्विक वाणिज्य का पूरी तरह से सम्मान किया जाना चाहिए और जल्द से जल्द सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवागमन बहाल किया जाना चाहिए। बता दें कि, भारत दुनिया के शीर्ष तीन नाविक-आपूर्ति करने वाले देशों में से एक है, जो वैश्विक समुद्री कार्यबल का लगभग 13 प्रतिशत योगदान देता है। इसलिए, भारत अपने नाविकों की सुरक्षा और कल्याण को लेकर गहराई से चिंतित है। राजदूत पटेल ने कहा, 'किसी भी महत्वपूर्ण जलमार्ग में व्यवधान, बाधा या कथित बंद होने के वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और मानवीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर सीधे परिणाम होते हैं।' पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच, विदेश मंत्रालय ने पिछले महीने कहा था कि क्षेत्र में 'कई घटनाओं' में आठ भारतीय नागरिकों की जान चली गई है, जबकि एक अभी भी लापता है। भारत ने इस बात पर जोर दिया कि तत्काल हल की जाने वाली मुख्य चिंताएं नौवहन की सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखलाओं की निरंतरता (विशेष रूप से मानवीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर जोर के साथ), समुद्री जागरूकता में वृद्धि और नाविकों के लिए संचार की सुविधा प्रदान करना है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि विश्व के जलमार्गों की सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की परीक्षा बन गई है।

ऑस्ट्रेलिया का बड़ा कदमः मेटा-गूगल और टिकटॉक पर टैक्स का लगाने का प्रस्ताव, पत्रकारों को मिलेगा भुगतान

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने डिजिटल दिग्गज कंपनियों मेटा, गूगल और टिकटॉक पर टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा है, ताकि पत्रकारों और समाचार संस्थानों को आर्थिक सहयोग दिया जा सके। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि पत्रकारों के काम की एक आर्थिक कीमत तय करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां पत्रकारों की बनाई सामग्री का इस्तेमाल कर मुनाफा कमाएं और उन्हें उचित भुगतान न मिले। हम मानते हैं कि पत्रकारिता में निवेश एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है।

ऑस्ट्रेलिया का ऐसा दूसरा प्रयास : यह ऑस्ट्रेलिया का दूसरा प्रयास है, जिसके तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को समाचार सामग्री टेक्स्ट और इमेज के लिए भुगतान करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इससे पहले 2021 में लागू किए गए समाचार मीडिया सौदेबाजी संहिता के जरिए भी कंपनियों पर दबाव बनाया गया था। उस समय प्लेटफॉर्म्स ने मध्यस्थता से बचने के लिए समाचार संस्थानों के साथ व्यावसायिक समझौते किए थे, ताकि कोई जज उनकी कीमत तय न करे। लेकिन बाद में इन कंपनियों ने उन समझौतों को नवीनीकृत करने से बचने के लिए अपने प्लेटफॉर्म्स से समाचार सामग्री हटाना शुरू कर दिया।

क्या है समाचार सौदेबाजी प्रोत्साहन : अब सरकार 'समाचार सौदेबाजी प्रोत्साहन' नाम से नया प्रावधान ला रही है। इसके तहत जो बड़ी डिजिटल कंपनियां समाचार संस्थानों के साथ समझौता नहीं करेंगी, उन पर ऑस्ट्रेलिया में होने वाली उनकी कुल कमाई का 2.25% टैक्स लगाया जाएगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर कंपनियां पत्रकारिता के लिए भुगतान करने पर सहमत होती हैं, तो उन्हें टैक्स में छूट दी जाएगी, जिससे उनका कुल आर्थिक बोझ कम हो जाएगा। सरकार का अनुमान है कि इस योजना के जरिए हर साल 200 से 250 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 144 से 179 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की राशि जुटाई जा सकती है। यह वही स्तर है, जितना भुगतान प्लेटफॉर्म्स ने उस समय किया था जब समाचार मीडिया सौदेबाजी संहिता अपने चरम पर था। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने बताया कि इस राशि को समाचार संगठनों के बीच उनके यहां काम करने वाले पत्रकारों की संख्या के आधार पर वितरित किया जाएगा। यह टैक्स मेटा प्लेटफॉर्म, गूगल और टिकटॉक पर लागू होगा। इस प्रस्ताव का इन कंपनियों ने कड़ा विरोध किया है। मेटा ने कहा कि समाचार संस्थान अपनी इच्छा से उनके प्लेटफॉर्म पर सामग्री साझा करते हैं क्योंकि उन्हें इससे फायदा होता है। कंपनी ने बयान में कहा कि यह कहना गलत है कि हम उनकी खबरें ले लेते हैं। यह प्रस्ताव वास्तव में एक डिजिटल सर्विस टैक्स है, जो बदलते विज्ञापन उद्योग को सही तरह नहीं समझता और टिकाऊ समाचार क्षेत्र बनाने में विफल रहेगा।

बिश्केक में रक्षा मंत्री ने की चीनी समकक्ष से मुलाकात, एलएसी पर शांति-पश्चिम एशिया संकट पर हुई चर्चा

बिश्केक, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन के दौरान अपने चीनी समकक्ष एडमिरल डोंग जुन से मुलाकात की। इस महत्वपूर्ण बैठक में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के साथ-साथ पश्चिम एशिया के संकट जैसे क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात को खुशी जताई। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य पर अपने विचार साझा किए। जून 2020 में गलवान घाटी में हुए संघर्ष के बाद भारत और चीन के रिश्तों में काफी तनाव आ गया था, जिसे अब सुधारने की कोशिश की जा रही है। दोनों देशों ने राजनयिक और सैन्य बातचीत के बाद पूर्वी लद्दाख में कई विवादित जगहों से अपनी सेनाएं पीछे हटाई हैं। अक्टूबर 2024 में डेपसांग और डेमचोक जैसे आखिरी दो विवादित बिंदुओं पर भी सैनिकों को हटाने का समझौता हुआ था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कजान में मुलाकात कर रिश्तों को बेहतर बनाने के फैसले लिए थे। पिछले साल अगस्त में पीएम मोदी ने तियानजिन में भी शी जिनपिंग से बात की थी और आपसी विश्वास व सम्मान पर जोर दिया था।

राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री के साथ भी की मुलाकात : इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव से भी मुलाकात की। दोनों के बीच स-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की सप्लाई सहित कई रक्षा परियोजनाओं पर बात हुई। भारत ने 2018 में रूस के साथ 5 अरब डॉलर का समझौता किया था। इसमें से तीन मिसाइल सिस्टम भारत को मिल चुके हैं। चौथी यूनिट अगले कुछ दिनों में और पांचवीं नवंबर तक मिलने की उम्मीद है। पिछले महीने ही भारत ने रूस से पांच और स-400 सिस्टम खरीदने को मंजूरी दी है, जिससे इनकी कुल संख्या 10 हो जाएगी। इसके अलावा, राजनाथ सिंह ने बेलारूस के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल विक्टर खेनिन से भी मुलाकात की। उन्होंने रक्षा सहयोग को मजबूत करने और ट्रेनिंग जैसे क्षेत्रों में साझेदारी पर चर्चा की। राजनाथ सिंह ने किर्गिस्तान और कजाकिस्तान के रक्षा मंत्रियों के साथ भी अलग-अलग बैठकें कीं। किर्गिस्तान के रक्षा मंत्री मेजर जनरल मुकाम्बेटोव रुस्लान मुस्तफेविच के साथ बातचीत में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर विचार किया गया। राजनाथ सिंह सोमवार को बिश्केक पहुंचे थे।

'हम न होते तो आप फ्रेंच बोल रहे होते': ट्रंप के बड़बोलेपन पर किंग चार्ल्स का मजेदार तंज, इतिहास की दिला दी याद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका दौरे पर पहुंचे ब्रिटेन के किंग चार्ल्स-III ने व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान ऐसा मजेदार तंज कसा कि माहौल हल्का-फुल्का हो गया, लेकिन संदेश गहरा था। बात इतिहास और भाषा से जुड़ी थी और निशाने पर थे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। पूरी बात को ऐसे समझिए कि दरअसल, ट्रंप ने उनके साथ बातचीत के दौरान कहा था कि अगर अमेरिका न होता तो यूरोप के कई देश आज जर्मन भाषा बोल रहे होते। ट्रंप का इशारा यूरोप और जर्मनी के उस युद्ध की ओर था, जहां संभवतः जर्मनी का यूरोप के देशों पर कब्जा होता और ये देश खासकर ब्रिटेन भी हिटलर की बोली बोलने लगता। देखा जाए तो ये कोई नई बात नहीं है कि ट्रंप ने अपने घर में बुलाकर किसी दूसरे देश के मेहमान के साथ अपना बड़बोलापन दिखाया हो। लेकिन इस बार उनकी ये चाल शायद उनपर भारी पड़ गई, क्योंकि ट्रंप के अंदाज में ही किंग चार्ल्स ने ऐसा जवाब दिया, जो खूब चर्चा में रहा और लोगों ने इसपर जमकर ठहाके भी लगाए।

आप फ्रेंच बोल रहे होते- किंग चार्ल्स : शुरुआत कुछ ऐसे हुई जब ट्रंप ने ये तंज कसा तो इसी बयान को पकड़ते हुए किंग चार्ल्स ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मिस्टर प्रेसिडेंट, आपने कहा कि अगर अमेरिका न होता तो यूरोप जर्मन बोल रहा होता। मैं यह कहना चाहूंगा कि अगर हम (ब्रिटेन) न होते, तो आप फ्रेंच बोल रहे होते। किंग चार्ल्स का यह जवाब सुनकर वहां मौजूद लोग हंस पड़े। यह टिप्पणी इतिहास की उस पृष्ठभूमि की ओर इशारा करती है, जब यूरोप में अलग-अलग ताकतों का प्रभाव था और भाषाओं पर भी उसका असर पड़ता था।

अब समझिए क्या कहता है इतिहास: गौरतलब है कि अमेरिका और यूरोप की ताकत को लेकर दिए गए बयानों के बीच असली इतिहास क्या कहता है, इसे समझना जरूरी है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अगर अमेरिका न होता तो यूरोप के कई देश जर्मन भाषा बोल रहे होते, जिसका इशारा दूसरे विश्व युद्ध की तरफ माना जा रहा है। वहीं ब्रिटेन के किंग किंग चार्ल्स III ने जवाब में इतिहास का दूसरा पहलू सामने रखा। किंग चार्ल्स का इशारा उस दौर की ओर था जब 1776 में अमेरिका ने ब्रिटेन से आजादी की घोषणा की थी, लेकिन यह जीत अकेले संभव नहीं थी। उस समय फ्रांस ने अमेरिका को अहम सैन्य मदद दी थी, जिसके बिना अमेरिका की आजादी मुश्किल मानी जाती है। इतना ही नहीं, अमेरिका बनने से पहले वहां के कई हिस्सों पर फ्रांस का कब्जा था और उसे न्यू फ्रांस कहा जाता था। हालांकि इसके बाद भी ब्रिटेन और अमेरिका के बीच तनाव खत्म नहीं हुआ और 1812 में दोनों के बीच युद्ध हुआ, जिसे वॉर ऑफ 1812 कहा जाता है। इसी युद्ध के दौरान ब्रिटिश सेना ने वॉशिंगटन डीसी पर कब्जा कर लिया और 1814 में व्हाइट हाउस को आग के हवाले कर दिया था।

गृह विभाग की फंडिंग खत्म होने की कगार पर, टीएसए कर्मचारियों के वेतन पर भी खतरा; हवाई सुरक्षा पर असर की आशंका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक बार फिर सरकारी फंडिंग को लेकर बड़ा संकट खड़ा होता नजर आ रहा है। व्हाइट हाउस ने कांग्रेस को चेतावनी दी है कि डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी और उससे जुड़े अहम विभागों के पास कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए फंड जल्द ही खत्म हो सकता है। इससे देश की हवाई सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। प्रबंधन और बजट कार्यालय ने सांसदों को एक मेमो भेजकर बताया है कि परिवहन सुरक्षा प्रशासन और अन्य कर्मचारियों की सैलरी के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कार्यकारी आदेश से दिया गया पैसा मई तक खत्म हो जाएगा। इससे एयरपोर्ट संचालन और राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। सरकार का कहना है कि अगर जल्द ही बजट पारित नहीं किया गया तो सुरक्षा कर्मियों के वेतन और संचालन दोनों पर संकट गहरा जाएगा। मेमो में कहा गया है कि प्रतिनिधि सभा को सीनेट द्वारा पिछले हफ्ते पास किए गए बजट प्रस्ताव को जल्द मंजूरी देनी चाहिए, ताकि विभाग को पूरा फंड मिल सके। मेमो के अनुसार होमलैंड सिक्योरिटी विभाग जल्द ही जरूरी फंड से खत्म हो जाएगा, जिससे जरूरी कर्मचारियों और कामकाज पर खतरा पैदा हो सकता है।

बजट पर राजनीतिक गतिरोध जारी : अमेरिकी संसद में बजट को लेकर राजनीतिक खींचतान लगातार जारी है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स के बीच सहमति न बनने के कारण कई महत्वपूर्ण विभागों की फंडिंग अटक गई है। इस बीच, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में भी आंतरिक विवाद के चलते बजट प्रक्रिया धीमी पड़ गई है, जिससे पूरा सिस्टम लगभग ठप जैसा हो गया है।

स्पीकर माइक जॉनसन पर बढ़ा दबाव : ट्रंप प्रशासन का यह दबाव हाउस स्पीकर माइक जॉनसन के लिए मददगार साबित हो सकता है। उनकी रिपब्लिकन पार्टी के पास बहुत कम बहुमत है और पार्टी के अंदर कई मुद्दों पर मतभेद चल रहे हैं, जिनमें होमलैंड सिक्योरिटी की फंडिंग भी शामिल है। इसी वजह से सदन का कामकाज लगभग ठप पड़ा हुआ है। अब उम्मीद है कि प्रतिनिधि सभा बुधवार को सीनेट द्वारा पास किए गए बजट प्रस्ताव पर वोट करेगी। यह प्रस्ताव एक ऐसी प्रक्रिया शुरू करेगा जिससे विभाग को पूरी फंडिंग मिल सकेगी। प्रशासन ने रिपब्लिकन सांसदों को चेतावनी दी है कि अगर वे इस प्रस्ताव में बदलाव करते हैं तो बिल पास होने में देरी हो सकती है। मेमो में यह भी कहा गया है कि ष्ठ॥स्के लिए फंडिंग बहाल करना अब पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है। इसका कारण हाल की एक घटना है, जब बंदूक और चाकू लेकर एक व्यक्ति व्हाइट हाउस संवाददाता डिनर में घुसने की कोशिश कर रहा था, जहां राष्ट्रपति ट्रंप, उपराष्ट्रपति और कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

होमलैंड सिक्योरिटी शटडाउन: अब तक का सबसे लंबा : होमलैंड सिक्योरिटी दो महीने से अधिक समय से नियमित धन के बिना काम कर रहा है। यह स्थिति तब उत्पन्न हुई जब डेमोक्रेट्स ने ट्रंप की निर्वासन एजेंडे के विरोध में मारे गए अमेरिकियों की मौतों के बाद इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट और बॉर्डर पेट्रोल को धन देने से इनकार कर दिया। हालांकि आप्रवासन प्रवर्तन कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर नए धन के माध्यम से भुगतान किया गया है - कुछ 170 बिलियन अमरीकी डालर - जिसे कांग्रेस ने पिछले साल ट्रंप के कर कटौती विधेयक के हिस्से के रूप में अनुमोदित किया था, अन्य, जिसमें ञ्ज भी शामिल है, को अपने वेतन सुनिश्चित करने के लिए ट्रंप के हस्तक्षेप पर निर्भर रहना पड़ा है। लेकिन हर दो सप्ताह में 1.6 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक के वेतन के साथ, डीएचएस सचिव मार्कवेन मल्लिन ने हाल ही में कहा है कि ये धन सूख रहे हैं।

लुटियंस दिल्ली हिट एंड रनः तीन दिन बाद भी फरार ट्रक चालक

नई दिल्ली, एजेंसी। लुटियंस दिल्ली में 27 अप्रैल को चचेरे भाईयों को अशोक रोड पर टक्कर मारकर फरार (हिट एंड रन) हुआ ट्रक चालक अभी तक पुलिस की पकड़ से दूर है। घटना के तीन दिन बीतने के बाद भी पुलिस फरार चालक तक नहीं पहुंच पाई। जबकि स्मार्ट सिटी के तहत नई दिल्ली में प्रमुख मार्ग सीसीटीवी से युक्त है। इतना ही नहीं जहां दुर्घटना हुई उससे पुलिस मुख्यालय भी चंद कदमों की दूरी पर है। बावजूद इसके मालवाहक ट्रक का लुटियंस दिल्ली में घूमना और घटना के बाद फरार रहना पुलिस जांच पर कई सवाल खड़े करता है। घटना के तीन दिन होने के बाद पुलिस यह तक बता नहीं पा रही है कि संवेदनशील और बेहद सुरक्षित इलाके में आखिर मालवाहक वाहन कैसे घूम रहा था। अगर, वह टक्कर मारने के बाद भी पूर्वी दिल्ली पहुंच जाता है तो इस दौरान कोई चेकिंग क्यों नहीं हुई। सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि जब दिल्ली में सुबह सात बजे से रात 11 बजे तक प्रतिबंधित हैं तो 10.30 रात के ही यह ट्रक नो एंट्री खुलने से पहले ही कैसे सड़कों पर दौड़ने लगा। जबकि लुटियंस दिल्ली में शर्तों के साथ ही भारी वाहनों की आवाजाही का नियम है। उल्लेखनीय है कि 27 अप्रैल को आइपीएल मैच देखकर बुलट पर दो चचेरे भाई घर लौट रहे थे। तब ही अशोक रोड पर महादेव रोड टी प्वाइंट पर पीछे से आ रहे मलबे से लदे ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवारों का सिर बुरी तरह कुचल गया। जिसकी वजह से अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक फरार ट्रक चालक पहली बार ही लुटियंस दिल्ली में नो एंट्री में प्रवेश नहीं किया था। उससे पहले पांच बार उसका चालान नो एंट्री को लेकर कट चुका है लेकिन उसने चालान की रकम जमा नहीं की थी।

असली कोर्ट, नकली आदेश... मिजोरम में रिहा हुए 16 अपराधी, जेल प्रशासन में हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी। मिजोरम के लुंगलेई स्थित जिला जेल से फर्जी कागज का इस्तेमाल कर 16 दोषियों के भागने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, पिछले 4 महीनों के दौरान इन 16 दोषियों ने कोर्ट के जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी से रिहा हो गए। मीडिया रिपोर्ट की माने तो यह धोखाधड़ी जनवरी में शुरू हुई थी और पिछले हफ्ते तक किसी को इसका पता तक नहीं था। वहीं, जब कोर्ट अधिकारियों को कुछ रिहाइयों को मंजूरी देने वाले रिकॉर्ड नहीं मिले, तब इसका खुलासा हो सका। इसके बाद 25 अप्रैल को एक शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने बताया कि 13 दोषियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, और दो अभी भी फरार हैं। वहीं, एक दोषी की रिहाई के बाद मौत हो गई। इस मामले में जेल के अंदर और बाहर के लोगों की मिलीभगत से एक बड़ी साजिश होने का संदेह है। जेल अधिकारियों ने बताया कि, नकली आदेशों पर जाली मुहरें लगी थी और वे कोर्ट के निर्देशों से काफी मिलते-जुलते थे, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया था। शुरुआती जांच के नतीजों से पता

नोएडा के इतिहास में पहली बार, बड़े अस्पताल भी हुए शामिल

श्रमिकों के लिए 201 जगहों पर मुफ्त मेडिकल कैंप

नोएडा, एजेंसी। गौतमबुद्ध नगर की स्थापना को 29 वर्ष होने जा रहे हैं। यहां 30 हजार उद्योगों में 12 लाख से अधिक श्रमिक काम कर रहे हैं। कभी किसी ने इनके लिए इतना बड़ा कार्य नहीं किया। योगी आदित्यनाथ सरकार शुक्रवार को श्रमिक दिवस के मौके पर शहर में 201 स्थानों पर मेगा स्वास्थ्य शिविर लगाएगी। इसमें शहर के सभी अस्पतालों के डाक्टर श्रमिकों और उनके सभी स्वजन के स्वास्थ्य की निश्शुल्क जांच कर परामर्श और दवाईयां देंगे। यमुना और हरनंदी के बीच पांच मई 1997 को गौतमबुद्ध नगर की स्थापना हुई थी। यूपी का शो विंडो कहे जाने वाले इस शहर में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 12 लाख से अधिक श्रमिक उद्योगों में काम करते हैं। पिछले दिनों वेतन वृद्धि की मांग को लेकर श्रमिक उग्र हो गए थे। कई उद्योगों में तोड़फोड़ भी की थी। योगी सरकार ने स्थिति को संभालते हुए न केवल 21 प्रतिशत वेतन वृद्धि की, बल्कि श्रमिकों को यह एहसास भी कराने का प्रयास किया जा रहा है कि सरकार उनके प्रति संवेदनशील है। चूंकि, यहां प्रदेश के सभी जिलों से लोग आकर काम करते हैं तो यहां से समूचे राज्य में भी यह संदेश

जाएगा कि सरकार को श्रमिकों के हितों के लिए चिंतित है और जरूरी कदम उठा रही है।

शासन की मंशा नोएडा के श्रमिकों के वेतन में 21 प्रतिशत की वृद्धि और तमाम योजनाओं का लाभ देकर प्रदेश के लाखों श्रमिकों को एक सूत्र में पिरोकर रखने का प्रयास है। प्रशासन ने श्रमिक दिवस के भव्य आयोजन में डेढ़ हजार से ज्यादा लोगों को जिम्मेदारी सौंपी है। जिला प्रशासन के साथ स्वास्थ्य, श्रम व शिक्षा विभाग इसमें भूमिका निभा रहा है।

श्रमिकों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक स्वास्थ्य जांच शिविर लगेंगे। श्रमिक अपने स्वजन के साथ सभी तरह की बीमारियों के बारें में डाक्टर से परामर्श कर दवाईयां ले सकते हैं।

यथार्थ सुपरस्पेशलिटी अस्पताल, मैक्स, मेदांता, फोर्टिस, फेलिक्स, शारदा, सर्वोदय, सुमित्रा, प्रकाश, कैलाश, माश मानस, मदरलैंड, महानंदन, प्रयाग और सुरभि हास्पिटल समेत कुल 67 प्राइवेट अस्पताल।

स्वास्थ्य विभाग में डिप्टी सीएमओ डा. चंदन सोनी ने बताया कि शुक्रवार को 44 स्थानों पर टेलीमेडिसिन के लिए अतिरिक्त सुविधा, औद्योगिक इकाइयों में 79 स्थानों पर डिस्पेंसरी, 25 मोबाइल वैन, तीन लाख सेनेटरी पैड का वितरण, 31 मल्टी सुपरस्पेशलिटी अस्पतालों में निश्शुल्क चिकित्सा सुविधा, 25 हेल्थ एटीएम, चार एएलएस एंबुलेंस, 10 ब्लड एनेलाइजर, पांच पोर्टा क्लिनिक, 15 हेल्थ वेलनेस सेंटर व सीएचओ की नियुक्ति होगी। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी दिया जाएगा। 40 स्कूलों की दूसरी पाली में कौशल विकास की अतिरिक्त कक्षाएं संचालित होंगी। स्कूल चलो अभियान के तहत 25 शिविर लगेंगे।

चंडीगढ़ में क्लर्क व स्टेनो की भर्ती पर रोक, नियमों को मिली चुनौती

चंडीगढ़, एजेंसी। यूटी प्रशासन में क्लर्क और स्टेनो टाइपिस्ट पदों पर चल रही भर्ती प्रक्रिया पर सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (कैट) ने अंतरिम रोक लगा दी है। भर्ती को लेकर शैक्षणिक योग्यता और वेतनमान के लिए तय किए गए नियमों को कैट में चुनौती दी गई थी। कैट ने पहली नजर में केस को स्वीकार करते हुए भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाने के निर्देश दिए। अब मामले की अगली सुनवाई 25 मई को होगी और तब तक भर्ती प्रक्रिया पर रोक रहेगी। मामले में याचिकाकर्ता ने 30 जनवरी 2026 की अधिसूचना को चुनौती देते हुए कहा कि इसमें तय की गई शैक्षणिक योग्यता और वेतनमान केंद्र सरकार के नियमों के अनुरूप नहीं हैं। याचिका में यह भी मांग की गई कि 31 मार्च और चार अप्रैल 2026 को जारी सार्वजनिक नोटिस को रद किया जाए, जिनके जरिए 234 क्लर्क और 23 स्टेनो टाइपिस्ट पदों के लिए आवेदन मांगे गए। याचिकाकर्ता का तर्क था कि 2022 में गृह मंत्रालय द्वारा जारी नियमों के अनुसार चंडीगढ़ प्रशासन के कर्मचारियों की सेवा शर्तें केंद्र सरकार के समान होनी चाहिए। इसके बावजूद नई भर्ती में क्लर्क और स्टेनो पदों के लिए अलग नियम अपनाए गए हैं। वहीं, चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से दलील दी गई कि संविधान के अनुच्छेद 309 और पूर्व अधिसूचनाओं के तहत प्रशासन को भर्ती नियम बनाने का अधिकार है और 2026 के नियम उसी के तहत बनाए गए हैं। प्रथम दृष्टा भर्ती नियम केंद्र सरकार के निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं हैं और आवश्यक स्वीकृति भी नहीं ली गई है।

हिमाचल में सीबीएसई से संबंध सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती की प्रक्रिया शुरू, 5 मई से शुरू होगी काउंसलिंग

शिमला, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए 5 मई से काउंसलिंग शुरू होगी। पंद्रह दिनों के भीतर काउंसलिंग को पूरा किया जाएगा। पहले चरण में प्रधानाचार्य पद के लिए काउंसलिंग होगी। उसके बाद प्रवक्ता पद की काउंसलिंग होगी। निदेशक स्कूल शिक्षा विभाग आशीष कोहली ने इसकी पुष्टि की है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने शिक्षकों के स्क्रीनिंग परीक्षा का परिणाम तैयार कर स्कूल शिक्षा निदेशालय को भेज दिया है। इस परिणाम के आधार पर ही काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। शिक्षा निदेशालय ने 24 जनवरी को इस चयन प्रक्रिया की शुरुआत की थी। कुल 9,821 शिक्षकों ने स्क्रीनिंग टेस्ट में हिस्सा लिया था। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने उच्च न्यायालय के निर्देशों और योजना की न्यायिक समीक्षा के बाद परिणाम निदेशालय को सौंप दिए हैं। परिणामों में शिक्षकों का प्रदर्शन संतोषजनक और सराहनीय बताया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सीबीएसई स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती 'मेरिट-कम-प्रेफरेंस' के आधार पर की जाएगी। यानी स्क्रीनिंग टेस्ट में प्राप्त अंकों और काउंसलिंग के दौरान दी गई प्राथमिकताओं के आधार पर स्कूलों का आबंटन होगा। इससे पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने का प्रयास किया

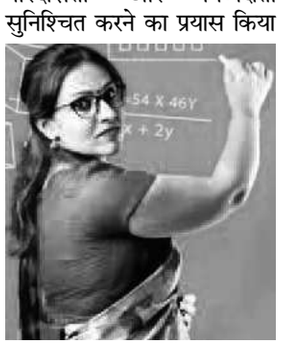

गया है। हालांकि जेबीटी (कनिष्ठ बुनियादी अध्यापक) और सीएंडवी शिक्षक जिला कैडर के तहत आते हैं। फिर भी स्क्रीनिंग टेस्ट में सफल शिक्षक राज्य के किसी भी सीबीएसई से संबद्ध सरकारी स्कूल में तैनात किए जा सकेंगे। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस तैनाती से शिक्षकों की वरिष्ठता, सेवा शर्तों या पदोन्नति के अवसरों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वे अपने मूल कैडर में ही माने जाएंगे। शिक्षा विभाग ने यह भी तय किया है कि सीबीएसई से संबद्ध प्रत्येक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के साथ जुड़े प्राथमिक विद्यालयों में कम से कम 5 जेबीटी शिक्षकों की तैनाती अनिवार्य रूप से की जाएगी। इससे प्राथमिक स्तर पर शिक्षण गुणवत्ता में सुधार लाने की उम्मीद जताई जा रही है। काउंसलिंग के लिए स्थान और विस्तृत कार्यक्रम जल्द ही शिक्षा निदेशालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। विभाग ने सभी पात्र शिक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित तिथि और समय पर काउंसलिंग में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों की सीबीएसई स्कूल में तैनाती की दावेदारी स्वतः रद्द मानी जाएगी। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जो शिक्षक संविदा (अनुबंध) या जॉब ट्रेनी के रूप में कार्यरत हैं और स्क्रीनिंग टेस्ट में सफल होते हैं, उनकी वर्तमान सेवा शर्तें यथावत बनी रहेंगी। सीबीएसई स्कूलों में तैनाती के बावजूद उनके अनुबंध में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। सुचारू ढंग से पूरा करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करने के निर्देश दिए हैं।

कैलास मानसरोवर यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू, जून में जाएगा पहला जत्था

नई दिल्ली, एजेंसी। कैलास मानसरोवर यात्रा को लेकर एक अच्छी खबर सामने आई है। दुनिया की दुर्गम यात्राओं में शामिल, इस पवित्र यात्रा की शुरूआत जून में होगी और अगस्त तक चलेगी। इस बार भी यह यात्रा कुमाऊं के रास्ते पिथौरागढ़ जिले के लिपुलेख दर्रे से दस दलों में पांच सौ यात्री रवाना होंगे। जबकि सिक्किम के नाथुला दर्रे से भी पांच सौ शिवभक्त यात्रा पर जाएंगे। यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण बुधवार (29 अप्रैल) से शुरू हो चुके है। यात्रा जून के पहले या दूसरे सप्ताह से शुरू होगी। विकास निगम (केएमवीएन) के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

कई बैठकों के बाद भी संगठन विस्तार व पद बंटवारे पर असमंजस का ब्रेकर, बंगाल चुनाव से लौटे भाजपाई

लखनऊ, एजेंसी। पांच माह पहले पंकज चौधरी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने और अब विधानसभा चुनाव सिर्फ आठ माह दूर है, लेकिन संगठन अब तक पूरा आकार नहीं ले पाया है। बंगाल समेत पांच राज्यों में चुनावी प्रबंधन संभाल रहे दिग्गज दिल्ली और लखनऊ लौट आए हैं। महिला जनाक्रोश अभियान भी 30 अप्रैल को समाप्त हो रहा, ऐसे में पार्टी के सामने नई टीम बनाने व जमीनी कार्यकर्ताओं के समायोजन की चुनौती है। सिर्फ अप्रैल माह दिल्ली और लखनऊ में कई बड़ी बैठकें हो चुकी हैं, जिसको लेकर कार्यकर्ता बड़े निर्णय की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

26 फरवरी को 11 जिलाध्यक्षों की घोषणा के बाद संगठन व सरकार को लेकर कोई प्रदेश स्तरीय निर्णय नहीं हुआ है। चर्चा जोर पकड़ रही है कि पार्टी का होमवर्क कई स्तरों पर अधूरा है। कुछ नामों पर खींचतान इतनी ज्यादा है कि पार्टी को अभियानों के बहाने निर्णय को टालने के लिए बाध्य होना पड़ा।

वहीं, राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े की लखनऊ में दो दिनी बैठक के बावजूद मंत्रिमंडल में फेरबदल को लेकर पार्टी एक कदम आगे नहीं बढ़ी है।चुनावी वर्ष में प्रदेश

में पांच माह से भाजपा में बड़े बदलावों की चर्चा है। सात साल बाद जिलों की इकाइयां तो बदल दी गईं, लेकिन पुराने कार्यकर्ताओं की नजर बोर्ड, आयोग व निगम के पदों पर टिकी है। उनकी उम्मीद इसलिए भी जगी क्योंकि होली के बाद पार्टी ने नगरीय निकाय में 2802 पदों पर कार्यकर्ताओं को समायोजन कर दिया, लेकिन इसके बाद निर्णय की गाड़ी असमंजस के ब्रेकर पर अटक गई है। चुनाव नजदीक आने के बावजूद प्रदेश इकाई व क्षेत्रीय अध्यक्षों के चयन में देरी से पार्टी के अंदर ही सवाल खड़े हो रहे हैं। जनवरी से अप्रैल तक भाजपा व संघ के पदाधिकारियों की कई स्तरों पर चर्चा हुई। पहली बार छह क्षेत्रों की समन्वय बैठक में संघ और भाजपा नेताओं के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बैठे। एक मार्च को बनारस में काशी क्षेत्र, दो मार्च को गोरखपुर क्षेत्र, पांच मार्च को पश्चिम क्षेत्र, छह को कानपुर-बुंदेलखंड और सात मार्च को ब्रज क्षेत्र की समन्वय बैठक हुई। 20 मार्च को राष्ट्रीय सह सरकार्यवाह अरुण समेत कई अन्य पदाधिकारियों ने योगी के साथ मुख्यमंत्री आवास पर बैठक की। 12 और 13 अप्रैल को राष्ट्रीय महामंत्री व उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रभारी रहे विनोद तावड़े ने पूर्व प्रदेश अध्यक्षों, दोनों उप मुख्यमंत्रियों व अन्य वरिष्ठों से मंत्रियों का फीडबैक लिया। 22 मार्च को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के घर पर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बैठे। बाद में प्रदेश अध्यक्ष ने राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री संगठन के साथ ही गृहमंत्री अमित शाह व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात की, लेकिन भाजपाइयों को बड़े बदलाव के लिए लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ रही है।

फरीदाबाद में 'रानी की छतरी' और 'शाही तालाब' को मिला नया जीवन, अवैध कब्जे हटाकर राजमार्ग से किया कनेक्ट

बल्लभगढ़, एजेंसी। करोड़ों रुपये की लागत से संवारी गई रानी की छतरी और शाही तालाब को देखने के लिए अब लोग सीधे आ-जा सकेंगे। प्रशासन ने छतरी परिसर में बने हुए अवैध निर्माणों को तोड़ दिया है। राजमार्ग से जो भी व्यक्ति निकलेगा उसे अब यह ऐतिहासिक स्थल दूर से ही दिखाई देंगे। अब तक यह अवैध निर्माणों से घिरे हुए थे। बल्लभगढ़ के राजा अनिरुद्ध सिंह की रानी ने राजमार्ग के पास अपनी पति की स्मृति में 1818 में छतरी बनवाई थी। यहां पर एक शाही तालाब है। इस तालाब में रानी स्नान करके अपनी पति की स्मृति में छतरी की छत पर हवन-यज्ञ करती थी। अभी भी यहां पर यज्ञशाला है। बल्लभगढ़ के अंतिम राजा नाहर सिंह 1858 की क्रांति में अंग्रेजों से लड़े थे। उन्हें अंग्रेजों ने संधि करने के बहाने धोखे से गिरफ्तार कर लिया। राजा नाहर सिंह और उनके साथियों को नौ जनवरी-1859 को चांदनी चौक के लालकुआं पर

सार्वजनिक रूप से फांसी पर लटका दिया।

इसके बाद इन ऐतिहासिक स्थलों की कोई देख-रेख नहीं की गई। यह स्थल पूरी तरह से जर्जर हो गए। पूर्व मंत्री एवं विधायक मूलचंद शर्मा ने 2019 में छतरी का सवा करोड़ रुपये सरकार से मंजूर कराकर जीर्णोद्धार काम शुरू करा दिया। इसका दो फरवरी-2023 के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने उद्घाटन भी कर दिया। तब जीर्णोद्धार से छतरी की छत और नीचे का फर्श रह गया था। पूर्व मंत्री एवं विधायक मूलचंद शर्मा ने छतरी की छत और फर्श के जीर्णोद्धार के लिए सरकार से 1.33 करोड़ रुपये मंजूर करा दिए और 29 सितंबर को इस का शुभारंभ पुरातत्व विभाग के मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने करा दिया।

जम्मू-कश्मीर में बदलेगा मौसम का मिजाज, अगले पांच दिनों तक बारिश के आसार; अलर्ट जारी

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ दिनों से बादल छाए रहने और कुछ स्थानों पर हुई वर्षा के बाद बुधवार को मौसम साफ बना रहा है और तापमान सामान्य के आसपास दर्ज किया गया। हालांकि कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश भी रिकॉर्ड की गई। जम्मू शहर में बुधवार को अधिकतम तापमान 35.5

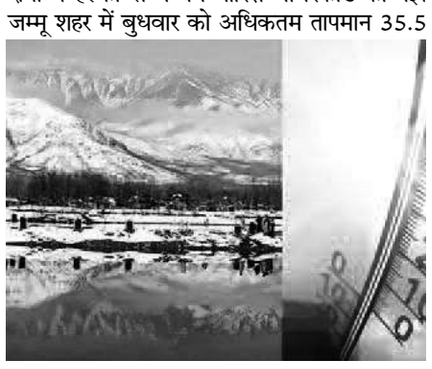

डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 22.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं बनिहाल में अधिकतम तापमान 21.0 डिग्री और न्यूनतम 9.1 डिग्री सेल्सियस रहा। जहां 14.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई। माता वैष्णो देवी के आधार शिविर कटड़ा में अधिकतम तापमान 30.3 डिग्री और न्यूनतम 17.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि यहां पिछले 24 घंटों में 11.7 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई। भद्रवाह में अधिकतम तापमान 21.0 डिग्री और न्यूनतम 8.6 डिग्री सेल्सियस के साथ 12.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई।कश्मीर घाटी में श्रीनगर में अधिकतम तापमान 21.0 डिग्री और न्यूनतम 9.9 डिग्री सेल्सियस रहा। काजीगुंड में अधिकतम तापमान 20.2 डिग्री और न्यूनतम 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पहलगाम में अधिकतम तापमान 15.2 डिग्री और न्यूनतम 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जहां 3.6 मिमी वर्षा हुई। वहीं गुलमर्ग में अधिकतम तापमान 10.8 डिग्री और न्यूनतम 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है, जबकि अधिकांश क्षेत्रों में मौसम सामान्य बना रहेगा। शेर-ए-कश्मीर कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी अनुसार कृषि मौसम सेवा बुलेटिन के अनुसार जम्मू जिले में आने वाले पांच दिनों के दौरान मौसम आमतौर पर बादल छाए रहने तथा कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। जारी सूचना अनुसार 1 से 5 मई के बीच अधिकतम तापमान 29 से 31 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 21 से 22 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। इस दौरान सुबह की आर्द्रता 60 से 70 प्रतिशत तथा शाम की आर्द्रता 50 से 60 प्रतिशत के आसपास रह सकती है।

दिल्ली-एनसीआर में पारा धड़ामः यूपी-पंजाब में हफ्ते भर बरसेगा पानी, 10 राज्यों में 48 घंटों में बदलेगा मौसम का मिजाज

नई दिल्ली, एजेंसी। प्री-मानसून गतिविधियों के तेज होने और लगातार सक्रिय पश्चिमी विक्षोभों के कारण उत्तर भारत सहित देश के बड़े हिस्से में मौसम ने गुरुवार को रंग बदला। झुलसा देने वाली गर्मी से लोगों को राहत मिली। दोपहर बाद उत्तर भारत में कई जगह तेज अंधड़ के साथ बारिश आई। एनसीआर में कई जगह ओलावृष्टि भी हुई। इससे तापमान में गिरावट आई है। अगले एक सप्ताह तक आंधी, बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं का सिलसिला जारी रह सकता है। इसका सबसे बड़ा असर गर्मी पर पड़ेगा और हीटवेव यानी लू पर अस्थायी ब्रेक लग जाएगा। मौसम विभाग (आइएमडी) के अनुसार उत्तर-पश्चिम भारत इस बदलाव का केंद्र बना हुआ है। 48 घंटों में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में एक मई से लेकर छह मई के बीच रुक-रुक कर बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार हैं।

गुरुवार को केदारनाथ, बदरीनाथ, हेमकुंड साहिब सहित पिथौरागढ़ की उच्च हिमालयी चोटियों पर जमकर हिमपात हुआ। हिमाचल के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी बर्फबारी हुई। हफ्ते भर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। पहाड़ों में ऐसी गतिविधियां सीधे मैदानी इलाकों पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को प्रभावित करेंगी। देश के एक बड़े हिस्से में तीन से छह मई के बीच कई दौर की हल्की से मध्यम वर्षा, आंधी और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं। एनसीआर के मौसम में विशेष हलचल होगी। यहां 50 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। साथ में बारिश और ओलावृष्टि की भी संभावना है। इससे तापमान

में पांच-छह डिग्री तक गिरावट आएगी, जोकि गर्मी से राहत देगा। राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम का ढंग मिश्रित रहेगा। पश्चिमी राजस्थान में एक से तीन मई तक लू चलने की संभावना है, लेकिन इसके बाद वही क्षेत्र आंधी-बारिश की चपेट में आ सकता है। यह बदलाव दर्शाता है कि मौसमी संक्रमण का दौर चरम पर है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी कहीं लू तो कहीं बारिश का दौर जारी रह सकता है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी अगले पांच दिनों तक आंधी और मध्यम बारिश का अनुमान है। हालांकि कुछ स्थानों पर गर्मी बनी रह सकती है, लेकिन समग्र रूप से तापमान में नरमी आएगी। विदर्भ क्षेत्र में भी राहत के संकेत हैं। पूर्वोत्तर भारत में सबसे अधिक तीव्र असर देखने को मिलेगा। असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी है। यहां तेज हवाओं और बिजली गिरने की घटनाएं बढ़ सकती हैं, जिससे बाढ़ और भूस्खलन का जोखिम भी बढ़ेगा। मौसम में आए इस बदलाव को मौसम विशेषज्ञ पश्चिमी विक्षोभों का परिणाम मान रहे हैं, जो प्री-मानसून चरण को मजबूत कर रहा है। उनका मानना है कि मई के अगले पखवाड़े के दौरान हीटवेव की वापसी भी होगी। पूर्वी भारत में भी मौसमी गतिविधियां तेज होंगी। बिहार, झारखंड और बंगाल में काल बैसाखी जैसे हालात बन सकते हैं। 60 से 70 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाएं, ओलावृष्टि और बिजली गिरने का खतरा फसलों और जनजीवन दोनों के लिए चुनौती बन सकता है। पटना, गया, दरभंगा और भागलपुर जैसे क्षेत्रों में विशेष सतर्कता की जरूरत है। बता दें कि काल बैसाखी एक मौसम संबंधी घटना है जिसमें अप्रैल और मई के महीनों के दौरान अचानक मौसम परिवर्तन होता है, तेज हवाएं चलती हैं और तूफान आते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए एटीएफ 5 फीसदी महंगा, घरेलू दरों में स्थिरता

वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल के चलते लगातार दूसरे महीने बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय विमानन कंपनियों के लिए विमान ईंधन (एटीएफ) के दाम शुक्रवार को पांच प्रतिशत बढ़ा दिए गए। यह लगातार दूसरा महीना है जब वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल के कारण एटीएफ महंगा हुआ है, जिसका बोझ तेल कंपनियां सुनियोजित तरीके से ग्राहकों पर डाल रही हैं। हालांकि, घरेलू विमानन कंपनियों के लिए एटीएफ कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे उन्हें फिलहाल राहत मिली है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय विमान ईंधन की कीमत 76.55 डॉलर प्रति किलोलीटर (5.33 प्रतिशत) बढ़कर 1,511.86 डॉलर प्रति किलोलीटर हो गई है। यह वृद्धि 1 अप्रैल को हुई दरों में भारी बढ़ोतरी के बाद आई है, जब एटीएफ की कीमतों में लगभग 25 फीसदी का उछाल देखा गया था। विमान ईंधन की कीमतें दो दशक से अधिक समय से विनियमित हैं और तब से ये अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क कीमतों के अनुरूप तय की जाती हैं। पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में तीव्र उछाल को देखते हुए, सरकार और सरकारी तेल कंपनियों ने कीमतों में वृद्धि को चरणबद्ध तरीके से लागू करने का निर्णय लिया है। उद्योग सूत्रों के अनुसार, विदेशी विमानन कंपनियों को अब बाजार दरों पर ईंधन मिलेगा, जबकि घरेलू विमानन कंपनियों के लिए कीमतों को फिलहाल नियंत्रित रखा गया है ताकि घरेलू बाजार पर तत्काल प्रभाव न पड़े।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों से 60 हजार करोड़ निकाले

2026 के शुरुआती चार महीनों में कुल निकासी 1.92 लाख करोड़ रुपए हुई

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजारों से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी अप्रैल में भी जारी रही, जिसमें 60,847 करोड़ रुपये (लगभग 6.5 अरब डॉलर) बाहर निकाले गए। भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों में जोखिम लेने की क्षमता कम हुई है, जिसके परिणामस्वरूप यह भारी बिकवाली देखी जा रही है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, इस ताजा निकासी से 2026 के पहले चार महीनों में एफपीआई की कुल निकासी 1.92 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। यह राशि समूचे 2025 में दर्ज 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से भी अधिक है, जो एक चिंताजनक प्रवृत्ति दर्शाती है। वर्ष 2026 में फरवरी को छोड़कर सभी महीनों में एफपीआई शुद्ध विक्रेता रहे, जिसमें मार्च में रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार यह निरंतर बिकवाली वैश्विक आर्थिक दबावों और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों का सीधा परिणाम है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि अप्रैल की शुरुआत में पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जिससे वैश्विक महंगाई की चिंताएं फिर बढ़ गईं। इससे ब्याज दरों में जल्द कटौती की उम्मीदें कम हुईं और वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल ऊंचे बने रहे, जिसका असर भारत सहित उभरते बाजारों पर पड़ा। एंजेल वन के विश्लेषक ने इसे अमेरिका-ईरान तनाव के कारण जोखिम से बचने की सामान्य प्रतिक्रिया करार दिया। कच्चे तेल में वृद्धि, रुपये की कमजोरी और महंगाई की चिंताओं ने निवेशकों का भरोसा डिगाया है।

स्मॉल और मिडकैप का जलवा 12 साल की सबसे बड़ी मासिक बढ़त

– कमाई की उम्मीदें और खुदरा निवेशकों की दिलचस्पी बनी वजह

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में स्मॉलकैप और मिडकैप इंडेक्स ने अप्रैल 2026 में 12 साल की सबसे बड़ी मासिक बढ़त दर्ज कर निवेशकों को चौंका दिया है। बुधवार तक, बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 20.1 प्रतिशत और मिडकैप इंडेक्स 14.8 प्रतिशत चढ़ा, जबकि बेंचमार्क सेंसेक्स में 7.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह उत्साहजनक प्रदर्शन स्थिर कमाई की उम्मीदों और खुदरा निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी से प्रेरित है, लेकिन बाजार विशेषज्ञ आने वाले समय में अस्थिरता और सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक, इससे पहले मई 2014 में ही स्मॉलकैप इंडेक्स ने 20.4 प्रतिशत और मिडकैप इंडेक्स ने 15.6 प्रतिशत की उछाल दर्ज की थी। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के अनुसार, इस हालिया तेजी के पीछे मार्च 2026 तिमाही की स्थिर कमाई की उम्मीदें और प्राथमिक बाजारों में सीमित अवसरों के कारण खुदरा निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी प्रमुख है। 2025 स्मॉल-मिडकैप के लिए निराशाजनक रहने से इनके मूल्यांकन आकर्षक हो गए थे। अप्रैल में, बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स के कुल 1,262 शेयरों में से आधे से अधिक (734) ने 20 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया। इनमें 84 शेयर लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़े और 474 शेयरों ने 25 से 50 प्रतिशत के बीच बढ़त दर्ज की। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले महीनों में उतार-चढ़ाव बना रहेगा, जिससे ये दोनों सेगमेंट भी अस्थिर रह सकते हैं। ऐसे में शेयरों का सही चुनाव ही सबसे महत्वपूर्ण होगा। अल्पकालिक नजरिए से, विश्लेषक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और होर्मुज स्ट्रेट

के बंद रहने की स्थिति में पूरे बाजार में कमजोरी की आशंका जता रहे हैं। तकनीकी रूप से, निफ्टी के लिए 23,800 का स्तर महत्वपूर्ण समर्थन है। यदि यह टूटता है, तो बाजार 23,600-23,400 तक तेजी से गिर सकता है।

महंगी रसोई गैस ने तोड़ी गरीबों की कमर ,छोटू सिलेंडर सबसे महंगा

नई दिल्ली।

ईएमएस,देश में रसोई गैस की कीमतों को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जहां एक ओर आम आदमी महंगाई से जूझ रहा है। वहीं पेट्रोलियम कंपनियों की नीतियां गरीबों के लिए मुश्किलें खड़ी करती हुई दिख रही हैं। 5 किलो के छोटू सिलेंडर की कीमत अचानक 549 रुपये से बढ़ाकर 810 रुपये कर दी गई है। जो करीब 162 रुपये प्रति किलो हो गई है।19 किलो का कामर्शियल सिलेंडर (लगभग 160 रुपये प्रति किलो) से भी ज्यादा दाम में छोटू सिलेंडर की गैस बिकेगी? सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि छोटू सिलेंडर का उपयोग मुख्य रूप से गरीब और निम्न आय वर्ग के लोग करते हैं। वहीं, 14.2 किलो के सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत 913 रुपये (करीब 65 रुपये प्रति किलो) है। 14.02 किलो के गैस सिलेंडर की सप्लाई पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा लगातार घटाई जा रही है। कई इलाकों में लोगों को डेढ़ से दो महीने तक इंतजार करने को मजबूर होना पड़ रहा है। ऐसे में गरीब परिवार एवं मध्यम वर्ग को मजबूरी में छोटा सिलेंडर खरीदना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा कीमत गरीब और मध्यम वर्ग को चुकानी पड़ रही है। यह स्थिति साफ तौर पर संकेत देती है,कंपनियां सस्ती गैस की उपलब्धता कम करके महंगी गैस उपभोक्ताओं को बेचने की साजिश कर रही हैं। यह केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है। सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है। सरकार और संबंधित कंपनियों को तुरंत हस्तक्षेप कर छोटू गैस की कीमत कम करनी चाहिए। मध्यम वर्ग और गरीबों को सस्ती और समय पर गैस उपलब्ध हो। रसोई गैस की यह महंगाई आम जनता स्वीकार कर पाएगी या नहीं कहना मुश्किल है।

ऊर्जा सुरक्षा पर कार्यबल का जोर पीएनजी विस्तार के लिए कई बड़े सुझाव

60 लाख नए कनेक्शन का लक्ष्य, नए भवनों में पीएनजी अनिवार्य

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए गठित एक सरकारी कार्यबल ने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) क्षेत्र में बड़े बदलाव और पाइपलाइन प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के तेजी से विस्तार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। इसका उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। कार्यबल ने जून 2026 तक 60 लाख नए पीएनजी कनेक्शन स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

साथ ही इसने सभी नए और निर्माणाधीन भवनों में पीएनजी को अनिवार्य करने, इस पर लगने वाले मूल्य वर्धित कर (वैट) को कम करने और जहां बुनियादी ढांचा मौजूद है, वहां वाणिज्यिक खाद्य प्रतिष्ठानों के लिए भी पीएनजी का उपयोग अनिवार्य करने की सिफारिश की है।

मौजूदा सड़क गलियारों के साथ भूमिगत सीजीडी पाइपलाइन क्रॉसिंग के लिए वन मंजूरी प्रक्रिया को सरल बनाने का भी सुझाव दिया गया है।

'पीएनजी एक्सेलरेशन फॉर क्लीन एनर्जी (पेस)' नामक इस कार्यबल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत में पीएनजी का विस्तार एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। पाइपलाइन का बुनियादी ढांचा तो मौजूद है, लेकिन अंतिम छोर तक तेजी से सुविधा पहुंचाना ही मुख्य चुनौती है। कार्यबल ने एलपीजी वितरकों को 'गैस ट्रांजिशन पार्टनर' के रूप में फिर से परिभाषित करने और उन्हें घरेलू पीएनजी ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए प्रत्यक्ष विपणन एजेंसियों के रूप में शामिल करने का आह्वान किया है। इसके अतिरिक्त, पीएनजी आपूर्ति के लिए स्मार्ट प्रीपेड मीटरों को तेजी से अपनाने की भी वकालत की गई है, जिससे ग्राहकों के लिए सुविधा और दक्षता बढ़ेगी।

ईपीएफओ खाताधारकों के लिए खुशखबरी न्यूनतम पेंशन होगी 7500 रुपए

ब्याज दर 8.25 फीसदी, ई-प्रापटी पोर्टल से पुराने खाते जोड़ना भी हुआ आसान

नई दिल्ली ।

देश के करोड़ों कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) खाताधारकों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। सरकार कई महत्वपूर्ण बदलावों पर काम कर रही है, जिनसे पेंशनधारकों और पीएफ सदस्यों को व्यापक राहत मिलने की उम्मीद है। इनमें न्यूनतम पेंशन में भारी बढ़ोतरी से लेकर पैसे निकालने की आसान सुविधा और त्वरित क्लेम सेटलमेंट तक शामिल है। सबसे अहम बदलाव न्यूनतम पेंशन को लेकर है। वर्तमान में 1,000 की न्यूनतम पेंशन को बढ़ाकर 7,500 रुपए प्रति माह करने का प्रस्ताव सरकार द्वारा गंभीरता से विचाराधीन है। यह कदम मजदूर संगठनों के दबाव और संसदीय समिति की सिफारिशों के बाद उठाया गया है, जिससे लाखों पेंशनभोगियों को सीधा लाभ मिलेगा। ईपीएफओ अपने सिस्टम को आधुनिक बनाने की दिशा में भी अग्रसर है। भविष्य में पीएफ का पैसा निकालना उतना मुश्किल नहीं रहेगा, क्योंकि संगठन एटीएम के जरिए सीधे पैसा निकालने की सुविधा शुरू करने की तैयारी में है। इससे आपात स्थिति में सदस्यों को तत्काल नकदी मिल सकेगी। इसके अतिरिक्त, मौजूदा वित्त वर्ष के लिए ईपीएफओ ने 8.25 फीसदी ब्याज दर प्रस्तावित की है, जिसे जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है। क्लेम सेटलमेंट प्रक्रिया में भी बड़ा सुधार हुआ है; ऑटोमेशन की मदद से अधिकांश एडवांस क्लेम अब तीन दिन के भीतर निपटाए जा रहे हैं, जो ईपीएफओ की बढ़ती

दक्षता को दर्शाता है। पुराने और निष्क्रिय खातों को जोड़ने के लिए ई-प्रापटी नामक पोर्टल भी लॉन्च किया गया है, जो आधार आधारित एक्सेस के साथ यूएएन से जुड़े न होने वाले खातों को भी लिंक करने की सुविधा देता है।

हुंदै मोटर इंडिया की बिक्री अप्रैल में 17 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली ।

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड की अप्रैल में घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 51,902 इकाई हो गई। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि उसकी स्थापना के बाद से अप्रैल महीने में यह उसकी अब तक की सबसे अधिक घरेलू बिक्री है। अप्रैल 2026 में कंपनी का निर्यात 13,708 इकाई रहा।वाहन विनिर्माता कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा`` कि हमने नए वित्त वर्ष की शुरुआत मजबूती के साथ की है और पिछले महीनों की गति को अप्रैल 2026 में भी बनाए रखा है। कंपनी की कॉम्पैक्ट एसयूवी हुंदै वेन्यू ने अप्रैल 2026 में 12,420 इकाइयों की अब तक की सबसे अधिक मासिक घरेलू बिक्री दर्ज की।

अब 5 किलो वाला एफटीएल सिलेंडर भी 261 रुपए महंगा

नई दिल्ली ।

चुनावों के खत्म होते ही आम जनता पर महंगाई का एक और बोझ आ गिरा है। 1 मई, 2026 से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के साथ ही छोटे इस्तेमाल वाले 5 किलो फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर की कीमतों में भी भारी बढ़ोतरी की गई है, जिससे छोटे व्यापारियों और स्ट्रीट वेंडर्स की जेब पर सीधा असर पड़ेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 5 किलो वाले इस सिलेंडर की कीमत में 261 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। जो सिलेंडर पहले 549 में मिलता था, उसकी कीमत अब बढ़कर 810 हो गई है। यह वृद्धि उन छोटे कारोबारियों के लिए बड़ी चुनौती है जो ढाबों, रेहड़ी-पटरी और अस्थायी किचन में इस सिलेंडर का इस्तेमाल करते हैं। यह सिलेंडर विशेष रूप से कम बजट वाले और छोटे व्यवसाय चलाने वालों के लिए अहम है। कीमत बढ़ने से इन छोटे दुकानदारों का संचालन खर्च बढ़ेगा, जिसका सीधा असर ग्राहकों की जेब पर पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि खाने-पीने की चीजें महंगी होने की आशंका है, जिससे आम आदमी का बजट और बिगड़ सकता है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब छोटे व्यापारी पहले से ही आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इस बढ़ोतरी से उनकी कमाई पर सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

एयर इंडिया 100 उड़ानें रद्द करेगी, एविएशन सेक्टर में हाहाकार

- घरेलू-अंतर्राष्ट्रीय दोनों रूट्स प्रभावित, एफआईए ने सरकार से मांगी मदद

नई दिल्ली ।

आसमान छूती कच्चे तेल और विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों ने भारतीय एविएशन सेक्टर को गंभीर संकट में धकेल दिया है। इस भारी लागत के दबाव में एयर इंडिया करीब 100 दैनिक उड़ानें रद्द करने की तैयारी में है। एयर इंडिया की यह कटौती जून महीने से लागू होगी और घरेलू व अंतरराष्ट्रीय दोनों रूट्स पर असर डालेगी। खासकर यूरोप, नॉर्थ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर के रूट्स प्रभावित होंगे। यह फैसला एयर इंडिया द्वारा प्रतिदिन संचालित की जाने वाली लगभग 1,100 उड़ानों में से एक बड़ी कटौती है। इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी प्रमुख एयरलाइंस के संगठन, फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआइए) ने सरकार से तत्काल राहत की मांग की है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में जेट फ्यूल की कीमत मार्च के मुकाबले दोगुनी हो गई है, और एयरलाइंस की कुल परिचालन लागत का लगभग 40 फीसदी एफटीएफ पर ही खर्च होता है, जिससे मामूली

बढ़ोतरी भी मुनाफे पर गहरा असर डालती है। एयर इंडिया पर इसका असर विशेष रूप से अधिक है क्योंकि इसकी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का हिस्सा बड़ा है। पाकिस्तान एयरस्पेस बंद होने के कारण यूरोप और नॉर्थ अमेरिका की उड़ानों को लंबा रास्ता लेना पड़ता है, जिससे ईंधन और क्रू लागत में और इजाफा हुआ है। पहले ही 20,000 करोड़ रुपए से अधिक का घाटा झेल रही एयर इंडिया पर टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस का घाटा कम करने का दबाव है। इसी बीच, कंपनी के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने भी अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले इस्तीफा दे दिया है।

भारत में डिजिटल गेमिंग का नया युग पेड गेम्स पर प्रतिबंध, ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा

1 मई से लागू हुए नए नियम, उम्र सत्यापन, पैरेंटल कंट्रोल अनिवार्य; उल्लंघन पर भारी जुर्माना

नई दिल्ली ।

1 मई से भारत में डिजिटल गेमिंग के परिदृश्य में एक ऐतिहासिक बदलाव आया है। सरकार के नए प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग रूल्स, 2026 देश भर में प्रभावी हो गए हैं, जिनके तहत पैसे लगाकर खेले जाने वाले सभी ऑनलाइन गेम्स (पेड गेम्स) पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। इन नियमों का मुख्य उद्देश्य गेमिंग उद्योग को व्यवस्थित करना और गेमर्स को साइबर धोखाधड़ी व लत से बचाना है। नए नियमों के तहत ऑनलाइन गेम्स को मुख्य रूप से दो श्रेणियों में बांटा गया है- ई-स्पोर्ट्स, जो कौशल-आधारित प्रतिस्पर्धी खेल होंगे; और ऑनलाइन मनी गेम्स। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि अब पैसे लगाकर खेले जाने वाले सभी गेम्स (पेड गेम्स) पर देश भर में पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। नियमों के उल्लंघन पर कड़े दंड का प्रावधान है। बार-बार नियमों को तोड़ने वाले प्लेटफॉर्म को 3 साल की जेल और 1 करोड़ रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। वहीं प्रतिबंधित पेड गेम्स का विज्ञापन करने पर 5 साल की कैद और 2 करोड़ रुपये के जुर्माने की सजा मिलेगी। इन नियमों में गेमर्स, विशेषकर बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। अब गेमिंग प्लेटफॉर्म के लिए यूजर की उम्र का सत्यापन, बेहतर पैरेंटल कंट्रोल, गेमिंग की लत छुड़ाने के लिए टाइम लिमिट और मजबूत शिकायत निवारण प्रणाली अनिवार्य होगी। यह केंद्रीय पहल देश भर में ऑनलाइन गेमिंग के लिए एक समान कानूनी ढांचा प्रदान करेगी, जिससे पहले मौजूद असमंजस समाप्त होगा और गेमर्स को वित्तीय नुकसान तथा मानसिक तनाव से बचाने में मदद मिलेगी। अब एक केंद्रीय प्राधिकरण पूरे देश के लिए गेम की कैटेगरी तय करेगा, जो गेमिंग इंडस्ट्री को नई दिशा देगा।

भारत ने बदली तेल खरीद रणनीति वेनेजुएला-ब्राजील से बढ़ी सप्लाई

होर्मुज स्ट्रेट में व्यवधान से ऐतिहासिक बदलाव, इराक से तेल खरीद शून्य

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक उथल-पुथल और होर्मुज स्ट्रेट में व्यवधान ने भारतीय रिफाइनरियों को अपनी कच्चे तेल खरीद रणनीति में ऐतिहासिक बदलाव करने पर मजबूर कर दिया है। अप्रैल में, भारत के शीर्ष पांच आपूर्तिकर्ताओं की सूची में वेनेजुएला और ब्राजील ने प्रमुखता से अपनी जगह बनाई है, जबकि पारंपरिक रूप से दूसरे सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता इराक से तेल खरीद वर्षों में पहली बार शून्य पर आ गई है।

यह बदलाव संघर्ष-पूर्व की स्थिति से उल्लेखनीय रूप से भिन्न है, जब रूस, इराक, सऊदी अरब, यूएई और अमेरिका भारत के प्रमुख आपूर्तिकर्ता थे। समुद्री खुफिया फर्म केपलर के आंकड़ों के अनुसार, यह बदलाव तब आया है जब होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने के कारण पश्चिम एशिया, खासकर इराक, कुवैत और कतर जैसे देशों से भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति शून्य हो गई है। होर्मुज स्ट्रेट एक रणनीतिक समुद्री मार्ग है जिसके माध्यम से वैश्विक कच्चे तेल का लगभग 20 प्रतिशत पारगमन होता है। इराक, जो संघर्ष से पहले भारत को प्रतिदिन 10 लाख बैरल कच्चा तेल आपूर्ति करता था, उसकी आपूर्ति पूरी तरह रुक गई है। केपलर के एक वरिष्ठ रिफाइनिंग विश्लेषक ने बताया कि सऊदी अरब और यूएई के विपरीत, इराक के पास एशियाई बाजारों तक पहुंचने के लिए कोई वैकल्पिक निर्यात ढांचा नहीं है। उन्होंने आगाह किया कि यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष अनसुलझा रहता है, तो क्षेत्र से इराकी तेल की आपूर्ति दबे स्तर पर बनी रहने की संभावना है। इस ऐतिहासिक बदलाव के बीच, भारतीय रिफाइनर वैश्विक बाजार में विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। अप्रैल में वेनेजुएला भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है, जिसने 2,98,000 बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल की आपूर्ति की, जो पहले शून्य थी। अमेरिकी नियंत्रण में काराकस तेल संपत्तियों के आने के बाद भारतीय रिफाइनरों ने वेनेजुएला का तेल फिर से खरीदना शुरू किया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस खरीद का बड़ा हिस्सा किया है, क्योंकि उसकी रिफाइनरी की जटिलता उसे वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल को संसाधित करने में सक्षम बनाती है। ब्राजील भी भारत के शीर्ष आपूर्तिकर्ताओं में से एक बनकर उभरा है।

जीएसटी संग्रह अप्रैल में 2.43 लाख करोड़ के पार

8.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज, आयात शुल्क में 25.8 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

देश में मजबूत आर्थिक गतिविधियों का संकेत देते हुए, अप्रैल महीने में सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए 2.43 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है।

शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, यह पिछले साल की तुलना में 8.7 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है। यह ऐतिहासिक संग्रह इससे पहले अप्रैल में दर्ज किए गए 2.23 लाख करोड़ रुपये के सर्वाधिक आंकड़े को भी पीछे छोड़ गया है। घरेलू बिक्री और खरीद से प्राप्त सकल राजस्व में 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो 1.85 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। वहीं आयात से जीएसटी संग्रह में 25.8 प्रतिशत की तेज वृद्धि देखी गई, जो 57,580 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

रिफंड जारी करने के बाद भी शुद्ध जीएसटी संग्रह 7.3 प्रतिशत बढ़कर लगभग 2.11 लाख करोड़ रुपये रहा, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत गतिशीलता और उपभोक्ता मांग में सुधार को दर्शाता है।

संक्षिप्त

'दिन ही नहीं, पूरा सत्र ही हमारा नहीं' : हार्दिक पंड्या

चेन्नई, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एक अहम मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के हाथों मिली हार के बाद निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि 'दिन को छोड़िए, यह पूरा सत्र ही हमारा नहीं' है। सीएसके ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद मुंबई इंडियंस को छोटे स्कोर पर रोक दिया जिसके बाद कप्तान रुतुराज गायकवाड़ (नाबाद 67) और कार्तिक शर्मा (नाबाद 54) के बीच तीसरे विकेट के लिए 75 गेंद में 98 रन की अटूट साझेदारी की मदद से आठ विकेट से जीत दर्ज की। हार्दिक ने मैच के बाद निराशा व्यक्त करते हुए कहा, ''मुझे लगता है कि दिन को छोड़िए, यह पूरा सत्र ही हमारा नहीं है। उन्होंने हमसे बेहतर बल्लेबाजी की, बेहतर गेंदबाजी की और बेहतर क्षेत्ररक्षण किया। उन्होंने बेहतर क्रिकेट खेला।

शिमकेंट में उपविजेता रहे मानस धामने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा खिलाड़ी मानस धामने अपने पहले एटीपी चैलेंजर एकल फाइनल में खिताब जीतने से चूक गए और उन्हें रविवार को कजाकिस्तान के शिमकेंट में खेले गए एक कड़े मुकाबले में बेल्जियम के बुवैसर गदामौरी से हार का सामना करना पड़ा। इस 18 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने दो घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 6-7(8), 4-6 से हारने से पहले अपनी प्रतिद्वंद्वी के सामने कड़ी चुनौती पेश की।

धामने ने पहले सेट में अपने अधिक अनुभवी प्रतिद्वंद्वी को टाई-ब्रेक तक खींच लिया और यहां तक कि सेट प्वाइंट भी हासिल किया लेकिन गदामौरी 10-8 से जीत दर्ज करने में सफल रहे। भारतीय खिलाड़ी दूसरे सेट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया और बेल्जियम के खिलाड़ी ने निर्णायक बढ़त हासिल करके खिताब अपने नाम कर दिया। फाइनल में हार के बावजूद धामने का प्रदर्शन अच्छा रहा और वह पहली बार शीर्ष 400 में जगह बनाने के लिए तैयार हैं।

गायकवाड़ के फॉर्म में वापस आने के बाद सीएसके खतरनाक होती जा रही है: आर अश्विन

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 में शनिवार को चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच मुकाबला खेला गया। सीएसके ने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के अर्धशतक की बदौलत एमआई को 8 विकेट से हरा दिया। भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर रहे आर अश्विन ने गायकवाड़ की फॉर्म में वापसी को सीएसके के लिए अच्छा संकेत माना है। आर अश्विन ने कहा है कि गायकवाड़ की फॉर्म में वापसी के साथ ही सीएसके मैच दर मैच खतरनाक होती जा रही है। अश्विन ने जियोस्टार पर कहा, "हर कोई उसके फॉर्म की बात कर रहा था। यह पारी पिछले मैच का परिणाम थी। यह एक चुनौतीपूर्ण विकेट था, जीटी के खिलाफ मैच में

रुतुराज ने कार्तिक, कंबोज और नूर की जमकर प्रशंसा की

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में जीत पर खुशी जताई है। रुतुराज में मैच में अच्छे प्रदर्शन के लिए युवा कार्तिक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। रुतुराज ने कहा कि कार्तिक लंबे छक्के लगाने वाला खिलाड़ी है। इससे अलावा उन्होंने तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज और स्पिनर नर अहमद की कसी हुई गेंदबाजी की भी प्रशंसा की है। अंशुल ने 3 जबकि नूर ने 2 विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में प्रमुख भूमिका निभाई। इस मैच में जीत के साथ ही सीएसके की प्लेऑफ के लिए संभावनाएं बढ़ी हैं। इस मैच में सीएसके के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई को 159 रनों पर ही रोक दिया। सीएसके ने कप्तान रुतुराज और कार्तिक के अर्धशतकों की सहायता से 11 गेंदें शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

टी20 वर्ल्ड कप में अमनजोत की जगह किसी और को खोजना बहुत मुश्किल था: हरमनप्रीत

- **"टी20 फॉर्मेट में, जिस तरह से रन बन रहे हैं, गेंदबाजों के लिए यह एक मुश्किल काम है : हरमनप्रीत कौर**

मुंबई, एजेंसी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने स्वीकारा है कि पीठ की चोट के कारण अमनजोत कौर की गैरमौजूदगी से, 12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड में होने वाले आगामी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में एक बड़ा खालीपन आ गया है। हालांकि, कप्तान ने भरोसा जताया कि भारती फुलमाली और राधा यादव सकारात्मक इरादे के साथ जिम्मेदारी संभालेंगी।

सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर अमनजोत पीठ की चोट के कारण अगले 4-5 महीनों के लिए क्रिकेट से बाहर हो गई हैं। इसी चोट के कारण वह पिछले महीने साउथ अफ्रीका में भी नहीं खेल पाई थीं।

हरमनप्रीत ने कहा, "अमनजोत हमारी एक अहम खिलाड़ी थीं। बदकिस्मती से, वह अभी उपलब्ध नहीं हैं। वह अब अगले 4-5 महीनों के लिए क्रिकेट से दूर रहेंगी।"

बीसीसीआई मुख्यालय में टीम की घोषणा के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में हरमनप्रीत ने कहा, "उनकी जगह, उनके जैसा कोई और खिलाड़ी ढूंढना बहुत मुश्किल था जो उनकी जगह को भर सके।" यह टीम 28 मई से 2 जून तक इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 मैच भी खेलेगी।

इस बीच, भारती को साउथ अफ्रीका में दो मौके मिलने के बाद टीम में बरकरार रखा गया है। वहीं, राधा ने इस साल अलग-अलग टूर्नामेंट्स में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया है और पिछले साल इंग्लैंड में हुई सीरीज के बाद पहली बार टी20 टीम में वापसी कर रही हैं। राधा ने 2018 में डेब्यू के बाद से अब तक 89 टी20 मैच खेले, जिसमें 103 विकेट हासिल किए। अब वह अपना पांचवां टी20 विश्व कप खेलने के लिए तैयार हैं। टीम में उनकी वापसी में अमनजोत और काशवी गौतम की चोटों के कारण देरी हुई। काशवी को दाहिने घुटने में गंभीर चोट लगी है, जिसके लिए उनकी सर्जरी होगी।

हरमनप्रीत ने कहा, "भारती को जितने भी मौके मिले, उन्होंने खुद को साबित करने की पूरी कोशिश की। हमने राधा को टीम में वापस बुलाया है, क्योंकि वह भी एक ऑलराउंडर हैं जो बल्ले, गेंद और फील्डिंग, तीनों से टीम के लिए योगदान दे सकती हैं। अमनजोत की जगह किसी और को खोजना बहुत मुश्किल था, लेकिन अब, जो भी खिलाड़ी उपलब्ध थे, हम उनके साथ टीम को संतुलित करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि जब भी हमें किसी की जरूरत हो, वे हमारे लिए तैयार रहें।

कप्तान ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ हालिया सीरीज में गेंदबाजी यूनिट की मुश्किलों को स्वीकारते हुए कहा कि एक खराब प्रदर्शन उनके कुल रिकॉर्ड पर भारी नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, "टी20 फॉर्मेट में, जिस तरह से रन बन रहे हैं, गेंदबाजों के लिए यह एक मुश्किल काम है। लेकिन फिर भी, वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे थे। दुर्भाग्य से, यह एकमात्र ऐसी सीरीज थी जहां हमारी गेंदबाजी ज्यादा कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन अगर मुझे इसका जवाब देना हो, तो पिछले टी20 वर्ल्ड कप के बाद, हमने लगभग हर टी20 सीरीज जीती है। यह एकमात्र ऐसी सीरीज थी जहां हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। इसलिए मुझे लगता है कि सिर्फ एक सीरीज के आधार पर मैं अपने खिलाड़ियों को नहीं आंक सकती।"

कप्तान ने आगामी कैंप और इंग्लैंड सीरीज के महत्व पर जोर देते हुए कहा, "इस चयन बैठक के एक हफ्ते बाद, हम एक और कैंप आयोजित करने जा रहे हैं जहां हम उन क्षेत्रों पर काम करने की कोशिश करेंगे जहां हमें लगता है कि हमें और ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है।

पाकिस्तान कप्तान ने एशिया कप हैंडशेक विवाद पर खोला राज

नई दिल्ली, एजेंसी।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान सलमान अली आगा ने पिछले साल एशिया कप के दौरान भारतीय टीम के साथ हुए हैंडशेक विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने एक पॉडकास्ट में अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे उनकी टीम मैच खत्म होने के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम तक हाथ मिलाने गई थी, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने ऐसा नहीं किया। सलमान ने याद दिलाया कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच कुल तीन भिड़ंत हुई थीं, और तीनों ही मौकों पर भारतीय टीम ने हाथ मिलाने से परहेज किया। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि टूर्नामेंट से पहले हुए फोटोशूट और प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दोनों टीमों के कप्तानों ने निश्चित रूप से हाथ मिलाए थे। पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले गए उस एशिया कप में, सलमान अली आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम को भारत से लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय खेमे ने यह नीति पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के सम्मान में और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना के प्रति एकजुटता प्रदर्शित करने के उद्देश्य से अपनाई थी। इस नीति के तहत, टॉस के समय और मैच की समाप्ति के बाद भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों और सहायक स्टाफ के बीच कोई हैंडशेक नहीं हुआ था, जिससे यह घटना काफी चर्चा का विषय बनी रही।

राजस्थान रॉयल्स को मित्तल परिवार, अदार पूनावाला ने 1.65 बिलियन डॉलर में खरीदा

- **अदार पूनावाला के पास लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा होगा**

नई दिल्ली, एजेंसी।

स्टील किंग के नाम से मशहूर लक्ष्मी निवास मित्तल और आदित्य मित्तल ने रविवार को घोषणा की कि अदार पूनावाला के साथ साझेदारी में मनोज बडाले और कंसोर्टियम से राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को खरीदने का समझौता हो गया है।

मित्तल परिवार के पास राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की करीब 75 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। अदार पूनावाला के पास लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा होगा। लगभग 7 प्रतिशत हिस्सा मनोज बडाले सहित मौजूदा मंजूर निवेशकों के पास होगा। माना जा रहा है कि काल सोमानी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम, जिसने पहले आरआर को खरीदने के लिए सफल बोली लगाई थी, उसे खरीदारी पूरी करने के लिए फंडिंग की दिक्कतों का सामना करना पड़ा, और इस वजह से उनकी डील टूट गई। बडाले राजस्थान रॉयल्स को सपोर्ट करते रहेंगे और अतीत के साथ वर्तमान के बीच एक पुल का काम करेंगे। वह क्रिकेट के अपने गहरे ज्ञान और अनुभव को फ्रेंचाइजी तक पहुंचाएंगे।

आईपीएल टीम के अलावा, राजस्थान रॉयल्स के पास दक्षिण अफ्रीका टी20 लीग (एसए20) में पार्ल रॉयल्स और कैरिबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में बारबाडोस रॉयल्स का भी स्वामित्व है। आरआर लगभग 1.65 बिलियन डॉलर में बिकी है। यह राजस्थान रॉयल्स की पुरुष फ्रैंचाइजी, पार्ल रॉयल्स और बारबाडोस रॉयल्स की एंटरप्राइज वैल्यू को दिखाता है।

समझौते का पूरा होना आम क्लोजिंग शर्तों पर निर्भर है, जिसमें बीसीसीआई, सीसीआई, आईपीएल गवर्निंग काउंसिल, और दूसरे लागू रेगुलेशन अथॉरिटीज से मंजूरी शामिल है, और इसके 2026 के क्वार्टर 3 में होने की उम्मीद है।

मैंने धोनी के जैसा विकेटकीपर नहीं देखा : अश्विन

नई दिल्ली, एजेंसी। रविचंद्रन अश्विन ने महेंद्र सिंह धोनी की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने स्पिनरों के सामने विकेट के पीछे पूर्व भारतीय कप्तान की तरह विकेटकीपिंग करते हुए ''किसी और'' को नहीं देखा है।

भारतीय टीम और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में लंबे समय तक साथ रहने वाले अश्विन ने याद किया कि कैसे धोनी की विकेटकीपिंग और स्पष्ट सोच उनकी शानदार कप्तानी से कहीं अधिक विशिष्ट थी। अश्विन ने जियोस्टार से कहा, ''उनकी विकेटकीपिंग ने मुझे हमेशा हैरान किया है। लोग उनकी कप्तानी की बहुत तारीफ करते हैं और यह सही भी है। उनकी सफलता ही सब कुछ बयां करती है। उन्होंने कहा, '''लेकिन मेरे लिए उनकी दो चीजें सबसे अलग हैं। पहला वह मध्य क्रम के बहुत अच्छे बल्लेबाज थे।

ला लीगा: बार्सिलोना खिताब के करीब

विलारियल ने चैंपियंस लीग में जगह पक्की की

- **रियल मैड्रिड रविवार को आरसीडी एस्पेनयोल के खिलाफ खेलेगी**

मैड्रिड, एजेंसी।

एफसी बार्सिलोना ओसासुना के खिलाफ 2-1 की रोमांचक जीत के साथ ला लीगा खिताब के और करीब पहुंच गया है।

बार्सिलोना रियल मैड्रिड से 14 पॉइंट आगे है। रियल मैड्रिड रविवार को आरसीडी एस्पेनयोल के खिलाफ खेलेगी। अगर मैड्रिड यह मैच नहीं जीत पाया, तो बार्सिलोना का चैंपियन बनना पक्का हो जाएगा। अगर मैड्रिड जीत जाता है, तो बार्सिलोना के पास ट्रॉफी जीतने का अगला मौका अगले वीकेंड में एल क्लासिको में होगा।

बार्सिलोना ने 81वें मिनट में गोल किया जब रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने मार्कस रैशफोर्ड के क्रॉस को गोल में बदला, और फेरान टोरेस ने पांच मिनट बाद फर्मिन लोपेज की थ्रू बॉल को गोल में भेजा। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, राउल गार्सिया ने 88वें मिनट में हेडर से एक गोल किया, लेकिन बार्सिलोना ने अपनी पकड़ बनाए रखी और अगर रियल मैड्रिड रविवार को एस्पेनयोल से नहीं जीतता है, तो बार्सिलोना चैंपियन बन जाएगा। विलारियल ने चैंपियंस लीग में जगह पक्की की और लेवांटे पर 5-1 से घरेलू जीत के साथ तीसरा स्थान पक्का करने के और करीब पहुंच गया, जिससे मेहमान टीम की बचने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा।

जॉर्जेस मिकौताद्ज़े ने एक कमजोर बैक पास का फायदा उठाकर स्कोरिंग शुरू की, और हालांकि कार्लोस एस्पी ने 51वें मिनट में बराबरी कर ली, लेकिन अल्बर्टो मोलेइरो ने एक घंटे के बाद ही विलारियल की बढ़त वापस ला दी। मिकौताद्ज़े ने अपना दूसरा गोल किया, इससे पहले ताजोन बुकानन और निकोलस पेपे के आखिरी गोल ने जीत पूरी कर दी।

मार्टा कोस्त्युक ने मैड्रिड ओपन का खिताब जीता

मैड्रिड, एजेंसी। यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक ने रूस की मीरा एंड्रीवा को सीधे सेटों में हराकर मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब जीता।

कोस्त्युक ने फाइनल में पहले सेट में संघर्ष करने के बाद एंड्रीवा को 7-5, 6-3 से हराया।

रूस ने 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण किया था और तब से उनके बीच युद्ध चल रहा है। यही कारण था कि दोनों खिलाड़ियों ने मैच के बाद नेट पर हाथ नहीं मिलाया और ना ही पुरस्कार समारोह में एक साथ फोटो खिंचवाई। विश्व में 23वीं रैंकिंग की खिलाड़ी कोस्त्युक मैच जीतने के बाद क्ले कोर्ट पर गिर पड़ीं और अपने चेहरे पर हाथ रख लिया। बाद में उन्होंने दर्शकों की तालियों के

सीन एबॉट ने बयां किया फिलिप ह्यूज़ की मौत का दर्द

- **सीन एबॉट अपने दोस्त फिलिप ह्यूज़ की दर्दनाक मौत को याद कर एक बार फिर भावुक हो गए**

नई दिल्ली, एजेंसी।

सीन एबॉट अपने दोस्त फिलिप ह्यूज़ की दर्दनाक मौत को याद कर एक बार फिर भावुक हो गए। यह घटना कई बार उन्हें भावुक कर देती हैं। क्रिकेट इतिहास के सबसे डरावने और रूह कंपा देने वाले पलों में ऑस्ट्रेलिया के उभरते स्टार फिलिप ह्यूज़ की दर्दनाक मौत को हमेशा याद किया जाता है, जो 25 नवंबर 2014 को सीन एबॉट के एक बाउंसर के कारण हुई थी। सिडनी में एक घरेलू मैच के दौरान यह घातक घटना घटी, जब एबॉट की गेंद ह्यूज़ की गर्दन के पास लगी, जिससे उनकी धमनी को चोट पहुंची और दो दिन बाद सेंट विंसेंट अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई। इस त्रासदी ने दुनिया भर के खेल प्रेमियों को झकझोर कर रख दिया था। इस घटना का सबसे गहरा असर गेंदबाज़ सीन एबॉट पर पड़ा था। वे कई महीनों तक ह्यूज़ की मौत के सदमे में रहे, और उस पल की यादें उनके मन में गहराई तक बस गईं। एबॉट ने उस भयानक पल को याद करते हुए लिखा था कि उन्हें लगा था कि फिलिप ने शॉट खेलने में थोड़ी जल्दी कर दी थी। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है फिलिप ने शॉट खेलने में थोड़ी जल्दी कर दी थी। अगर बल्लेबाज़ शॉट में जल्दी करता है तो लगता है कि गेंद उतनी तेज़ नहीं थी जितनी उसने सोची थी। मुझे याद नहीं कि गेंद तेज़ थी या धीमी। शायद उस दिन पिच थोड़ी धीमी थी। एससीजी की पिच ऐसी ही होती है।"

एबॉट ने अपने दर्द को व्यक्त करते हुए बताया कि उन्होंने उस दिन क्या महसूस किया: "जब फिलिप को गेंद लगी, मैंने देखा कि वे लड़खड़ाने लगे और मैं पिच के दूसरे छोर पर दौड़ा। अपने बाएं हाथ से उनके सिर के दाहिने हिस्से को पकड़ा। मैं मैदान पर तब तक रहा जब तक फिलिप को मेडिकैब पर नहीं ले जाया गया और फिर चेंज रूम में लौट आया। चेंज रूम में पहुँचकर मैं बहुत उलझन और दुखी महसूस कर रहा था, सिर में दर्द था। लोग मेरे पास आ रहे थे लेकिन मुझे याद नहीं कि उन्होंने क्या कहा। सब कुछ धुंधला सा लग रहा था। बहुत थका हुआ महसूस कर रहा था। ये भावनाएँ अगले कुछ दिनों तक मेरे साथ रहीं।

'लक्ष्य की कमी महसूस हुई, फ्रांस का पलड़ा पूरी तरह भारी रहा': विमल कुमार

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय बैडमिंटन टीम के पूर्व मुख्य कोच विमल कुमार ने कहा कि थॉमस कप सेमीफाइनल में भारत की 3-0 की हार में भारतीय स्टार शटलर लक्ष्य सेन की कमी महसूस हुई। कुमार ने भारत को हराकर फाइनल में जगह बनाने वाली फ्रांस टीम के शानदार प्रदर्शन की भी तारीफ की।

विमल कुमार ने एक्स पर लिखा, "फ्रांस ने आज भारत को पूरी तरह से हरा दिया। लक्ष्य की कमी जरूर अहम मौकों पर महसूस हुई। फिर भी, यह नतीजा दिखाता है कि फ्रांस एक बैडमिंटन देश के तौर पर कितना आगे बढ़ा है। वे तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और सबसे ऊंचे लेवल पर अधिकार के साथ मुकाबला कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "आगे देखें तो, वे फाइनल में पक्का भरोसा लेकर जाएंगे, खासकर अगर यह चीन के खिलाफ हो। जिस फॉर्म में वे हैं, उनके पास इसे एक करीबी मुकाबला बनाने का पूरा मौका है। क्रिस्टो पोपोव लगातार एक शानदार परफॉर्मर रहे हैं।

पिछले सीजन में साल के आखिर में फाइनल जीतना और इतना शानदार परफॉर्मेंस देना—जैसे इंडोनेशिया के खिलाफ उनका शानदार प्रदर्शन, जहां उन्होंने जोनाथन क्रिस्टी को आसानी से हराया—यह दिखाता है कि वह कोर्ट पर कितना कॉन्फिडेंस और क्वालिटी ला रहे हैं। पूर्व कोच ने कहा कि 2022 के चैंपियन भारत में पूरी क्षमता है। वे फिर से इकट्ठा होकर और मजबूत होकर वापस आएंगे।

आईपीएल — मुंबई इंडियंस को क्वालीफाई करने के लिए बाकी बचे सभी मैच जीतने होंगे

मुंबई और लखनऊ के बीच मैच में हार्दिक और सूर्यकुमार पर होगी निगाह

मुंबई, एजेंसी।

मुंबई इंडियंस को यदि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अगर मगर की कठिन डगर की उम्मीदें जीवंत रखनी हैं तो सबसे निचले पायदान पर काबिज लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मुकाबले में उसके कप्तान हार्दिक पंड्या और प्रमुख बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

पंड्या (146 रन और चार विकेट) और सूर्यकुमार (186) का अब तक का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है, जिससे मुंबई को काफी नुकसान हुआ है। विशेषकर तब

जबकि पूर्व कप्तान रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण नहीं खेल पा रहे हैं। वह हालांकि अब वापसी की राह पर हैं।

पांच बार की आईपीएल विजेता मुंबई इंडियंस नौ मैचों में सिर्फ दो जीत के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। उसकी आईपीएल प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदें लगभग खत्म हो चुकी हैं।

मुंबई को अगर मगर से क्वालीफाई करने की उम्मीद बनाए रखने के लिए अपने बाकी बचे सभी मैच जीतने होंगे और साथ ही अन्य टीम के परिणाम भी अपने अनुकूल रहने के लिए प्रार्थना करनी होगी।

टीम इस प्रकार हैं:

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, कृष भगत, केशव महाराज, मयंक मारकंडे, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा।

लखनऊ सुपर जाइंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, अक्षत रघुवंशी, आयुष बडोनी, मुकुल चौधरी, हिम्मत सिंह, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), अर्शिन कुलकर्णी, जॉर्ज लिंडे, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, अवेश खान, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान, एनरिक नोर्किया, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, मणिमारन सिद्धार्थ, अर्जुन तेंदुलकर, नमन तिवारी, मयंक यादव।

उसके प्रमुख खिलाड़ी अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। मुंबई के खराब प्रदर्शन से हार्दिक की कप्तानी भी सवालों के घेरे में आ गई है। रणनीति के मामले में वह पूरी तरह नाकाम रहे हैं।

मुंबई के बल्लेबाज एकजुट होकर प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जबकि हार्दिक का बल्ले और गेंद दोनों से साधारण प्रदर्शन रहा है। गेंदबाजी में हार्दिक का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है, लेकिन उनकी बल्लेबाजी में काफी सुधार की जरूरत है।

सूर्यकुमार अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में तब्दील करने में नाकाम रहे हैं, जो वास्तव में चिंता का विषय है क्योंकि अब वह पहले की तरह गेंदबाजों पर हावी नहीं हो पा रहे हैं। भारत की टी20 टीम के कप्तान ने 2025 में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। उन्होंने 2026 की अच्छी शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उनका बल्ला नहीं चल पाया। वह न तो पूरी तरह से फॉर्म से बाहर नजर आ रहे हैं और ना ही वह क्रीज पर लंबा समय बिता पाए हैं। मुंबई इंडियंस और एलएसजी का इस सत्र में प्रदर्शन एक जैसा रहा है। यह दोनों ही टीमें बल्लेबाजों की सामूहिक विफलता से जूझ रही हैं, जिसने अंतिम चार में पहुंचने की उनकी संभावनाओं को काफी हद तक धूमिल कर दिया है।

एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। उनकी टीम लगातार पांच मैच हारकर अंक तालिका में सबसे नीचे खिसक गई है।

गर्मियों में सेहत के लिए वरदान है पुदीना

भीनी-भीनी सी सुगंध वाले पुदीने में कई औषधीय गुण होते हैं। यह विटामिन से भरपूर होने के कारण शरीर के लिए काफी बढिया होता है। पुदीना न केवल हमारे शरीर को निरोग रखता है बल्कि हमारे चेहरे की खूबसूरती को भी बढ़ाने में मदद करता है। आप चाहे तो इसे अपने घर पर भी पौधे के रूप में लगा सकती हैं। गर्मियों के दिनों में तो यह और भी फायदेमंद होता है। आइए इसके फायदे जानें...
1. पुदीने की पत्तियों को पीसकर इसका लेप माथे पर लगाने से सिर दर्द में आराम मिलता है। 2. पुदीना,तुलसी,अदरक और काली मिर्च को मिलाकर काढ़ा बना लें। जब पेट में गैस की शिकायत हो तो इस काढे का सेवन करें। लगातार इसका सेवन करने से गैस की समस्या जड़ से ही खत्म हो जाती है। 3. पुदीने की पत्तियों के चूर्ण को मिश्री के साथ मिलाकर खाने से पेट दर्द में आराम आ जाता है। 4. पुदीने के ताजे रस के सेवन से सर्दी और कफ में आराम मिलता है। 5. पुदीने और तुलसी की पत्तियों को मिलाकर काढा बनाएं। इस काढे को बुखार में पीने से बुखार जल्दी ही उतर जाता है।

जिंदगी में समस्याओं को उलझाएं नहीं बल्कि इस तरह सुलझाएं

एक व्यक्ति कहीं जा रहा था उसे हार्ट अटैक आ गया लेकिन वो बच गया। इस घटना के बाद उसे हर बात से डर लगने लगा। वह मनोवैज्ञानिक के पास गया और बोला, अज्ञात भयों के कारण मेरे जीवन में आनंद नहीं रह गया है। हर समय डर में जी रहा हूं। यह सुनकर मनोवैज्ञानिक बोले, मैं अपने जीवन का एक प्रसंग सुनाता हूं। मुझे पढ़ने का बहुत शौक है और मेरे पास में ऐसी बहुत सी किताबें हैं, जिनसे मुझे बहुत प्यार है। लेकिन एक दिन घर में एक चूहा आ गया, जो मेरी किताबें चोरी से कुतर देता। मैंने बहुत उपाय किए, लेकिन चूहे को नहीं भगा पाया। मेरी रातों की नींद गायब हो गई।
थोड़ा रुककर वह बोले, वह छोटा सा चूहा मेरे मन में दानव का आकार ले लेता, इसके पहले ही मैंने जरूरी किताबें मजबूत अलमारी में बंद कर दीं और फालतू चूहे के लिए छोड़ दीं। इस तरह मैं अपने डर से मुक्त हो गया। वरना मेरा डर अभी तक राक्षस बन गया होता।
संक्षेप में : समस्या जब छोटी हो, उसी समय उसे धैर्य और समझदारी से सुलझा लेना चाहिए। बाद में वही समस्या बड़ी हो जाती है और आपकी तमाम और परेशानियों की वजह बनती है।

स्वास्थ्य

डियो-परफ्यूम नहीं, ऐसे गायब करें पसीने की बदबू

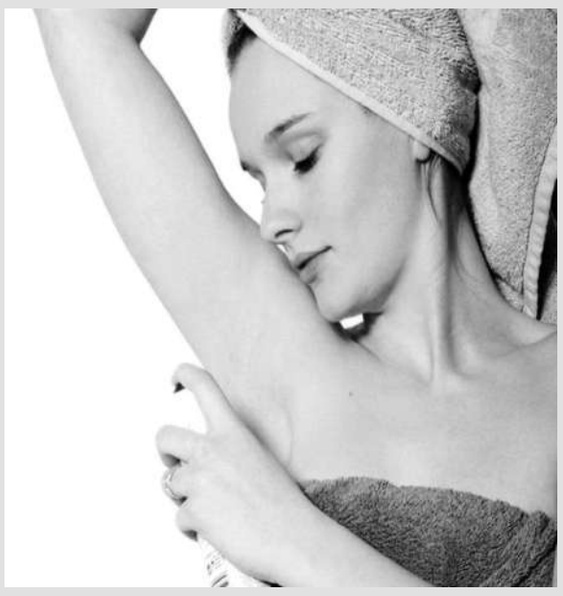

गर्मिया शुरू हो चुकी है। ऐसे में पसीना आना आम बात है लेकिन अंडरआर्म की बदबू हमे गंदगी के साथ शर्मिंदगी का भी एहसास करवाती है। ज्यादातर लोग अंडरआर्म की बदबू को दूर करने के लिए डियो या परफ्यूम का इस्तेमाल करते हैं, जिनका ज्यादा इस्तेमाल नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए डियो या परफ्यूम से पसीने की बदबू दूर करने के बजाएं, घरेलू तरीकों का इस्तेमाल करें। आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू तरीके बताएंगे, जिनसे पसीने की बदबू से छुटकारा मिला काफी आसान है।

1. अंडरआर्म को रखें साफ

अंडरआर्म के बाल समय-समय पर साफ करते रहें, ताकि इस एरिया में बैक्टीरिया और कीटाणुओं का वास न हो। गर्मी में पसीना आने के कारण नैचुरल पोर्स होता पसीने को सोख लेता है, जिससे उस हिस्से में बैक्टीरिया अपना घर बना लेते है।

2. विनेगर

विनेगर पसीने की बदबू को दूर करने में सहायक है। आप एप्पल साइडर या व्हाइट विनेगर का इस्तेमाल कर सकते है। इसको लगाने से स्किन का पीएच लेवल कम करके त्वचा के पोर्स खोलता है।

3. बेकिंग सोडा

बेकिंग सोड़ा बॉडी से पसीने को कम करके शरीर को कई घंटो तक बदबू से दूर रखता है। 1 चम्मच बेकिंग सोडा को ताजे नींबू के रस में मिलाएं और जिस जगह पर ज्यादा पसीना आता है वहां लगाएं।

4. नींबू का रस

नींबू स्किन के पीएच लेवल को भी कम करता है। साथ ही नींबू के रस का इस्तेमाल करने से बैक्टीरिया नहीं पनपते। अपने पसंदीदा परफ्यूम लगाने से पहले, प्रॉब्लम एरिया में नींबू का रस लगाएं।

5. खुद को रखें साफ

गर्मी में अपने आप को पसीने की बदबू से बताने का यह सबसे अच्छा ऑप्सन है। बदबू बैक्टीरिया के कारण होती है। ऐसे में शरीर की साफ-सफाई बहुत जरूरी है।

इस एक प्राणायाम से छूमंतर करें पेट की चर्बी

बिजी लाइफस्टाइल के चलते लोग अपने खानपान का ध्यान नहीं रखते, जिससे कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आजकल अधिकतर लोग मोटापे और डायबिटीज की समस्या से परेशान है। यदि आप इस समस्या से निजात पाना चाहते हैं तो बस शुरू करें करना यह एक प्राणायाम कपाल- भाति।

इस प्राणायाम से पेट की चर्बी कम होती है। इसके लिए, सबसे पहले पद्मासन या सुखासन जैसे आसन में बैठ जाएं। कमर व गर्दन को सीधा कर लें। इस समय छाती आगे की ओर उभरी रहेगी। हाथों को घुटनों पर ज्ञान मुद्रा में रख लें। आंखें बंद करके आराम से बैठ जाएं व ध्यान को सांसों पर ले जाएं। पेट ढीली अवस्था में होगा। अब कपालभाति प्रारंभ करें।

इसके लिए नाभि से नीचे के पेट को पीछे की ओर पिचकाएं या धक्का दें। इसमें पेट की मांसपेशियां संकुचित होंगी।साथ ही, सांस को नाक से बलपूर्वक बाहर की ओर फेंकें, इससे सांस के बाहर निकलने की आवाज भी पैदा होगी। अब अंदर की ओर दबे हुए पेट को ढीला छोड़ दें और सांस को बिना आवाज भीतर जाने दें। सांस भरने के लिए जोर न लगाएं, वह स्वयं ही अंदर जाएगी। फिर से पेट अंदर की ओर दबाते हुए तेजी से सांस बाहर निकालें।

आप इस प्राणायाम को सुबह के समय खाली पेट कर सकते हैं। आप इसे 1 मिनट में कम से कम 60 बार कर सकते हैं। आप इसे 5 मिनट से शुरू करके 15 मिनट तक बढ़ा सकते हैं। यह मोटापा तो कम करता ही है साथ ही डायबिटीज के मरीजों के लिए भी काफी फायदेमंद है। इसे रूटीन में करने से उनका शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। लेकिन इस प्राणायाम को करते हुए ध्यान दें कि आप इसे बहुत तेजी से न करें और इसको करते हुए आपके कंधे भी न हिलें।

वास्तु

निगेटिव एनर्जी को घर से दूर रखती हैं ये मूर्तियां

यदि आपको लगता है कि आपके घर में पॉजिटिव एनर्जी कम है तो आप फेंगशुई की मदद ले सकते हैं. हालांकि फेंगशुई के ऐसे कई गैजेट्स हैं, जो घर में सुख-शांति व सकारात्मक ऊर्जा के लिए प्रयोग में लाए जाते हैं, लेकिन फु डॉग का पेयर इनसे थोड़ा अलग है.

यह शेर की आकृति में आताहै और देखने में भी आकर्षक लगता है. आपअपने घर में इसे जगह देकरपॉजिटिव एनर्जी को बढ़ा सकते हैं.

- ताइपेई के नेशनल पैलेस म्यूजियम और अन्य दूसरे स्मारकों के बाहर एक फु डॉग की विशाल प्रतिमा लगी है, जिसे चीनी परंपरा का निर्वाहक माना जाता है. माना जाता है कि ये प्रतिमाएं नकारात्मक ऊर्जा से आपके घर कोदूर रखती हैं. इसे हमेशा जोड़े में ही लगाया जाना चाहिए.

-यदि मैटल की संभव न हो तो आप इसे लकड़ी या फाइबर की भी बनवा सकते हैं. इनका आकार भी आप अपनी सुविधा के अनुसार रख सकते हैं.इनमें बायां और दायां पीस अलग होता है.

-इसे फु डॉग के अलावा गार्जियन लॉयन भी कहा जाता है और कमरे केबाहर की ओर लगाया जाता है.

-आप इसे अपने बिजनेस प्लेस के दरवाजों पर भी लगवा सकते हैं. ऐसाकरने से आपके बिजनेस में बढ़ोतरी होती है.

-फु डॉग के अलावा आप घर में सकारात्मक ऊर्जा के लिए ड्रैगन,गोल्ड फिश, तीन पैरों वाला मेढक, चमगादड़, सारस, कछुए और हाथी की मूर्तियां भी लगवा सकते हैं. सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले जानवर ड्रैगन और फु-डॉग हैं. जहां ड्रैगन को घर या ऑफिस के भीतर जगह दी जाती है, वहीं फु-डॉग को दरवाजे पर बाहर की ओर प्रहरी के रूप में लगाया जाता है.

गर्मियों में ऐसे करें बालों की देखभाल, नहीं होगा नुकसान

गर्मियों का मौसम बाहर घूमने-फिरने जाने के लिए मुफीद समय माना जाता है. समुद्र तट पर अठखेलियां करने का यह बेहतर समय होता है, लेकिन तेज धूप से न सिर्फ त्वचा को बचाने की जरूरत है, बल्कि आपके बालों को भी बचाने की जरूरत है. गर्मी के दुष्प्रभावों से बालों को बचाने के लिए बालों में तेल लगाएं और उसे धोएं कम और जूड़ा बनाए रखें. टीजी की हेयर एजुकेटर और काया लिमिटेड की उपाध्यक्ष व प्रमुख संगीता वेलासकर ने गर्मियों में बालों को खूबसूरत बनाए रखने के संबंध में ये सुझाव दिए हैं=

» गर्मियों मे तेज धूप निकलने के दौरान बालों को किसी खास स्टाइल में मोड़ने वाले हीट प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से बचें, क्योंकि इससे आपके बालों को नुकसान पहुंच सकता है.

» रात में अपने रूखे, उलझे बालों पर पर लीव-इन कंडीशनर लगाकर तौलिया लपेटकर छोड़ दें. सुबह आपको मुलायम और सुलझे बाल मिलेंगे.

» नारियल, जैतून और एवोकैडो तेल आसानी से बालों में समा जाते हैं. बालों को शैम्पू करके बालों की जड़ों से लेकर सिरों तक अच्छे से तेल लगाकर मसाज करें और फिर बाल धोकर कंडीशन करें. इससे आपके बाल मुलायम होंगे और बालों को नमी भी मिलेगी.

» गर्मियों के दौरान बालों को गर्मी के साथ ही तेज धूप और पसीने का सामना करना पड़ता है, इसलिए बालों में नमी बरकरार रखना बेहद जरूरी है, ऐसे में हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बालों को सुरक्षित रखने के लिए हीट प्रोटेक्टर हेयर स्प्रे का इस्तेमाल लाभदायी होगा. यह बालों की नुकसान पहुंचने से भी बचाता है.

» बाल ज्यादा धोने से स्कैल्प में मौजूद प्राकृतिक तेल निकल सकते हैं, जिससे बाल रुखे हो सकते हैं और आपको बार-बार बाल धोने की जरूरत महसूस हो सकती है. किसी बीच पर या पूल में जाने के बाद शॉवर चलाकर सामान्य रूप से बाल को धोएं. रेगुलर शैम्पू के बजाय नेचुरल ड्राई शैम्पू का इस्तेमाल करें.

» हेयर ब्रश के बजाय चौड़े दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल करें, गीले बालों में कंघी नहीं करें या इसे जोर से खींचे नहीं, क्योंकि इससे बाल टूटने की संभावना बढ़ जाती है.

सौंदर्य

होममेड एलोवेरा साबुन से पाएं गजब का निखार

एलोवेरा का जूस हो या जैल यह सेहत और खूबसूरती निखारने के लिए बहुत फायदेमंद है। इसे चेहरे और बालों दोनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे त्वचा का रूखापन, मुंहासे और दाग-धब्बे दूर होते हैं। बालों की जड़ों में भी एलोवेरा जैल लगाने से यह घने और मजबूत होते हैं। कई लोग घरों में भी एलोवेरा का पौधा लगाते हैं। इसके पौधे से निकले जैल का इस्तेमाल करके घर पर ही एलोवेरा साबुन बना सकते हैं। आइए जानिए घर पर इसे कैसे बनाया जाए।

सामग्री -

एलोवेरा पल्प - 110 ग्राम
कास्टिक सोडा - 110 मिली
जैतून का तेल - 750 मिली
पानी - 250 मिली
खुशबू वाला तेल - आवश्यकता अनुसार

साबुन बनाने की विधि -

» पानी को उबाल कर इसे एक प्लास्टिक के कंटेनर में डालें।

» इस कंटेनर में कास्टिक सोडा मिलाकर अच्छे से हिलाएं और 1 घंटे के लिए ठंडा होने के लिए रख दें।

» एलोवेरा पल्प को अच्छे से मैश करें और दूसरी तरफ जैतून के तेल को 5 मिनट तक गर्म करने के लिए रख दें।

» पानी और कास्टिक सोडा का मिश्रण जब ठंडा हो जाए तो उसमें जैतून का तेल डालें और गाढ़ा होने तक इसे एक ही दिशा में हिलाते रहें।

» अब इस मिश्रण में एलोवेरा जैल मिलाएं और इसके सेट होने पर खुशबू के लिए लैवेंडर या गुलाब की सुंगध का तेल डाल सकते हैं।

» जब सारा मिश्रण एक समान हो जाए तो इसे सांचें में डालें और जमने के लिए खुली हवा में रख दें।

» एक दिन के बाद जब यह ठोस हो जाए तो इसे साबुन के आकार में काट लें लेकिन इसे 15-20 दिन के बाद ही इस्तेमाल करें जब तक यह अच्छे से न बन जाए।

30 उम्र पार कर ली है तो इन 5 बीमारियों के संकेतों को पहचानें

20 से 28 वर्ष की उम्र जोश व उत्साह से भरी होती है, लेकिन 30 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते सेहत के प्रति लंबे वक्त से चल रही अनदेखी के कारण कई प्रकार की बीमारियां पनपने लगती हैं। गाइनेकोलॉजिस्ट और ऑब्सट्रेशियन डॉ. ज्योति बाली बताती हैं कि 30 की उम्र पार करते ही महिलाओं में अनियमित पीरियड्स, पीसीओडी, थायरॉइड जैसी बीमारियां हमला करने लगती हैं। इसके अलावा कैल्शियम की कमी भी महिलाओं में इस उम्र के बाद आमतौर पर देखने को मिलती है। 30 के बाद और कौन-कौन सी बीमारियां महिलाओं को परेशान करती हैं, आइए जानें-

बच कर रहें पीसीओडी से

पॉलिसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम के कारण शरीर में तेजी से हारमोन से जुड़े बदलाव होते हैं। इसके कारण अंडे पैदा करने और गर्भधारण के लिए गर्भाशय को तैयार करने की प्रक्रिया प्रभावित होती है। यह समस्या देश में प्रजनन आयु वाली करीब 10 प्रतिशत महिलाओं में पाई जाती है। पीसीओडी में ओवरी (अंडाशय) में थैलीनुमा कोश उभर आते हैं, जिसमें एक तरल पदार्थ भरा होता है। पीसीओडी से ग्रस्त मरीज में हार्मोन का स्तर असामान्य हो जाता है। इस बीमारी से पीड़ित महिलाओं के शरीर में अत्यधिक मात्रा में इंसुलिन भी बनने लगता है, जिसकी वजह से उनके शरीर में पुरुष हार्मोन एस्ट्रोजन का उत्पादन बढ़ने लगता है। उनके चेहरे पर पुरुषों की तरह बाल आने लगते हैं।

स्तन की करें नियमित जांच

30 साल की आयु के बाद महिलाओं के स्तन में अमूमन गाठें बन जाती हैं। जरूरी नहीं है कि स्तन में बनने वाली हर गांठ कैंसर की ओर ही इशारा कर रही हों। पर,यह कैंसर का शुरुआती संकेत जरूर है। भारत में हर 28 में एक महिला को ब्रेस्ट कैंसर होने का खतरा होता है। इस बीमारी से बचने के लिए नियमित रूप से अपने स्तन की जांच करें। सही समय पर पता लगने से इस बीमारी का इलाज संभव है।

एंड्रोमेट्रियॉसिस

एंड्रोमेट्रियॉसिस बीमारी में महिला के गर्भाशय यानी यूट्रस की बाहरी परत बनाने वाला उत्तक यानी टिश्यू असामान्य रूप से बढ़कर शरीर के अन्य अंगों जैसे अंडाशय, फेलोपियन ट्यूब और अन्य आंतरिक अंगों तक फैल जाता है। इस बीमारी से पीड़ित महिला को जब पीरियड होता है तो ये टिश्यू टूट जाते और इनमें घाव हो जाता है परिणामस्वरूप पीरियड के वक्त उन्हें असहनीय दर्द होता है। यह परेशानी उन्हें हर माह झेलनी पड़ती है। इस बीमारी के कारण गर्भधारण की क्षमता भी कई बार प्रभावित हो जाती है। जांच, हार्मोन ट्रीटमेंट और सर्जरी के माध्यम से इस बीमारी का इलाज किया जाता है।

थाइरॉएड प्रभावित करता है वजन

थाइरॉएड एक बहुत ही महत्वपूर्ण ग्लैंड होता है, जो तितली के आकार का होता है। यह गले के सामने और श्वास नली के ऊपर एवं स्वर यंत्र के दोनों तरफ दो भागों में बंटा होता है। थाइरॉएड ग्रंथि शरीर में हार्मोन का स्राव करती है और मेटाबॉलिज्म को भी नियंत्रित करती है। हम जो भी खाना खाते हैं, उसको यह थाइरॉएड ग्रंथि शरीर के लिए उपयोगी ऊर्जा में बदलती है। थाइरॉएड ग्रंथि से निकलने वाले हार्मोन शरीर की लगभग सभी क्रियाओं पर अपना प्रभाव डालते हैं। ब्लड टेस्ट से थाइरॉएड से जुड़ी परेशानी का पता लगाया जाता है।

बच्चे की नजर तेज करने के लिए अपनाएं ये तरीके!

बदलते लाइफस्टाइल और खानपान की वजह से आंखों की नजर कमजोर होना एक आम समस्या बनती जा रही है। बड़े तो बड़े, आज छोटी उम्र के बच्चों को भी चश्मा लग जाता हैं क्योंकि ज्यादातर बच्चे अपना समय कंप्यूटर, विडियो गेम, मोबाइल फोन में निकाल देते हैं। इसी वजह से बच्चों की नजरे उम्र से पहले ही कमजोर हो जाती है। ऐसे में बच्चों के खान-पान और उनकी आदतों में सुधार करना बहुत जरूरी है। आज हम आपको कुछ घरेलू तरीके बताएंगे, जिनको आजमाने से बच्चे की आंखों की रोशनी होगी तेज।

1. गाजर का जूस

कमजोर आंखों के लिए गाजर का जूस बैस्ट है क्योंकि इसमें विटामिन ए होता है, जो आंखों के लिए फायदेमंद साबित होता है। इसलिए रोजाना अपने बच्चे को एक गिलास गाजर का जूस पिलाएं।

2. मक्खन

एक कप गर्म दूध मे 1/4 छोटा चम्मच मक्खन, आधा चम्मच मुलेठी पाऊडर और 1 चम्मच शहद को अच्छी तरह मिलाएं। बच्चों को रोज रात को सोने से पहले पिलाएं। इससे आंखों की रोशनी तेज होगी।

3. इलायची

दूध को उबालकर इसमें 2 छोटी इलायची पीसकर डाल दें। रात को बच्चे को पीने के लिए दें। इससे आंखे स्वस्थ और नजर तेज रहेंगी।

4. हथेली

बच्चों को हाथों की हथेली आपस में रगड़ने के लिए कहें जब तक वे गर्म न हो जाए। फिर उन हथेलियों से आंखों को ढ़कने के लिए कहें। इससे आंखों की मांसपेशियों का आराम मिलेगा और नजर तेज होगी।

5. आहार

बच्चे के आहार में विटामिन ए से भरपूर चीजों को शामिल करें। जैसे कि पपीता, संतरा, पालक, धनिया, आलु, और मांसाहारी भोजन अन्य आदि। इससे उनके स्वास्थ्य और आंखें दोनों को फायदा मिलेगा।

रेसिपी

घर में ही आसानी से बनाएं काजू-पिस्ता

» फूल क्रीम दूध
» पाउडर चीनी -70 ग्राम
» काजू - 15
» छोटी इलायची - 3
» पिस्ता - 14

विधि

ये आइसक्रीम बनाने के लिए सबसे पहले दूध को गर्मम करें। दूध को जब तक गर्म करें जब तक कि वह गाढ़ा न हो जाए। अब इसमें पिसे हुए अखरोट, काजू और पिस्ता डाल दें। इसके बाद इलायची और चीनी को इसमें डालकर इस मिश्रण को गाढ़ा होने तक पकाएं।

इसके बाद जब मिश्रण गाढ़ा हो जाए तो इसे ठंडा होने दें औरइसके बाद आइसक्रीम कंटेनर में रखकर फ्रीजर में रख दें। कतरे हुए काजू और पिस्ता के साथ सर्व करें

मॉर्निंग ब्रेकफास्ट में बनाएं ओट्स उपमा

ओट्स 1 कप
मटर आधा कप
बीन्स आधा कप
पत्तागोभी आधा कप (कद्दूकस की हुई)
प्यास 2 (बारीक कटा)
अदरक 1 इंच (बारीक कटा)
हरी मिर्च 4-5 (बारीक कटी)
चना दाल 2 चम्मच
सरसों का दाना 2 छोटा चम्मच
जीरा 2 छोटा चम्मच
ऑलिव ऑयल 2 चम्मच
नमक चुटकी भर
पानी 2 कप

धनिया पत्ता मुट्ठी भर
करी पत्ता थोड़ा सा

विधि

एक पैन में मध्यम आंच पर तेल गर्म करें और उसमें सरसों के दाने, जीरा और चना दाल डालकर तब तक फ्राइ करें जब तक सरसों फूटने न लगे।

» अब इसमें बारीक कटा प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें।
» हरी मिर्च और अदरक डालकर 4 से 5 मिनट तक पकाएं।
» कटी हुई सारी सब्जियां और पानी डालकर उबाल आने तक पकाएं।
» अब इसमें ओट्स और नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं और पैन को कवर लगाकर ढक दें। गैस को धीमी आंच पर कर दें और ओट्स को पकन दें।
» गर्मा गर्म ओट्स उपमा को हरी चटनी के साथ सर्व करें।

सर्वाइकल कैंसर है एक बड़ा खतरा

पूरी दुनिया में 10 में से एक महिला सर्वाइकल कैंसर की शिकार होती है। भारत में जागरूकता और इलाज की कमी की वजह से यह बीमारी जानलेवा साबित हो रही है। इसे बच्चादानी, गर्भाशय या फिर यूट्राइन सर्विक्स कैंसर भी कहा जाता है। सर्वाइकल कैंसर ह्यूमन पैपीलोमा वायरस (एचपीवी) के कारण होता है। इसके अधिकांश मामले 40 साल या इससे ज्यादा उम्र की महिलाओं में देखे गए हैं। पर, ऐसा भी नहीं है कि 40 से कम उम्र की महिलाओं को यह बीमारी अपना शिकार नहीं बनाती। पैप स्मीयर टेस्ट से समय रहते इस बीमारी के बारे में पता लगाया जा सकता है।

बॉलीवुड में खुद को अच्छा एक्टर बताने के लिए देने होते हैं पैसे

निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने हाल ही में अपने लोकप्रिय टीवी शो 'कॉफी विद करण' के नए सीजन की घोषणा की। इससे शो के फैंस काफी उत्साहित हैं। अब निर्माता ने इंडस्ट्री में होने वाले पेड पीआर को लेकर बात की। उन्होंने पेड पीआर कल्चर को बंद करने की बात कहते हुए कहा कि बॉलीवुड को अपने काम को ही बोलने देना चाहिए और प्रचार-प्रसार कम करना चाहिए।

हाल ही में एक चर्चा में करण जौहर शामिल हुए। यहां एक कंटेस्टेंट ने जाह्नवी कपूर और शनाया कपूर जैसी अभिनेत्रियों द्वारा अपनी हालिया फिल्मों 'परम सुंदरी' और 'तू या मैं' के लिए 'मेथड मार्केटिंग' करने का जिक्र किया। उन्होंने पूछा कि क्या पीआर का यह चलन बॉलीवुड में भी फैल सकता है?

इस पर करण ने जवाब दिया कि मुझे लगता है कि बॉलीवुड को पीआर करना बंद कर देना चाहिए। यह कहीं बेहतर होगा। उन्हें अपनी उपलब्धियों को खुद बोलने देना चाहिए क्योंकि दुर्भाग्य से आजकल सारा पीआर पेड पीआर ही है। इसलिए अगर आप यह कहना चाहते हैं कि आप खूबसूरत दिख रहे हैं, तो आपको पैसे देने होंगे। अगर आपको यह कहना है कि आप धरती पर सबसे अच्छे अभिनेता हैं, तो आपको पैसे देने होंगे। मुझे लगता है कि पीआर के मामले में हम हद से ज्यादा सक्रिय हैं। इसलिए, वे मेथड मार्केटिंग कर रहे हैं या नहीं, यह मायने नहीं रखता। उन्हें खुद की मार्केटिंग करना बंद कर देना चाहिए और अपने काम को बोलने देना चाहिए।

यहां हर चीज पैसे देकर मिलती है

इस दौरान करण ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका निशाना कोई खास कलाकार नहीं था, बल्कि वे आम चलन की बात कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि मेरा मतलब उन लोगों से नहीं है, जिनके बारे में आप बात कर रहे हैं। मेरा मतलब आम तौर पर सभी से है। पीआर और मार्केटिंग काम की महत्वपूर्ण कैटेगरी हैं और इन्हें उसी के हिसाब किया जाना चाहिए। किन अब हर चीज पैसे देकर मिलती है और यह बात बेहद परेशान करने वाली हो सकती है। क्योंकि तब आप यह अंदाजा नहीं लगा सकते कि क्या लोगों को पसंद आ रहा है और क्या नहीं। अब आप हर चीज को इस नजरिए से देखते हैं, 'क्या लोग सच में इसे पसंद कर रहे हैं या उन्हें पसंद करने के लिए पैसे दिए गए हैं?'

चित्रांगदा ने सलमान खान के ऑन सेट व्यवहार का किया खुलासा; झूठी अफवाहों को किया खारिज

सलमान खान की आगामी फिल्म 'मातृभूमि' की रिलीज फिलहाल टल गई है। इसी वजह से फिल्म कई दिनों से चर्चाओं में बनी हुई है। लेकिन फिल्म के टॉपिक को देखते हुए इसे स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज करने की खबरें सामने आ रही हैं। अब एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह ने सलमान खान को लेकर कुछ बड़े खुलासे किए हैं। जानिए उन्होंने क्या कहा।

सलमान के साथ काम करने के अनुभव को किया शेयर

सलमान के साथ काम करने को लेकर चित्रांगदा ने कहा, 'फिल्म बहुत मेहनत से बनाई है, दिल से बनाई है। लोग सलमान के बारे में बहुत बातें करते हैं कि वो ऐसे हैं, वैसे हैं। मुझे भी इस बारे में काफी अफवाहें मिली थी। जैसे मुझे उन सब चीजों के लिए तैयार रहना होगा अगर सलमान समय पर न आएं या शूटिंग का शेड्यूल बढ़ जाए।'

वो बहुत ही सहज और मिलनसार इंसान हैं

उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन असल में ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। मैंने पहले से ही खुद को तैयार कर लिया था क्योंकि इतने लोगों से ये अफवाह सुनी थी कि वो अनप्रोफेशनल हैं... लेकिन इसमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। वो बहुत ही सहज और मिलनसार इंसान हैं। उनकी एक खास बात है कि वो सेट पर सबसे कम नजर आने वाले इंसान

का भी ख्याल रखते हैं, चाहे वो लाइटमैन हो या चौथा एडी। वो पूछते हैं कि उन्होंने ब्रेक लिया या नहीं, समय पर खाना खाया या नहीं, उनके साथ कैसा व्यवहार हो रहा है। इतने साल इंडस्ट्री में काम करने के बाद भी उनमें ये चिंता होना वाकई कमाल की बात है।'

कब रिलीज होगी फिल्म?

सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' कथित तौर पर 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने की संभावना है। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के आसपास रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को आने वाली थी, लेकिन अब इसकी तारीख आगे बढ़ा दी गई है। फिल्म में उनके साथ चित्रांगदा भी नजर आएंगी।

अपनी अगली फिल्म में अहान पांडे को कास्ट कर सकते हैं आर्यन खान?

अहान पांडे ने फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में बतौर अभिनेता डेब्यू किया। वहीं शाहरुख के बेटे और निर्देशक आर्यन खान ने 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से निर्देशन में कदम रखा। क्या आर्यन खान की आने वाली किसी फिल्म में अहान पांडे काम कर सकते हैं?

क्या साथ काम करेंगे अहान और आर्यन?

अहान पांडे और शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान, दोनों ने साल 2025 में मनोरंजन की दुनिया में कदम रखा। जहां अहान ने फिल्म 'सैयारा' से बतौर अभिनेता अपना धमाकेदार डेब्यू किया। वहीं आर्यन ने नेटफ्लिक्स सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के जरिए निर्देशन में सफलता हासिल की। तो क्या अब दोनों एक साथ काम करेंगे?

बचपन की यादें और गहरा रिश्ता

हाल ही में एक इंटरव्यू में अहान ने आर्यन के साथ अपने खास रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वे बचपन के दोस्त हैं। अहान ने एक मजेदार किस्सा भी शेयर किया। दरअसल, आर्यन स्कूल से सीधे अहान के घर आ जाते थे। वह अपने माता-पिता (शाहरुख और गौरी खान) से मिलने से पहले अहान के घर वक्त बिताते थे। हालात, ऐसी थी कि खुद शाहरुख खान अहान को फोन करके पूछते थे कि आर्यन घर क्यों नहीं आए?

क्या साथ काम करेंगे आर्यन और अहान?

जब अहान से पूछा गया कि क्या वह भविष्य में आर्यन के निर्देशन में काम करेंगे, तो उन्होंने कहा, 'वे दोनों एक

बेहतरीन निर्देशक-अभिनेता की जोड़ी बन सकते हैं। अहान का मानना है कि उनके बीच एक 'वास्तविक बंधन' है, इसलिए साथ काम करना काम जैसा नहीं लगेगा। बचपन की दोस्ती की वजह से दोनों एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं।

अहान के प्रोजेक्ट्स

अपनी पहली फिल्म 'सैयारा' की बड़ी सफलता के बाद, अहान के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। 'सैयारा' के बाद अहान पांडे एक बार फिर से मोहित सूरी की अगली फिल्म में काम करेंगे। इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म में अहान के साथ अनीत पड्डा नजर आएंगी। इसे यशराज फिल्म्स बना रहा है। इसके अलावा अहान निर्देशक अली अब्बास जफर के साथ भी एक फिल्म में काम कर रहे हैं। यह एक एक्शन-रोमांस ड्रामा फिल्म होगी। वहीं, आर्यन खान ने अपनी पहली सीरीज की सफलता के बाद अभी तक अपने अगले प्रोजेक्ट का एलान नहीं किया है।

फिर साथ आ रही सिंगर मिथुन और मोहित सूरी की जोड़ी!

बॉलीवुड की शानदार जोड़ी मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर मिथुन, डायरेक्टर मोहित सूरी एक बार फिर साथ आने वाले हैं। मोहित सूरी अपनी ब्लॉकबस्टर सैयारा के बाद एक बार फिर अपनी अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म पर काम कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म अहान पांडे और अनीत पड्डा की अपकमिंग लव स्टोरी है, जिसमें इमोशन्स और म्यूजिक दोनों का खास तड़का होगा। 'सैयारा' की सफलता के बाद यह टीम फिर से साथ आई है। इस नई फिल्म को भी एक इमोशनल और म्यूजिकल लव स्टोरी के तौर पर तैयार किया जा रहा है, जिसमें गानों का काफी अहम रोल होगा।

हिट है मोहित और मिथुन की जोड़ी

खास बात यह है कि मिथुन पहले भी मोहित सूरी के साथ कई हिट गाने दे चुके हैं, और उनकी जोड़ी को म्यूजिक और रोमांस के लिए काफी पसंद किया जाता है। फिल्म को यश राज फिल्म्स प्रोड्यूस कर रहा है, जो इस नई जोड़ी को बड़े स्तर पर पेश करने की तैयारी में है। सीधी बात करें तो, अगर आप दिल छू लेने वाली लव स्टोरी और शानदार म्यूजिक पसंद करते हैं, तो यह फिल्म आपके लिए खास होने वाली है।

आशिकी 2' के री-रिलीज पर क्या बोलीं श्रद्धा कपूर?

फिल्म 'आशिकी 2' 2013 में रिलीज हुई थी। फिल्म में आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर लीड रोल में नजर आए थे। ऑन स्क्रीन इस जोड़ी को लोगों से काफी प्यार मिला था, और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी। अब श्रद्धा का एक पुराना वीडियो फिर से चर्चाओं में आ गया है, जिसमें वे इस फिल्म के री-रिलीज का जिक्र करती नजर आ रहीं हैं। फैंस ने की फिल्म की री-रिलीज की डिमांड बॉलीवुड फैंस के बीच एक बार फिर नॉस्टैल्जिया की लहर दौड़ पड़ी है, और इस बार वजह बनी है एक ऐसी लव स्टोरी, जिसे लोग आज भी नहीं भूले हैं, वो है 'आशिकी 2।' दरअसल, श्रद्धा कपूर का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर फिर से वायरल हो रहा है, जिसने फैंस के बीच नई चर्चा छेड़ दी है। यह वीडियो उनके एक पुराने इंस्टाग्राम 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन का है, जहां एक फैन ने फिल्म को दोबारा थिएटर्स में रिलीज करने की बात कही थी।

मैं खुद इसे दोबारा बड़े पर्दे पर देखना चाहती हूं

इस पर श्रद्धा ने जवाब देते हुए कहा था, 'मुझे लगता है ये बहुत ही ब्रिलियंट आइडिया है। मैं प्रोडयूसर्स को ये जरूर सजेस्ट करूंगी, क्योंकि मैं खुद भी इसे दोबारा बड़े पर्दे पर देखना चाहती हूं।'

ओटीटी पर नहीं है फिल्म

दिलचस्प बात ये है कि 'आशिकी 2' फिलहाल किसी भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं है, जिससे इसकी थिएटर में दोबारा रिलीज की डिमांड और भी बढ़ गई है। हालांकि, अभी तक मेकर्स की तरफ से इसे दोबारा सिनेमाघरों में लाने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

हमारी शादी में गौरव और मैं बराबर हैं

टीवी, फिल्में और ओटीटी पर अपनी यादगार भूमिकाओं से पहचान बनाने वाली कृतिका कामरा हाल ही में शादी के बाद काम कर लौट आई हैं। पिछले दिनों जाने -माने वीजे और क्रिकेट होस्ट गौरव कपूर के साथ अपने सादगी भरी शादी को लेकर चर्चा में रहने वाली कृतिका इन दिनों ओटीटी की वेब सीरीज 'मटका किंग' से खबरों में हैं। इस मुलाकात में वे अपने काम के अलावा अपनी शादी और शादी के बाद होम मैनेजमेंट जैसे मुद्दों पर दिल खोलकर बात करती हैं

दोस्ती शादी को सरल बनाती है

कृतिका बताती हैं कि उनके प्यार को शादी की मंजिल तक पहुंचाने में उनके बीच की दोस्ती का बड़ा हाथ रहा। वे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि दो पार्टनर के बीच दोस्ती एक ऐसी चीज है, जो दोनों के रिश्ते को सरल बनाती है। वो हमारे बीच शुरू से ही थी। उसके अलावा हम दोनों ही एक-दूसरे की निजता की इज्जत करते हैं। हमारे काम की, हमारे सफर की। मेरी तरह गौरव भी मुंबई से नहीं हैं। हम दोनों ही बाहर से आए और हमने अपनी जगह बनाई, तो हम एक-दूसरे से रिलेट कर पाते हैं। गौरव और मैंने दोनों ने यंग एज से काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने जिस इज्जत और मेहनत से अपना मुकाम बनाया है, मैं उसकी बहुत कद्र करती हूं। मुझे पता है कि आपको किस तरह से अपने वैल्यूज को बरकरार रखते हुए समझौते भी करने होते हैं। हम अपने वर्क एथिक्स पर बहुत ध्यान देते हैं। हम दोनों ही बहुत सारी चीजें साथ में करना पसंद करते हैं, पर अपने-अपने काम को लेकर हम इंडिविजुअल हैं।'

घर का काम मिल-जुलकर करते हैं

अपने होम मैनेजमेंट के बारे में कृतिका कहती हैं, 'हम लोग सालों से मुंबई में अकेले रहते आए हैं, तो घर चलाना गौरव को भी आता है और मुझे भी। अब जैसे मेरी सीरीज के प्रमोशन्स के दौरान गौरव का आईपीएल चल रहा था, तो उनकी शाम की शिफ्ट थी। उस दौरान लंच में क्या होगा, वो देख लेंगे। जो जिस वक्त वे घर पर होते हैं, वे देख लेते हैं और हम मिल-जुलकर काम करते हैं। हम दोनों ही खाना पकाना जानते हैं, ये अलग बात है अभी बनाते नहीं हम। मगर ये सच है कि हमारे रोल ट्रेडिशनली डिफाइन नहीं हैं। अब जैसे मेरी मम्मी भी वर्किंग वुमन थीं और उन्हें घर और ऑफिस के दोनों काम करने पड़ते थे। मगर मैं घर का खयाल उन दिनों रखती हूं, जिन दिनों मैं घर पर होती हूं। घर चलाना मेरी अकेले की जिम्मेदारी नहीं है। गौरव भी सामान रूप से पार्टिसिपेट करते हैं।'

जब दिल और दिमाग ने कहा, तब शादी की

कृतिका और गौरव लंबे समय से एक-दूसरे को जानते थे। फिर बात शादी तक कैसे पहुंची? इस सवाल पर वे कहती हैं, 'मुझे मैरिज इंस्टिट्यूशन पर हमेशा से बहुत गहरा विश्वास रहा है और मैंने इसे कभी हलके में नहीं लिया। चूंकि मैं शादी की अहमियत को समझती हूं, तो मुझे हमेशा से लगा था कि मेरा दिल और दिमाग जब दोनों हां बोलेंगे, तो मैं शादी के लिए तैयार समझूंगी खुद को। हर लड़की को इसी तरह से सोचना चाहिए। हम लोग शादी करने के लिए नहीं मिले थे, मगर फिर धीरे-धीरे हम एक-दूसरे को जानने लगे। मैंने गौरव की कई छोटी-छोटी बातें नोट कीं।'

तेज गर्मी में बूफोन लुक चुनौतीपूर्ण

टीवी से ओटीटी की दुनिया में आईं कृतिका कहती हैं, 'टीवी छोड़े हुए मुझे काफी समय हो गया है, मगर मैंने टीवी पर जितना भी काम किया है, यादगार रोल किए। ओटीटी की मेरी जर्नी तांडव से शुरू हुई थी। उसके बाद मुझे कई बड़े और अच्छे डायरेक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला। कई बार ऐसा भी हुआ कि वो उनकी पहली वेब सीरीज थी। जैसे ये नागराज मंजुले जी की पहली सीरीज है। अपनी ओटीटी की जर्नी को लेकर मैं बहुत खुश हूं।' अपनी नई सीरीज मटका किंग में कृतिका 60-70 के दशक के लुक में हैं। उनका कहना है कि मेकअप को सेट करने में बहुत वक्त लगता था। बकौल कृतिका, 'इससे पहले कई सीरीज में मैं नो मेकअप लुक में भी रही हूं, पर इस रोल में सिक्टीज के लुक में सजने - संवारने के पूरे मौके थे, तो मजा भी खूब आया,

मगर इस लुक के लिए मुझे सेट पर दो घंटे पहले आना पड़ता था। मुझे याद है कि हम रेसकोर्स का सीन शूट कर रहे थे, जिसमें मेरा हेयरस्टाइल बूफोन लुक था। उस लुक में सिर पर एक पफ बनाना पड़ता है। उस पर मैंने हैट भी पहनी थी और हाथों में ग्लव्ज भी। पीक गर्मी में इस लुक के साथ शूट करना बहुत ही चुनौतीपूर्ण था।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009